नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

31वीं राष्ट्रीय जूनियर थांग-ता चैंपियनशिप के लिए झारखंड का दल गुवाहाटी रवाना

• बोकारो, रविवार 21 दिसम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 214 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

हजारीबाग में तैनात हवलदार की गला रेतकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। भोजपुर जिले चांदी थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव में छुट्टी पर आए एक हवलदार की धारदार हथियार से गला रेतकर शुक्रवार की देर रात हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 60 साल के पशुपति नाथ तिवारी के रूप में हुई है। मृतक झारखंड के हजारीबाग के एक थाने में हवलदार कम ड्राइवर की पोस्ट पर तैनात थे। 10 दिन बाद जनवरी में वे रिटायर होने वाले थे। बताया जा रहा है कि रविवार को उनके घर में लाखों रुपए की चोरी हुई थी। इसी सिलसिले में हवलदार सोमवार को अपने घर आए थे। वे एक दो दिन में वापस लौटने वाले थे। शुक्रवार की रात को अपने कमरे में अकेले सो रहे थे तभी किसी ने धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। वारदात की जानकारी के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। वारदात के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचे मृतक पशुपति नाथ तिवारी के छोटे भाई भारत भूषण तिवारी ने बताया कि 'मेरे भइया झारखंड पुलिस में थे। हजारीबाग में एक थाने में हवलदार कम ड्राइवर के पोस्ट पर थे। अगले महीने रिटायर होने वाले थे। चांदी थाने के एसएचओ राजेश रोशन ने बताया कि सुबह परिवार की ओर से वारदात की सूचना दी गई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। मृतक झारखंड पुलिस में थे। उनकी लाश बिस्तर पर पड़ी थी और पूरा बिस्तर खून से सना हुआ था। घटना को किसने और क्यों अंजाम दिया, इसकी जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जायेगा।

देश में खेल को मिल रही नई दिशा व एनर्जी : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। विद्या विकास समिति की तरफ से धनबाद के टुंडी स्थित स्वरूप सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय 36वां प्रांतीय खेलकूद का समापन हो गया। राज्यपाल संतोष गंगवार समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और विजेताओं को पुरस्कृत किया। राष्ट्रगान के साथ शुरू हुए इस इवेंट ने अपने गानों और म्यूजिक से सभी का मन मोह लिया। राज्यपाल ने बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने और स्पोर्ट्स में दिलचस्पी बढ़ाने की सलाह दी। अपने भाषण के दौरान राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों से आए बच्चों को स्पोर्ट्समैनशिप, डिसिप्लिन और कॉन्फिडेंस के साथ मुकाबला करते देखना एक अच्छा अनुभव था। यह इवेंट बच्चों के फिजिकल, मेंटल और मोरल डेवलपमेंट की दिशा में एक सराहनीय कोशिश है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्पोर्ट्स सिर्फ मेडल या अवॉर्ड जीतने तक ही सीमित नहीं हैं। ये डिसिप्लिन, हार मानना और विनम्रता से जीत

स्वीकार करना भी सिखाते हैं। ये सहयोग, लीडरशिप, टाइम मैनेजमेंट और बेहतरीन काम के लिए लगन जैसे गुण भी डेवलप करते हैं, जो जीवन के हर पहलू में काम आते हैं। बचपन में स्पोर्ट्स में दिलचस्पी बढ़ाना एक हेल्दी, मजबूत और कॉन्फिडेंट समाज बनाने की मजबूत नींव है। उन्होंने दूरदराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में शिक्षा के लिए विद्या भारती के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्पोर्ट्स इवेंट टैलेंट को पहचानने और उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए एक खास प्लेटफॉर्म का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में देश में स्पोर्ट्स को नई दिशा और एनर्जी मिल रही है। खेलो इंडिया जैसी पहल के जरिए गांवों, कस्बों और दूरदराज के इलाकों से टैलेंट को आगे लाने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में हाल ही में घोषित नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2025 देश में स्पोर्ट्स के ओवरऑल डेवलपमेंट में एक अहम कदम है। इस पॉलिसी का मकसद भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स सुपरपावर के तौर पर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि झारखंड की धरती हमेशा से स्पोर्ट्स टैलेंट से भरपूर रही है। महेंद्र सिंह धोनी, दीपिका कुमारी, पूर्णिमा महतो और सलीमा टेटे का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि अगर सही मौके और कड़ी मेहनत मिले तो छोटे गांवों या कस्बों का टैलेंट भी ग्लोबल लेवल पर चमक सकता है। उन्होंने कहा कि आज स्कूल लेवल से ही बच्चों को स्पोर्ट्स की तरफ बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि स्पोर्ट्स में दुनिया की दिलचस्पी काफी बढ़ रही है और हमारा देश भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्कूल बहुत अच्छा काम कर रहा है, खासकर आदिवासी इलाकों में। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और यह बात माता-पिता भी समझ रहे हैं। परिवार वालों की जिम्मेदारी है कि वे छोटे बच्चों को जितना हो सके मोबाइल फोन से दूर रखें।

संक्षिप्त समाचार

डिजिटल अरेस्ट कर 30 लाख की ठगी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्थान में छापेमारी कर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले एक अपराधी को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। साइबर अपराधी ने ईडी के नाम पर फर्जी तरीके से एक व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट कर 30 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया था। सीआईडी के प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी पर आईपीसी की धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120बी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ड्यूटी के दौरान सो रहे पुलिस अधिकारी व जवान निलंबित

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। जिले में चोरी, छिनतई, लूट, डकैती जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस कप्तान सख्त है। एसपी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक शहरी क्षेत्र में रात्रि पुलिस अधिकारी किस तरह से कर रहे है इसकी जांच करने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद निकले। एसडीपीओ दयानंद आजाद ने टीओपी व नगर थाना की गश्ती दल द्वारा की जा रही लापरवाही की रिपोर्ट एसपी से की। मिली रिपोर्ट पर टाउन आउटपोस्ट के सहायक अवर निरीक्षक मुंद्रिका प्रसाद, हवलदार वीरबहादुर साह एवं नगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक विपिन कुमार, हवलदार सुखदेव मंडल, जवान तारनी महतो, निसार अहमद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

हाथियों के झुंड से घंटों जाम रहा राष्ट्रीय राजमार्ग

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। शनिवार को भटके हुए हाथियों का एक झुंड रामगढ़ थाना क्षेत्र के मायाटुंगरी के समीप पहाड़ों से उतरकर एनएच-33 पर पहुंच गया जिससे घंटों यातायात बाधित रहा। जब हाथियों का झुंड महामाया टुंगरी मंदिर वाले जंगल में प्रवेश कर गया तब आवागमन को चालू कराया गया।

पश्चिम बंगाल में महाजंगलराज खत्म होगा टीएमसी जनता को कष्ट दे रही : पीएम मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर हमला बोला और राज्य के मौजूदा हालात को महाजंगलराज बताया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के विकास में परिवारवाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार राज्य के विकास में बाधा बन चुके हैं। पीएम मोदी ने कोलकाता से फोन के जरिये नदिया जिले के ताहिरपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक मौका देकर डबल इंजन की सरकार बनाएं। मोदी ने कहा कि रैली स्थल पर घने कोहरे की वजह प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर वहां बने अस्थायी हेलीपैड पर नहीं उतर सका, जिसके बाद उनको कोलकाता एयरपोर्ट वापस लौटना पड़ा। उन्होंने परिवर्तन संकल्प सभा में कहा कि टीएमसी चाहे जितना विरोध करे, लेकिन वह लोगों को बंधक नहीं बना सकती, उन्हें कष्ट नहीं दे सकती और पश्चिम बंगाल के विकास को नहीं रोक सकती।

परिवर्तन संकल्प सभा इस वर्ष बंगाल में ऐसी चौथी सभा है। पीएम ने दावा किया कि हम बंगाल में टीएमसी के महाजंगलराज को खत्म कर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी राज्य में जारी मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रही है जिससे घुसपैठियों को पहचानने से बचाया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की हकीकत यह है कि लोग टीएमसी के कुशासन से मुक्ति चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की गली-गली में 'बांचते चाई, बीजेपी ताई' (जीने के लिए भाजपा चाहिए) का नारा गूंज रहा है। पीएम ने कहा कि बिहार चुनाव नतीजों ने बंगाल में बीजेपी की जीत के दरवाजे खोल दिए हैं। वहीं उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी का मोदी या भाजपा का विरोध करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वह बंगाल के विकास में बाधा क्यों डाल रही हैं? पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बिहार की तरह बंगाल से भी महा जंगलराज का जल्द खत्मा होगा। पीएम ने कहा कि जिस प्रकार बिहार की जनता ने जंगल राज को नकार दिया, उसी प्रकार अब बंगाल की जनता तैयार है।

वनभूमि पर किये गये अवैध निर्माण को किया ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जोभी गड़रमा में शनिवार को वन विभाग ने पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान वन भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के साथ कई लोगों को हिरासत में लिया गया। अभियान का नेतृत्व वन क्षेत्र पदाधिकारी एस.के. रवि ने किया। वन विभाग ने बताया कि अवैध निर्माण करने वाले लोगों को पूर्व में कई बार नोटिस और चेतावनी दी गई थी। उन्हें वन भूमि पर निर्माण कार्य तुरंत बंद करने को कहा गया था। हालांकि इन चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए निर्माण जारी रखा गया। इसके बाद विभाग ने जेसीबी मशीन की मदद से अवैध रूप से बन रहे मकान को ध्वस्त कर दिया। अभियान के दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मुफस्सिल थाना पुलिस ने हस्तक्षेप किया और विरोध कर रहे लोगों को मौके से हटाया। इस दौरान हंगामा करने वाले कुछ लोगों को वन विभाग और पुलिस की टीम ने हिरासत में ले लिया। वन क्षेत्र पदाधिकारी एस.के. रवि ने बताया कि वन भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि संबंधित लोगों को पहले भी कई बार नोटिस और चेतावनी दी गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या कब्जा न करें अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान वन विभाग के कर्मियों के साथ मुफस्सिल थाना की पुलिस टीम भी मौजूद थी, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सका।

रांची से नई दिल्ली तक युवा शक्ति का अभियान शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मोरहाबादी मैदान में आज 'वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन फेज-वन का भव्य आयोजन हुआ जिसमें झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह आयोजन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रांची द्वारा एनसीसी निदेशालय बिहार एवं झारखंड के निर्देशन में शौर्य के कदम, क्रांति की ओर विषय पर आयोजित किया गया। धरती आबा वीर बिरसा मुंडा के जीवन और आंदोलन से जुड़े तीन ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करते हुए तीन एनसीसी साइकिल दल मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचा जहां उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम वीर बिरसा मुंडा की शहादत, संघर्ष और समाज सुधार की चेतना को नमन करते हुए

युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर युवाओं और नागरिकों का उत्साह देखने लायक रहा। संबोधन के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि दिल्ली की ओर बढ़ने वाले एनसीसी कैडेट झारखंड के गौरव-दूत हैं, जो जहां भी जाएंगे, वहां राज्य की संस्कृति, परंपरा और वीर बिरसा मुंडा की प्रेरणा का संदेश फैलाएंगे। उन्होंने साइक्लोथॉन को झारखंड की युवा शक्ति, राष्ट्रभावना और सामाजिक चेतना का सशक्त प्रतीक बताते हुए इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के बाद चयनित एनसीसी कैडेट नई दिल्ली की ओर साइकिल यात्रा पर रवाना हुए। उनके स्वागत और सम्मान में स्थानीय नागरिकों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और गर्व का माहौल छा गया।

मुख्यमंत्री से मिले पीवीयूएनएल के सीइओ, परियोजना प्रगति पर हुई विस्तृत चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ए के सहगल ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान सहगल ने पतरातू परियोजना को लेकर राज्य सरकार की ओर से निरंतर मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। भेंट के दौरान ए के सहगल ने मुख्यमंत्री को पीवीयूएनएल परियोजना की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने पावर प्लांट की यूनिट एक के वाणिज्यिक परिचालन की स्थिति की जानकारी दी और बताया कि परियोजना निर्धारित दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही पावर स्टेशन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों, तकनीकी चुनौतियों और उनके समाधान

पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बनहाडीह कोयला खनन परियोजना की प्रगति, उत्पादन से जुड़े मुद्दों और भविष्य की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दोनों परियोजनाओं को राज्य के औद्योगिक और ऊर्जा विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन के लिए इस प्रकार की परियोजनाएं आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री ने निकट भविष्य में पीवीयूएनएल पावर प्लांट का दौरा करने की सहमति भी जताई, ताकि जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया जा सके। बैठक के दौरान स्थानीय समुदाय के विकास, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विकास भी प्राथमिकता में होना चाहिए। यह मुलाकात पीवीयूएनएल और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे परियोजनाओं के समयबद्ध, सुचारु और सफल क्रियान्वयन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

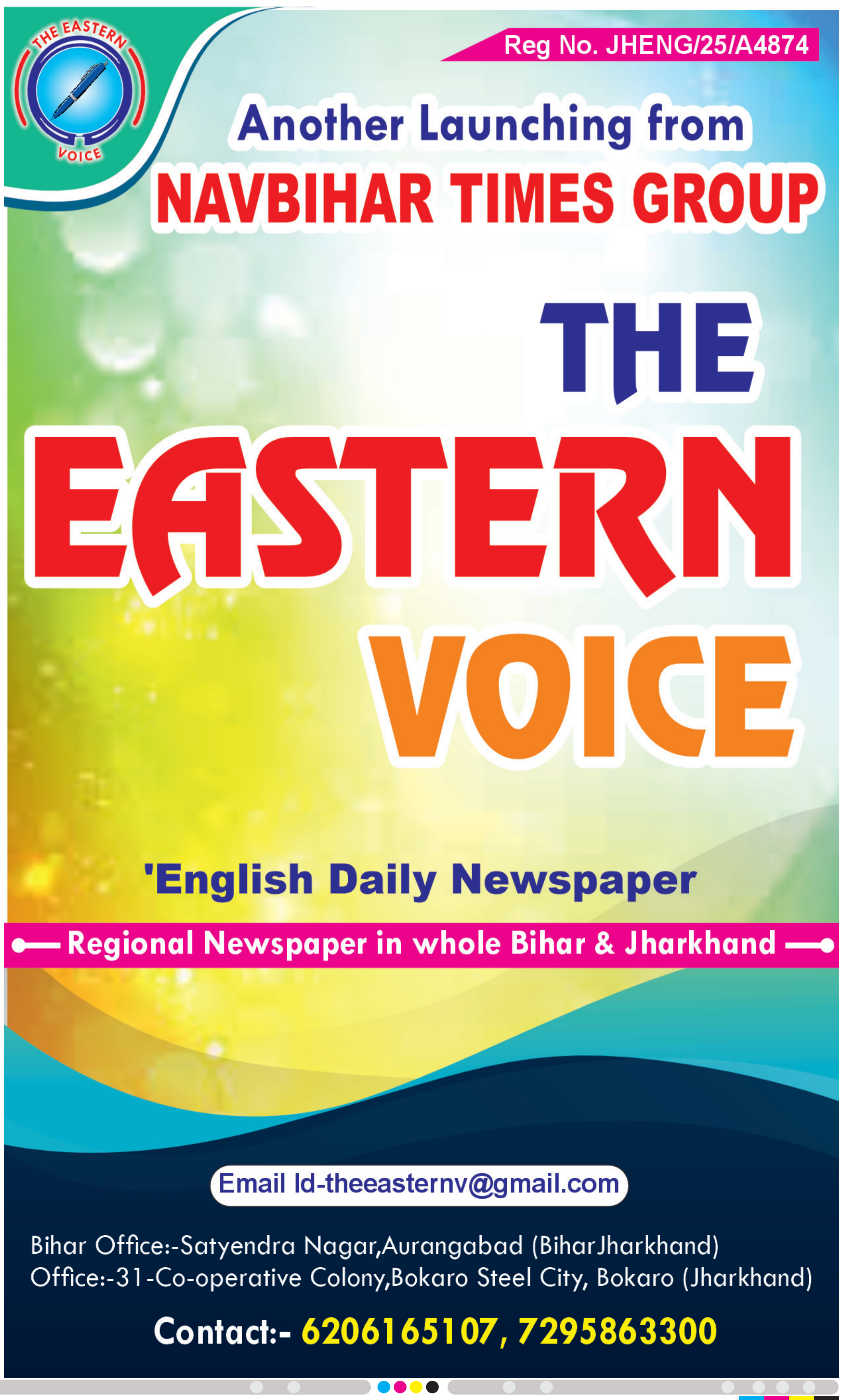

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी अब सिर्फ दो बार ही कराएगी बैकलॉग परीक्षा : कुलपति

एकेडमिक सेशन में सुधार के लिए विवि प्रबंधन हुआ सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी अपने एकेडमिक सेशन में सुधार व समय पर परीक्षा कराने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। अब दो बार ही बैकलॉग की परीक्षा ली जाएगी। अब यूनिवर्सिटी किसी भी सेशन के लिए तीसरी बार बैकलॉग परीक्षा नहीं कराएगी। उक्त बातें नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिंह ने कही। वे शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में कोविड 19 काल के बाद अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट व दूसरे वोकेशनल कोर्स के एग्जाम में बैकलॉग का सामना कर रही है। यूनिवर्सिटी ने हाल में ही रेगुलर कोर्स के साथ बैकलॉग की भी परीक्षा कराई है। कहा कि इस विषय पर छात्र संगठनों के साथ भी बातचीत हुई है। बैकलॉग परीक्षा को लेकर समस्याएं आ रही हैं। छात्र समझते हैं कि बैकलॉग परीक्षा होगी। वह परीक्षाओं के लिए बैकलॉग का इंतजार करते हैं। इस कारण सेशन लेट हो रहा है। सभी बैकलॉग एक ही वर्ष में नियमित विद्यार्थियों के साथ पूरा किया जाएगा। कहा कि मई-जून महीने में खबर आई थी कि नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी से 8,995 छात्र गायब हो गए हैं। सभी छात्र ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे। गायब छात्रों में से ज्यादातर वे थे, जिनके बैकलॉग थे। सैकड़ों छात्रों ने तो परीक्षा फॉर्म ही नहीं भरा था। 2021-24 के ग्रेजुएशन बैच में 25,118 छात्रों ने नामांकण कराया था। लेकिन, छठें व अंतिम सेमेस्टर देने के लिए 16,123 छात्र ही सामने आए। 2021 के बाद सभी बच्चों का नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी ने आकलन कराया। इसमें यह बात सामने आई कि बैकलॉग एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी का कैंपस ऐसा है कि इसमें चारों ओर से कई रास्ते आकर मिलते हैं। इसे बंद कराने व जमीन अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन से बात हुई है। जनवरी माह में लैंड रिकवर की कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि एचआरडी मिनिस्टर भी जनवरी माह में यूनिवर्सिटी में भवन का उद्घाटन करने आएंगे। इस दरमियान कई समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल कोर्स को फंक्शनल करेंगे। बीबीए, एमबीए के कोर्स में फैसिलिटी डेवलप की जाएगी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के टॉप पर 9 विद्यार्थियों में हुसैनाबाद कॉलेज में दो, छतरपुर कॉलेज में दो, लातेहार कॉलेज में दो, नामधारी कॉलेज गढ़वा में दो व जनता शिवरात्रि कॉलेज में एक टॉपर्स स्टूडेंट को बतौर पढ़ाई कराने के लिए नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा कोशिश की जा रही है कि हर क्षेत्र में बेहतरीन हो।

बरही व बरकठा के गांवों में छापामारी कर अवैध महुआ शराब की भट्ठियों को किया ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। उपायुक्त के निर्देश पर हजारीबाग उत्पाद विभाग ने बरही और बरकट्ठा के गांवों में संचालित अवैध महुआ शराब की भट्ठियों को ध्वस्त कर बरामद शराब को नष्ट किया। उत्पाद विभाग की टीम ने बरही के करसो और बरसोत तथा बरकट्ठा के गयपहाड़ी में अवैध महुआ चुलाई और महुआ शराब की संचालित 6 अलग अलग भट्ठियों और आसपास छुपाकर रखे गए कीन्वयण योग्य जावा महुआ कुल मिलाकर 4000 किलो ग्राम को विनष्ट कर दिया गया। टीम ने शराब बनाने की सामग्रियों और 250 लीटर निर्मित महुआ शराब को जब्त कर लिया। मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। फरार अभियुक्तों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सैयद बशीरुद्दीन,उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह और सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे।

प्रमुख ने 18 बिरहोर परिवारों के बीच बांटे कंबल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए खोड़ाहर पंचायत के पांचमाईल एवं जावतारी के 18 बिरहोर परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया। वहीं कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और राहत साफ दिखाई दे रही थी। कई बुजुर्गों और महिलाओं ने प्रमुख मनोज रजक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस ठंड में कम्बल उनके लिए बड़ी मदद साबित होगी। इस दौरान प्रमुख ने लोगों को कंबल प्रदान करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं और सहायता को पहुंचाना ही उनका उद्देश्य है, साथ ही उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम मद गरीब और असहाय लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है, ऐसे में जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका दायित्व है कि वे समय पर सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह कैफ जनहितकारी कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। मौके पर पूनम कच्छप, चांदमुन्नी, सरिता कुमारी, बसंती तिर्की, यशवंती किस्पोटा, सुकरो लिंडा, रिबन टोप्पो, शांति केरकेट्टा, सीमा कुमारी, जासो देवी, तारामणि देवी, शनिचर उरांव, जीरा देवी, मुनिया देवी, शांति देवी, नंदिया तिर्की, लूसिया देवी एवं राजू तिर्की समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

लंबित वारंटों का अविलंब करें निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गिरिडीह अवस्थित सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गिरिडीह द्वारा सभी अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी पुलिस उपाधीक्षक अंचल पुलिस निरीक्षक थाना ओ०पी०प्रभारी को लम्बित काण्डों के त्वरित निष्पादन, वारण्ट कुर्की का निष्पादन लम्बित पासपोर्ट चरित्र सत्यापन का निष्पादन, माननीय न्यायालय से संबंधित कार्यों का ससमय निष्पादन, विभिन्न आयोग से प्राप्त पत्रों का निष्पादन एवं आम जनता से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त क्रिसमस एवं नव वर्ष के अवसर पर सभी पिकनिक स्पॉट पर विधि व्यवस्था संधारण एवं सुरक्षात्मक व्यवस्था बनाये रखने के लिए विशेष तैयारी करने का निर्देश दिया गया। नव वर्ष को देखते हुए यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

समाज में शांति व सुरक्षा बनाए रखने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज पुलिस केंद्र गिरिडीह अवस्थित सभागार में पुलिस मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया पुलिस अधीक्षक गिरिडीह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी प्रेस के बंधुओं का विगत समय में सभी पर्व-त्योहार का निष्पादन शांतिपूर्ण माहौल में कराने में प्रेस के सभी बंधुओं के योगदान की सराहना की गई। जिले में उत्कृष्ट रिपोर्टिंग और जन-जागरूकता फैलाने वाले सभी प्रेस रिपोर्टरों को पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल के लिए एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारों ने जिले में विधि व्यवस्था संधारण के लिए अपनी ओर से हरसंभव जागरूकता का प्रसार करने के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण भी सुझाव दिए पुलिस अधीक्षक गिरिडीह द्वारा पत्रकारों के संबोधन में कहा गया कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। गिरिडीह पुलिस आपकी निर्भीकता और निष्पक्ष पत्रकारिता का सम्मान करती है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ पुलिस और प्रेस मिलकर जिले को अपराध मुक्त और सुरक्षित बना सकें।" ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से पुलिस एवं पत्रकारों के मध्य और अधिक मजबूत सामंजस्य स्थापित होगा।

आईसीएआर-आईएआरआई, गौरियाकर्मा द्वारा बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चरही। आईसीएआर-आईएआरआई गौरियाकर्मा द्वारा नवतम महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड में एक बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गाँव , चुरचू, पोस्ट चुरचू, पंचायत चुरचू और आंगो प्रखंड चुरचू में संपन्न हुआ। यह बीज वितरण आईसीएआर-आईएआरआई गौरियाकर्मा की ळरढ योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के किसानों को उन्नत गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराना तथा उन्हें बेहतर कृषि उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना था।

इस कार्यक्रम में चुरचू के मुखिया पूनम बेसरा एवं गोरिया कर्मा से बदल कुमार और आकाश कुमार रवि गरिमामई उपस्थिति रही कार्यक्रम में नवतम महिला महिला एफपीसी की निदेशक सुमन कुमारी , बेबी देवी, मदीना खातून, गीता देवी, कल्पना देवी, रंजू देवी, चिंता देवी तथा प्रबंधक दीपक कुमार यादव उपस्थित रहे लाभार्थियों में अनीता देवी, सरिता बेसरा , सबीता देवी, क्रांति टूटी , बसंती देवी, शांति देवी, सुशीला देवी आदि किसान बहनें उपस्थित थीं और उन्होंने बीज का लाभ प्राप्त किया। स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

गिरिडीह में जिला स्तरीय युवा उत्सव-2025 का सफल आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला प्रशासन के तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा उत्सवझ्र2025 का भव्य एवं सफल आयोजन नगर भवन, गिरिडीह में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं की सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा लोक कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त स्मिता कुमारी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी एसडीएम गिरिडीह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ गिरिडीह, जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला एवं डी.के. वर्मा एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात डीडीसी महोदया द्वारा स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त स्मिता कुमारी ने अपने संबोधन में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने, रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने एवं समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया।उत्सव के दौरान लोक नृत्य, लोक संगीत, भाषण, कविता लेखन एवं चित्रकला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 250 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतियोगिताओं के परिणामः लोक नृत्य में प्रथम स्थान गिरिडीह कॉलेज, द्वितीय कस्तूरबा विद्यालय बेंगाबाद एवं तृतीय खंडोली टीम ने प्राप्त किया, सामूहिक लोक गीत में प्रथम पुरस्कार गिरिडीह कॉलेज को मिला, भाषण प्रतियोगिता में सुरुति कुमारी प्रथम, अर्पित कुमार द्वितीय तथा श्वेता कुमारी एवं सिद्धि कुमारी तृतीय रहीं, कविता लेखन में शालू कुमारी प्रथम, सृष्टि कुमारी द्वितीय व साजन पाठक तृतीय रहे, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में छवि भदानी डीएवि सीसीएल प्रथम, प्रिया कुमारी द्वितीय एवं नंदिनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला एवं डी.के. वर्मा एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर द्वारा सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन किया गया। मंच संचालन श्री अमन राज, जिला पर्यटन विशेषज्ञ द्वारा किया गया। साथ ही जानकारी दी गई कि इस जिला स्तरीय युवा उत्सव में चयनित प्रतिभागी आगामी 22 दिसंबर को हजारीबाग में आयोजित होने वाले प्रमंडल स्तरीय युवा उत्सव में गिरिडीह जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ हमारी लोक संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

देश का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षक वेतनमान की प्रत्याशा में उपेक्षा का दंश झेल रहे : सुखदेव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड सरकार के अधीन कार्य कर रहे सूबे के 62 हजार सहायक अध्यापकों का भविष्य कुचला जा रहा है समान काम का समान वेतन मिलना तो दूभर हो गया है लेकिन उनके जीवन यापन करने की क्षमता भी निरंकुश होती जा रही है।

उक्त बातें सहायक अध्यापक महासंघ के जिला महासचिव सुखदेव हाजरा ने मीडिया से बातचीत के क्रम में बताया उन्होंने कहा कि झारखंड की शिक्षा व्यवस्था राज्य के तमाम सहायक अध्यापकों के कंधों पर टिकी हुई है जबकि उन्हें वेतनमान से दरकिनार कर मामूली सी मानदेय पर ही संतोष करना पड़ रहा है जो बिल्कुल नाइंसाफी और अप्रासंगिक है पूरे देश में किसी भी कर्मी को इतना हिम्मत नहीं है जो महज 18 हजार से अधिकतम 25 हजार की सैलरी से संपूर्ण पारिवारिक बोझ उठाते हुए भोजन, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य जरूरतमंद चीजों से घर का परवरिश बेहतर तरीके से संचालित कर सकता है देश के तकरीबन सभी राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के तहत नियुक्त पारा शिक्षकों को स्थायीकरण और वेतनमान की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। परंतु झारखंड ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहां शिक्षक से भी बड़े ओहदे पर कार्य करने वाले लोकतंत्र के अदालत में जनता द्वारा निर्वाचित एमपी,एमएलए, मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे तमाम नेताओं का वेतन रातों रात कैबिनेट बुलाकर बढ़ा लिया जाता है परंतु जिस शिक्षक के बदौलत बच्चों में शिक्षा और संस्कार बदल जाते हैं जिसके हाथों में समाज और देश का भविष्य बदल देने की ताकत है जिसके बदौलत इस देश और समाज में इंजिनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, आर्टिस्ट आविष्कारक, देश का रक्षक, अंतरिक्ष पायलट,सीएम,डीएम, पीएम, एमपी, एमएलए, वकील, जज,मिनिस्टर बनते हैं वैसे देश के भविष्य को गढ़ने वाले शिक्षकों की उम्मीदों को सरकार कुचल देती है राज्य में बेरोजगारों की लंबी फौज लाइन में खड़ी है वर्तमान समय में कोर्ट के हस्तक्षेप से कुछ युवकों को नौकरी मिली है। चाहे शिक्षा विभाग हो स्वास्थ्य विभाग हो चाहे कलेक्टरिएट हो, सचिवालय हो ,सीजीएल हो सभी विभागों में नियुक्ति का यही सिस्टम अख्तियार किया जा रहा है टेट पास सहायक अध्यापकों को सरकारी शिक्षक और फिलहाल टेट को सहायक आचार्य बनने का मौका मिला परंतु आकलन पास करीब 41 हजार सहायक अध्यापकों को इस प्रक्रिया का लाभ नहीं मिल पा रहा है जो बिल्कुल समानता के अधिकार का हनन है सुप्रीम कोर्ट का तर्क है कि किसी भी शिक्षक को कम सैलरी देश के लिए उसके ज्ञान में कमी को दशार्ता है समान काम का समान वेतन सभी शिक्षकों को मिलना चाहिए बावजूद उन्हें इस लाभ से वंचित किया जा रहा है।राज्य के तमाम सहायक अध्यापकों से विनम्र अपील है कि हम अपने संवैधानिक हक को किसी भी कीमत पर कुचलने नहीं देंगे सभी विभागों में कार्यरत कर्मी या पदाधिकारी का वेतन कम नहीं है पारा शिक्षक ही एक ऐसा प्राणी जन्म ले लिया है जिनका सैलरी सभी लोगों से कम है आज के इस भीषण महंगाई के चपेट में पारा शिक्षक ही पीसे जा रहे हैं जिनका फरियाद सड़क से सदन तक कोई सुनने वाला नहीं है इंसाफ के लिए संघर्ष करो तो उनकी चट्टानी एकता को कुचल देने वाली नाइंसाफियत का दमनचक्र चलना शुरू हो जाता है।

अनाथ व असहाय बच्चों के लिए तिसरी प्रखंड में एक दिवसीय विशेष स्पॉन्सरशिप कैंप का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड सभागार में जिला बाल संरक्षण इकाई, गिरिडीह के तत्वावधान में अनाथ, असहाय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर परिस्थितियों में रह रहे बच्चों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष कैंप का आयोजन किया गया।

इस शिविर में तिसरी प्रखंड एवं आसपास के पंचायतों से बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित हुए। कैंप के दौरान पात्र बच्चों के लिए आवेदन प्रपत्र भरे गए तथा अभिभावकों को स्पॉन्सरशिप योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गई कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार, अंचल अधिकारी अखिलेश प्रसाद, उप-प्रमुख बैजू मरांडी, माला सिन्हा, रिंकू बरनवाल, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी जीतू कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी जीतू कुमार ने अपने संबोधन में बताया कि स्पॉन्सरशिप योजना का उद्देश्य ऐसे बच्चों को आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करना है, जो पारिवारिक संकट अभिभावक के अभाव अथवा अत्यधिक गरीबी के कारण शिक्षा, पोषण और देखभाल से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कैंप के माध्यम से पात्र बच्चों की पहचान कर उन्हें नियमित सहायता से जोड़ा जाएगा तथा सभी आवेदनों की जांच के उपरांत नियमानुसार लाभ प्रदान किया जाएगा प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह स्पॉन्सरशिप योजना विशेष रूप से उन बच्चों के लिए है, जो अनाथ हैं, जिनके सिंगल पेरेंट्स हैं, जिनके पिता का देहांत गंभीर बीमारी के कारण हो चुका है अथवा जो किसी मामले में लंबे समय से कारावास में बंद हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ऐसे बच्चों को आर्थिक सहायता देकर उनकी शिक्षा, पोषण और देखभाल को निरंतर बनाए रखना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें जागो फाउंडेशन के सचिव बैद्यनाथ ने कार्यक्रम की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से बच्चों को उनके परिवार में रहते हुए सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे संस्थागत देखभाल में जाने से बच सकें। उन्होंने कहा कि यह योजना बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समग्र विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है।आवेदन प्रक्रिया में अभिभावकों को मार्गदर्शन, दस्तावेज संकलन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य योगेन्द्र यादव, संरक्षण पदाधिकारी पीओ एनआईसी अर्चना कुमारी, श्री रवींद्र कुमार सिन्हा, शोभा कुमारी एवं अनिल कुमार ने उपस्थित अभिभावकों को स्पॉन्सरशिप योजना से संबंधित प्रक्रिया, शर्तों एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी तथा बताया कि सभी पात्र बच्चों को नियमानुसार योजना का लाभ दिया जाएगा। कैंप के सफल आयोजन में विकास पाण्डेय, राजेश वर्मा, मथुरा प्रसाद ने सक्रिय भूमिका निभाई और लाभुकों को आवेदन भरने, दस्तावेज संकलन एवं मार्गदर्शन में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे स्पॉन्सरशिप योजना से जुड़े अधिक से अधिक पात्र बच्चों को आगे लाएँ तथा बच्चों की शिक्षा एवं संरक्षण से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी समय पर जिला बाल संरक्षण इकाई को दें। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

बरही में 40 महिलाओं को मिला उज्ज्वला योजना का लाभ

विधायक मनोज यादव ने गैस कनेक्शन वितरित कर कहा– धुएं से आजादी, महिलाओं को गरिमा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही नगर भवन में तिरुपति भारत गैस ग्रामीण वितरक, बरही के सौजन्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 40 लाभुक महिलाओं के बीच गैस सिलिंडर, चूल्हा, पाइप, रेगुलेटर एवं गैस बुक का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज यादव ने लाभुक महिलाओं को कनेक्शन प्रदान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी एक क्रांतिकारी योजना है। उन्होंने कहा कि इस योजना से ग्रामीण एवं गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है, जिससे उनका जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बना है। विधायक मनोज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर गंभीर हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर घर तक स्वच्छ ईंधन पहुंचे और महिलाएं चूल्हे के धुएं से होने वाली गंभीर बीमारियों से बच सकें। मौके पर जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब महिलाएं लकड़ी, कोयला और उपले के धुएं से होने वाली बीमारियों से बच पा रही हैं, जो समाज के स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत है। वहीं जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता ने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जरूरतमंद महिलाओं तक इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुखिया नारायण यादव, साधुशरण दास, एजेंसी प्रोपराइटर उमेश ठाकुर, राजकुमार यादव, अमित गौरव उर्फ पमपम, राजकुमार केशरी, संतोष निषाद, दीपक कुमार, इंद्रदेव यादव, ब्रह्मदेव यादव, संजय यादव, मैनेजर संतोष कुमार, बिनोद कुमार, मनीष कुमार, अजित कुमार सहित बड़ी संख्या में लाभुक महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई :अंतर्राज्यीय बोलेरो चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

चतरा, एजेंसी। चतरा पुलिस ने अंतर्राज्यीय बोलेरो चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी की दो बोलेरो और वाहन चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र से चोरी हुई एक बोलेरो की गुत्थी सुलझाने के दौरान हुई। चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने बताया कि एंटी-क्राइम चेकिंग के दौरान यह गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 12 दिसंबर को पत्थलगड्डा से एक सफेद बोलेरो चोरी हुई थी। एसपी के निर्देश पर लगातार छापेमारी की जा रही थी। 18 दिसंबर की रात पत्थलगड्डा पुलिस ने जगरनाथी गांव के पास चेकिंग के दौरान चोरी की बोलेरो के साथ पलामू निवासी रंजीत जायसवाल को रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तार रंजीत की निशानदेही पर पुलिस ने हजारीबाग के केरेडारी से उसके सहयोगी विकास कुमार को गिरफ्तार किया। विकास के पास से कुडू (लोहरदगा) से चोरी की गई एक अन्य बोलेरो भी बरामद की गई। पुलिस ने इनके पास से एल-आकार का एक विशेष लोहे का औजार भी जब्त किया है, जिसका उपयोग ये अपराधी गाड़ियों का लॉक तोड़ने और उन्हें स्टार्ट करने में करते थे। इसके अलावा, तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पकड़े गए दोनों अपराधी पेशेवर हैं। रंजीत जायसवाल पर पलामू के सदर, लेस्लीगंज, पाटन और छतरपुर थानों में चोरी और धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। वहीं, विकास कुमार पर टंडवा और केरेडारी में चोरी और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले पहले से चल रहे हैं। चतरा एसपी ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से चतरा, पलामू और हजारीबाग क्षेत्र में सक्रिय था। फिलहाल गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

झारखंड में कड़ाके की ठंड का कहर! 14 जिलों में कोहरा और शीतलहर का अलर्ट

रांची। झारखंड इन दिनों कड़ाके की ठंड की चपेट में है। पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी और दक्षिण-पूर्व दिशा से आ रही नमी भरी हवा के असर से राज्य का मौसम पूरी तरह बदल गया है। प्रदेश के कई हिस्सों में ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुबह और देर रात घना कोहरा छा रहा है, वहीं तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार अगले तीन दिनों तक राज्य के 14 जिलों में कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। इनमें रांची, गुमला, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, देवघर और जामताड़ा शामिल हैं। विभाग का कहना है कि यह स्थिति 22 दिसंबर तक बनी रह सकती है। कोहरे और बादलों की वजह से दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट देखी जा रही है और कई इलाकों में शीतलहर जैसे हालात बन गए हैं। ठंड का असर जानलेवा भी साबित हो रहा है।हजारीबाग में ठंड से दो लोगों की मौत की खबर है। वहीं पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड की बेनीकला पंचायत अंतर्गत फुलडीहा गांव में अंगीठी जलाकर सो रही नानी-नातिन की दम घुटने से मौत हो गई। बताया गया कि मुलारो कुंवर अपनी नातिन माया कुमारी के साथ अंगीठी जलाकर एक ही कमरे में सो रही थीं। सुबह दोनों बेहोश मिलीं, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रदेश के पलामू सहित नौ जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता काफी कम हो गई है, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। मौसम में आए बदलाव का असर हवाई और रेल यातायात पर भी पड़ा है। कोहरे के कारण रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 14 उड़ानें देरी से रवाना हुईं, जबकि इंडिगो की रांची-दिल्ली और रांची-बेंगलुरु उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई प्रमुख ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से देर से रांची पहुंचीं। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई है। रांची का न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री बढ़कर 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

शराब पीकर आया पति, रामगढ़ में महिला ने कुल्हाड़ी से काट डाला ; गिरफ्तार

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 27 साल की महिला ने कथित तौर पर अपने पति की घर पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। महिला का पति आदतन शराबी था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पत्नी की पहचान किरण उरांव के तौर पर हुयी है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।बासल पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी कैलाश कुमार ने बताया कि जिले के लेम गांव में पत्नी के हमले के बाद 28 वर्षीय अशोक उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। कुमार ने कहा कि अशोक एक आदतन शराबी था जो अक्सर नशे की हालत में पत्नी से झगड़ा करता था और उसके साथ मार पीट करता था। उसके व्यवहार से तंग आकर किरण कई बार अपना ससुराल छोड़कर पिथोरिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दुबिल्या गांव में अपने माता-पिता के पास चली जाती थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को अशोक नशे की हालत में पत्नी से झगड़ा करने लगा और उस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद पत्नी ने कुल्हाड़ी उठाकर उस पर वार कर दिया। पुलिस ने बताया कि हमले में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

हजारीबाग जमीन घोटाला: कारोबारी विनय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

रांची, एजेंसी। हजारीबाग जमीन घोटाले मामले में झारखंड के बड़े कारोबारी विनय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर 2025 को विशेष अनुमति याचिका (स्क्र क्रिमिनल नंबर 202482025) पर सुनवाई करते हुए विनय कुमार सिंह को अंतरिम जमानत प्रदान की है। हालांकि अंतरिम जमानत के बाद भी फिलहाल विनय सिंह जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे। उनपर एक और मामला दर्ज की गई है।

क्या है मामला

मामला झारखंड हाईकोर्ट के 4 दिसंबर 2025 के आदेश (क्रनंबर 104992025) के खिलाफ दायर किया गया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन।वी। अंजारिया की बेंच ने सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है। आपको बता दें कि यह मामला केस नंबर 112025 एंटी-करप्शन ब्यूरो (ष्छक्र), हजारीबाग द्वारा दर्ज किया गया था। जमीन हेराफेरी मामले में मिली शिकायत पर 23 दाखिल-खारिज मामलों की जांच हुई, जिसमें सर्कल अधिकारी, इंस्पेक्टर, राजस्व अधिकारी और कर्मचारी पर सरकारी जमीन के गैर-कानूनी म्यूटेशन का आरोप लगा था। इसी मामले में विनय सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

एसीबी ने किया था गिरफ्तार

आपको बता दें कि 25 सितंबर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक कार्रवाई करते हुए हजारीबाग में करोड़ों के जमीन घोटाले में मुख्य आरोपी विनय कुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। नेक्सजेन के संचालक विनय कुमार सिंह पर आरोप है कि उन्होंने राजस्व और भूमि सुधार विभाग द्वारा 2013 में रद्द की गई पांच भूखंडों की अवैध जमाबंदी को फिर से स्थापित कर धोखाधड़ी की।

इस केस में एसीबी ने जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को भी आरोपी बनाया है। उनकी मिलीभगत से जमीन को अवैध तरीके से कब्जाया गया। विनय सिंह की गिरफ्तारी के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में एसीबी ने बताया था कि यह कार्रवाई हजारीबाग एसीबी थाना कांड संख्या 11/25 के तहत की गई थी। आरोपी विनय कुमार सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विनय कुमार पर सरकारी जमीन कब्जा करने का आरोप

जांच में यह खुलासा हुआ है कि विनय कुमार सिंह ने अवैध रूप से इन सरकारी जमीनों पर मालिकाना हक प्राप्त करने के लिए आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची थी। पूर्व विज्ञप्ति के अनुसार, ये भूखंड गैर-मजरूआ खास जंगल-झाड़ी भूमि की श्रेणी में आते हैं, जिन्हें वन विभाग की अनुमति के बिना किसी भी तरह के निर्माण या हस्तांतरण के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

एसीबी ने यह भी बताया था कि इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 1996 के एक आदेश का हवाला दिया गया। इस आदेश में स्पष्ट किया गया था कि जंगल में दर्ज की गई किसी भी भूमि को वन विभाग की अनुमति के बिना इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। एसीबी ने बताया था कि विनय कुमार सिंह इस जमीन के लाभार्थी और खरीदार दोनों थे।

लोयाबाद में नशेड़ी युवक ने डीएवी स्कूल के बस का शीशा फोड़ा

लोयाबाद। लोयाबाद जलमीनार के समीप शुक्रवार दोपहर एक नशे में धुत युवक द्वारा सड़क किनारे खड़ी डीएवी स्कूल बस पर पत्थर फेंकने से बस का शीशा टूट गया। घटना को लेकर इलाके में कई घंटों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस चालक समीद खान मुनीडीह स्थित डीएवी स्कूल से बच्चों को कनकनी छोड़कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान लोयाबाद छह नंबर निवासी एक युवक ने अचानक बस पर पत्थर फेंक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक नशे की हालत में था। पत्थर लगने से बस का शीशा टूट गया, जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही लोयाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। पुलिस ने एहतियातन बस को भी जब्त कर लिया है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद कुछ समय तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ माह पूर्व इसी स्थान पर एक टोटो पर भी ईंट-पत्थर फेंके गए थे तथा चालक के साथ मारपीट की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि आसपास की कुछ दुकानों में अवैध शराब की बिक्री होती है, जिसके कारण नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। इसी मार्ग से लोयाबाद के सबसे बड़े बीजीएस विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन आवागमन करते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के आरोपों की भी जांच करने की बात कही है।

रामगढ़ में पत्नी ने कुल्हाड़ी से पति की हत्या की शराब के नशे में पत्नी के साथ करता था मारपीट

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के बासल थाना क्षेत्र अंतर्गत लेम गांव के महली टोला में शुक्रवार को एक पत्नी ने घरेलू विवाद के दौरान अपने पति की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी जब्त कर ली गई है।

मृतक की पहचान अशोक उरांव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोक उरांव शराब का आदी था और पिछले चार वर्षों से शराब के नशे में अपनी पत्नी किरण उरांव के साथ लगातार मारपीट करता था। प्रताड़ना से परेशान होकर किरण अक्सर अपने मायके पिठोरिया थाना क्षेत्र के दुबलिया गांव में रहने चली जाती थी।

पत्नी पर पत्थर और हथौड़ी से हमला करने की कोशिश की : घटना के दिन भी अशोक उरांव शराब के नशे में था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी पर पत्थर और हथौड़ी से हमला करने की कोशिश की। खुद को बचाने के प्रयास में किरण ने पास रखी कुल्हाड़ी उठाई और पति पर वार कर दिया। कुल्हाड़ी लगने से अशोक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद किरण ने उस पर कई बार और वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बासल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पत्नी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी पत्नी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मृतक अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बेटे का शव थैले में ले गया पिता:4 साल के मासूम की बॉडी ले जाने चाईबासा सदर अस्पताल से न एंबुलेंस मिली न शव वाहन

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा के नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत बड़ा बालजोड़ी गांव का रहने वाला डिंबा चतोंबा अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा सदमा लेकर लौटा। चार साल का इकलौता बेटा, जिसे वह कुछ दिन पहले तक कंधों पर बैठाकर गांव में घुमाया करता था, अचानक बीमार पड़ गया। परिवार ने बिना देर किए बच्चे को सदर अस्पताल चाईबासा में भर्ती कराया। पिता को उम्मीद थी कि अस्पताल में इलाज से उसका बेटा ठीक हो जाएगा। लेकिन शुक्रवार दोपहर बच्चे की सांसें थम गईं। मासूम की मौत के बाद अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। बेटे के निर्जीव शरीर को देखकर डिंबा की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

बस और पैदल सफर, सिस्टम पर उठे सवाल

डिंबा ने बचे हुए पैसों से चाईबासा से नोवामुंडी तक बस का किराया दिया और थैले में बेटे का शव लेकर बस में सफर किया। वहां से गांव बड़ा बालजोड़ी तक वह पैदल चला। थैले में बेटे का शव और दिल में असहनीय दर्द लेकर चलता वह पिता व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल छोड़ गया। यह घटना सिर्फ एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता का आइना है।

प्लास्टिक थैले में लेकर गया बॉडी

बेटे की मौत के बाद डिंबा को उम्मीद थी कि अस्पताल प्रशासन शव को घर तक पहुंचाने में मदद करेगा। लेकिन यहां व्यवस्था पूरी तरह बेबस नजर आई। अस्पताल की ओर से न एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई, न शव वाहन। बेहद गरीब डिंबा के पास साधन तो दूर, पैसे भी नहीं थे। उसकी जेब में महज 100 रुपए थे। मजबूरी में उसने 20 रुपए देकर एक प्लास्टिक की थैली खरीदी और उसी में अपने चार साल के बेटे का शव रखा।

क्या कहते हैं सिविल सर्जन

चाईबासा सदर अस्पताल सिविल सर्जन डॉ. भारती मिंज ने बताया कि शव ले जाने के लिए हम लोग एंबुलेंस नहीं देते हैं उसके लिए शव वाहन की व्यवस्था है। जबकि जिले में एक ही शव वाहन है जो उसे दौरान मनोहरपुर गया हुआ था। हम लोगों ने बच्चों के परिजनों से कहा था कि दो-तीन घंटा इंतजार कर ले लेकिन परिजन नहीं माने और घर के लिए निकल गए।

ताशे की धुन पर थिरके झारखंड के खिलाड़ी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की ऐतिहासिक जीत का जेएससीए में जश्न

रांची, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पहली बार जीतकर इतिहास रचने के बाद झारखंड की क्रिकेट टीम में उत्साह चरम पर है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद टीम के कप्तान ईशान किशन समेत कई खिलाड़ी झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) परिसर पहुंचे, जहां जीत का जश्न पूरी शान-ओ-शौकत के साथ मनाया गया। ताशे की धुन पर खिलाड़ी और समर्थक झूमते नजर आए, जिससे पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंग गया।

जेएससीए परिसर में टीम के पहुंचते ही ढोल-ताशों की गूंज सुनाई देने लगी। खिलाड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और प्रशंसकों ने तालियों और नारों के साथ टीम का उत्साह बढ़ाया। ताशे की धुन पर खिलाड़ियों का थिरकना इस बात का प्रतीक था कि यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं बल्कि झारखंड क्रिकेट के संघर्ष और मेहनत की जीत है।

झारखंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल

इस मौके पर कप्तान ईशान किशन ने कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतना झारखंड क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा, 'यह जीत पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। हर खिलाड़ी ने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। ताशे की धुन पर आज जो खुशी दिख रही है, वह महीनों की मेहनत का परिणाम है'। उन्होंने कोचिंग स्टाफ, सपोर्ट स्टाफ और जेएससीए प्रबंधन को भी इस सफलता का श्रेय दिया है।

टीम ने दबाव में भी संयम बनाए रखा

टीम के दूसरे खिलाड़ियों ने भी इस जीत को राज्य के क्रिकेट इतिहास में मील का पत्थर बताया। खिलाड़ियों का कहना था कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और हर मुकाबले को एकजुट होकर खेला। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में संतुलित प्रदर्शन ने टीम को खिताब तक पहुंचाया।

ये जीत युवा क्रिक्रेटरों के लिए प्रेरणा

जेएससीए के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत झारखंड के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले सालों में झारखंड क्रिकेट और भी ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मिली ऐतिहासिक सफलता झारखंड क्रिकेट के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है।

झारखंड के मौसम पर बड़ा अपडेट, 12 जिलों में 4 दिन तक छाया रहेगा कुहासा

रांची। झारखंड में रांची समेत कई जिलों में लगातार कुहासा गहराने से मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को पलामू से लेकर संताल तक बिहार से लगे सीमावर्ती जिलों में घने कुहासे से यातायात बाधित हुई। दृश्यता में कमी आने से विमान से लेकर रेल और सड़क सेवाएं प्रभावित हुईं।

उत्तर भारत से आने वाली ट्रेनें अधिक विलंब हो रही हैं। बिहार से बस सेवाएं भी दो से तीन घंटे तक विलंब हो रही हैं। पश्चिमी विक्षोभ के कारण आ रही नमी के कारण कुहासा घना हो रहा है। मौसम विभाग ने पलामू-संताल के सभी जिलों समेत बिहार से सटे सीमावर्ती जिलों में अगले चार दिनों तक घने कुहासे का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान ठंड और कनकनी कायम रहेगी। इन जिलों में पलामू के अलावा गढ़वा, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, कोडरमा, हजारीबाग, रांची, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा शामिल है। सुबह के वक्त दृश्यता 200 मीटर से कम हो सकती है। वहीं, कांके का पारा 5.4 डिग्री और मैकलुस्कीगंज का न्यूनतम पारा 6 डिग्री दर्ज किया गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने शीतलहर को देखते हुए लोगों से अपील की है कि आवश्यक सावधानियां बरतें। विशेषकर सुबह-शाम में अनावश्यक यात्रा से बचें। बच्चों-बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। यदि खांसी-जुकाम, कमजोरी, भ्रम या सांस लेने में कठिनाई हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस सेवा, 104 स्वास्थ्य विभाग हेल्पलाइन अथवा 1800-345-6540 पर संपर्क करें। आपकी सुरक्षा ही हमारी प्राथमिकता है।

रांची सहित इसके आसपास के इलाकों में लगातार बढ़ते कोहरे से जनजीवन प्रभावित हो गया है। सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता काफी कम रह रही है, जिससे सड़क पर चलना जोखिम भरा हो गया है। किसान, मजदूर, विद्यार्थी और वाहन चालक सभी को रोजमर्रा के कामों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हादसों की आशंका भी बढ़ गई। कोहरे ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) समेत अन्य मार्गों पर भी वाहनों की रफ्तार रोक दी है।

कोडरमा में होमगार्ड जवान के घर गहने चोरी, 5 लाख रुपए के जेवर लेकर चोर फरार, परिजनों को दो दिनों बाद चोरी की मिली जानकारी

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बिशुनपुर रोड स्थित एक होमगार्ड जवान के घर से 5 लाख रुपए के गहनों की चोरी हो गई है। चोरों ने घर में घुसकर सोने के जेवरात पर हाथ साफ किया। घटना के समय जवान की मां घर पर अकेली थीं।घर की मालकिन मालती देवी ने बताया कि उनके बेटे शशिकांत सिंह रामगढ़ के गिद्दी में कार्यरत हैं, जबकि बहू एक निजी स्कूल में पढ़ाती हैं। बुधवार सुबह बहू और बच्चे स्कूल गए हुए थे। सुबह करीब 9 बजे मालती देवी बाथरूम में थीं, तभी उन्हें कुछ आवाज सुनाई दी।

मुख्य दरवाजा बंद कर स्नान करने चली गईं : आवाज सुनकर वे बाथरूम से बाहर आईं और सभी कमरों में देखा, फिर घर के बाहर भी झांका, लेकिन कोई नजर नहीं आया। इसके बाद उन्होंने मुख्य दरवाजा बंद कर स्नान करने चली गईं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने अपने कमरे की अलमारी खुली देखी थी, लेकिन उन्हें चोरी का जरा भी संदेह नहीं हुआ।

बहू ने सास के कमरे में रखी अलमारी की जांच की : शुक्रवार शाम को मालती देवी अपनी बहू और पोते-पोतियों के साथ चाय पी रही थीं। इस दौरान उन्होंने बुधवार की घटना का जिक्र किया। बहू को शक हुआ और उसने सास के कमरे में रखी अलमारी की जांच की। जांच के दौरान अलमारी के लॉकर में रखी जेवरों से भरी पोटली गायब मिली। बहू ने बताया कि गायब पोटली में एक सोने की चेन, चार अंगूठियां, दो जोड़े सोने के कंगन और उसका मंगलसूत्र था। इन जेवरात की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है।

तिलैया पुलिस को घटना की जानकारी दी गई : चोरी का पता चलने के बाद उन्होंने आसपास के लोगों और रिश्तेदारों को सूचना दी। इसके बाद तिलैया पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

डकैती कांड में हथियार सप्लायर गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ाजामदा ओपी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अनिल चौरसिया डकैती कांड से जुड़े एक फरार अभियुक्त को हथियार और कारतूस की आपूर्ति करने आए एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई 19 दिसंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। अक्टूबर माह में बड़ाजामदा निवासी अनिल चौरसिया के घर डकैती हुई थी। इस दौरान 2.5 लाख रुपए नगद, एक सोने का ब्रेसलेट (90 हजार रुपए) और एक सोने की चेन (लगभग 80 हजार रुपए) लूटी गई थी।

इस संबंध में गुवा (बड़ाजामदा ओपी) थाना कांड संख्या 45/25, दिनांक 14.10.2025 दर्ज किया गया था। इस मामले में पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

हथियार और कारतूस वांछित अभियुक्त राजू लोहार को देने जा रहा था : पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि उक्त डकैती में प्रयुक्त हथियार और गोली पहुंचाने के लिए एक व्यक्ति बड़ाजामदा आ रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, किरीबुरु के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ाजामदा बस स्टैंड से करण कुमार महतो को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी करण कुमार महतो, डकैती कांड में जेल भेजे गए अभियुक्त दीपक महतो का भतीजा बताया जा रहा है। वह ये हथियार और कारतूस वांछित अभियुक्त राजू लोहार को देने जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक सिल्वर रंग का देशी कट्टा, एक स्टील रंग का स्वचालित पिस्तौल, दो खाली मैगजीन, 41 जिंदा कारतूस (7.65 एमएम), 10 जिंदा कारतूस (9 एमएम), 09 जिंदा कारतूस (8 एमएम) और एक काले रंग का मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पति को कुल्हाड़ी से काटने वाली पत्नी ने सुनायी दुखभरी दास्तां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भुरकुंडा। बासल थाना के लेम गांव स्थित महली टोला में पति और पत्नी का आपसी झगड़ा रक्तरंजीत हो गया। प्रताड़ना से तंग आकर पत्नी किरण देवी ने अपने पति अशोक उरांव पर तीन बार टांगी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया।

दिलदहलाने वाली घटना से बासल थाना क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण और कोलियरी क्षेत्र में भी सनसनी फैल गई।रिश्ते-नातों को तार तार करने वाली घटना से कई सवाल उभर कर सामने आए है, जिसका जवाब पारिवारिक व्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

पति की हत्या की बात कबूलने वाली किरण देवी ने सिसक - सिसक कर अपनी दास्तान बयां की। उसने बताया कि पति अक्सर शराब के नशे में धुत होकर मारपीट करता था। वह बच्चों को भी नहीं छोड़ता था। उसने बताया कि दो बेटी और एक बेटा है। बड़ी बेटी पूजा 5 साल, बेटी मिस्टी 3 साल और दुधमुंहा अयांश 2 साल का है। पति की प्रताड़ना से तंग आकर वो 2018 में मायके चली गई थी, जहां करीब दो साल तक रही। इस दौरान वो भी साथ में रहता था। इसके बाद सास के कहने पर वापस लेम आई थी।

उसने कहा कि यदि मैं नहीं मारती तो वहीं मेरी हत्या कर देता। कई बार प्रयास भी किया। मगर मैं जैसे तैसे बचती ही। आज तंग आकर अपने बचाव में पति को टांगी से काट कर मार दिया। वो काम करने के बजाय सिर्फ शराब पीकर लड़ाई करता था। वहीं किरण देवी घर का काम और खेती-बाड़ी करती थी।

बेटे की हत्या की सूचना पाकर मृतक की मां दुग्गी देवी और छोटा भाई पियस उरांव लेम महली टोला पहुंचे। दोनों ओरमांझी स्थित मृतक की बहन के घर पर थे।

यहां पहुंचते ही सास ने अपनी बहु को खुब खरीखोटी सुनाई। रोते हुए माथा पर हाथ रख कर गुमशुम अवस्था में देर तक पड़ी रही, लेकिन जब बेटे की हत्या करने वाली बहु किरण देवी को पुलिस की गिरफ्त में देखा तो फूट-फूट कर रोने लगी।

थाना प्रभारी से कहा कि कम सजा दिजिएगा साहब, छोटा-छोटा बच्चा है, कौन पालेगा इनको। इस दौरान बार-बार अपने बेटे को कोस रही थी।

पति की हत्या में गिरफ्तार किरण अपने दुधमुंहे बेटे अयांश (2 वर्ष) को भी अपने साथ जेल लेकर जाएगी। बच्चा मां के दुध पर आश्रित है। जिसका लालन-पालन दूसरे के बस की बात नहीं है। गिरफ्तार किरण अपने बेटे को गोद में लेकर थाना की गाड़ी में बैठी, यह देख कर गांव के लोगों का दिल पसीज गया।

वहीं, दो बेटियां पूजा और मिस्टी का लालन-पालन दादी ही करेगी। परिवार बिखर गया। मृतक की मां और भाई दोनों मजदूरी करते हैं। तभी घर चलता है। अब बच्चें की जिम्मेदारी मिलने पर बच्चों की देखरेख के लिए मजदूरी छोड़नी पड़ेगी। जिसकी वजह से घर की माली हालत खराब होने की बात कह कर वो और सिसक रही थी।

मृतक अशोक उरांव ने गांव के ही युवक की वर्ष 2015 में टांगी से काट कर हत्या की थी। इस कांड में गिरफ्तार होने के बाद करीब 5 साल तक जेल में सजा काटी। उसने गांव के डब्लू उरांव की हत्या शराब के नशे में की थी। बताया जाता है कि जेल से छुटने के बाद भी उसने शराब नहीं छोड़ी और घर में विवाद करता रहता था।

पिता का शव घर से बाहर पड़ा हुआ था। वहीं मृतक के तीनों बच्चे आंगन में पड़ी खटिया पर बैठ कर खेल रहे थे। हाथ में मोबाइल था। उसमें तीनों कुछ देखते हुए हंस रहे थे। इसी बीच मोबाइल रिंग हुआ। तीन साल की मिस्टी ने फोन उठाया। फोन स्पीकर पर था। आवाज आई कि तोहर बप्पा कहा हव, बात पुरी भी नहीं हुई और तोतली आवाज में मिस्टी ने कहा मर गेलव तो, के मार लव, इस पर बड़ी मासूमियत से जवाब दिया मईयां मारलव।

आने वाले संकट से अनजान बच्चें बिना समझे कभी पिता के शव को देखते, तो कभी मां के पास जाकर कुछ बात करते। यह देख वहां पर मौजूद लोगों की आंखे भर आई। एक घटना से पूरा परिवार बिखर गया। बिना मां-बाप के दो बेटियां दादी के साथ रहेंगी, तो छोटा बेटा मां के आंचल की छांव में जेल में।

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ट्रेनों के परिचालन में कोहरे का कहर कायम है। 02570 नई दिल्ली से दरभंगा जाने वाली ट्रेन 16 घंटे की देरी से पहुंची। इस ट्रेन की रेक देर से पहुंचने के कारण नई दिल्ली से गुरुवार को 13 घंटे लेट खुली। रास्ते में और भी लेट हो गई।

वहीं डाउन स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस सात घंटे लेट हो गई। यह ट्रेन नई दिल्ली से दो घंटे लेट खुली और गाजियाबाद-अलीगढ़ के बीच तीन घंटे और लेट हो गई। उसके बाद लगातार लेट होते सात घंटे की देरी से पहुंची है।

वहीं नई दिल्ली से ललितग्राम जाने वाली 15566 वैशाली एक्सप्रेस पांच घंटे की देरी से पहुंची। यह तो दूरगामी ट्रेन की लेटलतीफी है। इंटरसिटी ट्रेन भी जयनगर से आरा जाने वाली जयनगर से एक घंटे की देरी से खुली और मुजफ्फरपुर पहुंचते साढ़े तीन घंटे लेट हो गई।

वहीं जोगबनी से दानापुर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन की लेटलतीफी में सुधार हो रहा है। शुक्रवार को एक घंटे की देरी से मुजफ्फरपुर पहुंची है।

वंदे भारत जैसी वीआइपी ट्रेन को भी एक के बदले चार-पांच नंबर प्लेटफार्म से गुजारा जा रहा है। इसको लेकर कई यात्रियों ने आपत्ति जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया है।

एक यात्री अभिनंदन कुमार ने बताया कि वंदे भारत को अभी सबसे अधिक वीआईपी ट्रेन माना जाता है और इस ट्रेन को एक नंबर प्लेटफार्म पर नहीं रोक, ऐसे प्लेटफार्म पर रोका जा रहा, जहां किसी की नजर भी नहीं जा रही। यात्रियों ने एक नंबर प्लेटफार्म से रोकने की मांग की है।

पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी

बेगूसराय। प्रखंड क्षेत्र में लगातार चल रही पछुआ हवा और दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने से कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। घने कोहरे और धुंध के कारण सुबह से ही ठंड का असर तेज बना रहा। दिन चढ़ने के बावजूद धूप नहीं निकल सकी, जिससे लोगों को ठिठुरन और कंपकंपी का सामना करना पड़ा। सुबह होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आया। आमतौर पर सुबह के समय टहलने निकलने वाले लोग भी ठंड के कारण घरों में ही दुबके रहे। आवश्यक कार्यों के अलावा लोग बाहर निकलने से परहेज करते दिखे। बाजारों में भी चहल-पहल कम रही और दुकानदार ठंड से बचने के लिए अलाव के पास बैठे नजर आए। चौक-चौराहों पर लोग ठंड से राहत पाने के लिए स्वयं लकड़ी, कचरा और पुआल जलाकर समय बिताते रहे।

दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो से शराब की लूट

बिहारशरीफ। बेन थाना क्षेत्र के ऑट पंचायत के बड़ी आट गांव के दक्षिण दिशा में पिरोही खंधे में एक पीपल के पेड़ के पास गुरुवार की देर शाम शराब से लदी स्कार्पियो वाहन गड्ढे में पलट गई। शराब तस्कर मांड़ी व चन्द्रविगहा गांव की ओर जा रही कार में बड़ी मात्रा में बोरे में बंद शराब की पाउच व बोतल भरी हुई थी। वाहन पलटने की घटना की भनक लगते ही बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जमा हो गए और गाड़ी से शराब लूट ले भागे। बाद में ग्रामीणों की तरफ से इसकी सूचना बेन पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तब तक सारी शराब की लूट हो चुकी थी। दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक एवं उसमें सवार व्यक्ति फरार हो गए। जानकारी अनुसार स्कार्पियो अजनौरा गांव की ओर से दक्षिण दिशा की ओर चन्द्रविगहा एवं मांड़ी गांव की ओर जा रही थी।

बेन थानाध्यक्ष रविराज सिंह ने बताया कि सूचना मिली है। गाड़ी अभी थाने पर नहीं आई है। छानबीन की जा रही है। गाड़ी को उठाने की प्रक्रिया आज की जाएगी।

गिरा पारा, ठिठुर रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। दिसंबर में ठंड ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य में ठंड के रेड अलर्ट जोन में अजगैवीनाथ धाम भी शामिल है। बावजूद अभी तक नगर क्षेत्र में अलाव जलाने की व्यवस्था नहीं की गई है।

गुरुवार देर शाम से हवा चलने के साथ कनकनी काफी बढ़ गई है। शुक्रवार को पूरा दिन आकाश में बादल छाये रहे। धूप नहीं निकलने के कारण अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया।

दोपहर में तापमान 14 व 21 डिग्री सेल्सियस मापा गया। सुबह का तापमान दोपहर के तापमान के आधे से भी कम आंका जा रहा है। अचानक मौसम में आये बदलाव के कारण शहरी जनजीवन पर काफी असर पड़ा। खासकर बच्चे और बूढ़े सड़कों पर कम दिखाई पड़े। बावजूद नगर के विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हुई है।

फिलहाल चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण ठंड से बचने के लिए व्यापारी और मजदूर वर्ग रद्दी कागज और फलों की पेटियों का जलाकर ठंड भगाने का प्रयास कर रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बीच शाम ढलते ही लोग घरों में दुबकने लगे हैं।

इधर, यात्रियों, ठेला-रिक्शा चालकों व गंगा स्नान करने आने वालों को काफी परेशानी हो रही है। इस बाबत नगर सभापति राजकुमार गुड्डू ने बताया कि विभाग के द्वारा निर्देश प्राप्त होते ही नगर क्षेत्र में चिह्नित जगहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जाएगी।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी नगर आयुक्त के साथ शुक्रवार की रात लोगों का हालचाल जानने सड़कों पर निकले। उन्होंने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया और स्टेशन चौक पर अलाव की व्यवस्था का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने रिक्शा चालकों और फुटपाथ पर सोने वालों के बीच कंबल का वितरण किया।

उपायुक्त ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर. रॉनिटा ने जिले के ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर उपस्थित रहीं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, अग्निशमन यंत्रों, ईवीएम के रख रखाव एवं लॉग बुक की जांच की एवं तैनात सुरक्षाकर्मियों को सतर्क एवं अनुशासित रहने का निर्देश दिया।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयर हाउस में ईवीएम के रख-रखाव का भौतिक निरीक्षण किया गया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम वेयर हाउस के रख रखाव के लिए जारी सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन करने हेतु सभी मानकों की समीक्षा की गई।

छत से गिरकर मौत

शिवाजी नगर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के बंधार पंचायत के परशुराम गांव में शुक्रवार को एक हृदयविदारक हादसे में 40 वर्षीय व्यक्ति की छत से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान परशुराम गांव निवासी गंगो महतो के पुत्र विमलेश महतो के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विमलेश महतो किसी घरेलू कार्य के सिलसिले में अपने घर की छत पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे छत से नीचे गिर पड़े। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे मौके पर ही अचेत हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन एवं आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत इलाज के लिए ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी घटना की सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

संत मरियम स्कूल में 12वीं की शैक्षणिक व आवासीय सुविधाएं उपलब्ध : अविनाश देव

स्कूल के आवासीय परिसर में आगामी शैक्षणिक सत्र का किया गया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर शहर के संत मरियम स्कूल के आवासीय परिसर में आगामी शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया गया। मौके पर स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव व स्कूल के प्राचार्य कुमार आदर्श की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता हुई। अविनाश देव ने कहा कि विद्यालय में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा व सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कजरी विद्यालय परिसर में उच्चस्तरीय शैक्षणिक व आवासीय सुविधाएं विकसित की गई हैं। सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम, हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी, अत्याधुनिक प्रयोगशाला, पौष्टिक गुणवत्ता भोजन व्यवस्था, सुरक्षित आवसीय सुविधा, अध्यन के लिए स्वच्छ व शांत वातावरण,

विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे निगरानी व्यवस्था उपलब्ध है। अंतरिक्ष ज्ञान केंद्र के तत्वाधान में विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान एवम तकनीकी से जोड़ने की दिशा में एक नई पहल की जा रही है। साथ ही संचालित स्कॉलरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत वर्तमान शैक्षणिक सत्र में दर्जनों मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप की राशि प्रदान की गई है। इससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिले। कोई भी छात्र आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रह जाए।

मनायी गयी परमहंस जी महाराज की 106वीं जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले के महर्षि मेंही आश्रम शांतिपुरी एवं मलियादा मुरहू में महर्षि संतसेवी परमहंस जी महाराज की 106वीं जयंती शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। सत्संगियों ने गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया।शांतिपुरी में स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि संतसेवी जी महाराज दया और करुणा के सागर थे,इनका अवतरण लोक कल्याण के लिए हुआ। इन्होंने शाकाहार और सदाचार रहकर परमात्मा की भक्ति करने का मंत्र दिया है। मलियादा आश्रम में स्वामी वैष्णवानंद जी महाराज ने कहा कि संतसेवी जी महाराज का कहना है कि सभी कार्यों को छोड़ परमार्थ कार्य और परमात्म भक्ति करनी चाहिए।

उन्होंने कहा मनुष्य माया मोह में फंसकर जीवन व्यर्थ कर रहे हैं। एक दृष्टांक में उन्होंने कहा कि एक पेड़ पर कुछ बन्दर और पक्षी रहते थे, लेकिन जब पेड़ कटने लगा तो पक्षी सब उड़ गए, लेकिन बंदरों ने पेड़ को और जोर से पकड़ लिया, जिससे वे घायल हुए,मर भी गए।इसी तरह मनुष्य सद्गुरु के भक्ति के अभाव में दुःख पा रहा है। सत्संग और दृढ़ ध्यान गुरु के बताए मार्ग पर चलकर करने से सारे समस्या -कष्ट समाप्त हो जाते हैं। जीवन में भक्ति से ही मुक्ति मिलती है। मौके पर लोदरो लाहिरी बाबा, मुरलीधर बाबा, दिगंबर बाबा आदि ने गुरुदेव के जीवन और उपदेशों पर प्रकाश डाला।लक्ष्मण मुंडा,मागो मुंडा ने मुंडारी में सुंदर भजन गाया। कार्यक्रम में डॉ डीएन तिवारी, संजय सत्संगी,मुचीराय मुंडा, सगुन दास,राम हरि साव,कांडे मुंडा,सुरेश पंडित, सूरजलाल गुप्ता, हरिद्वार ठाकुर,लक्ष्मण गोप, डा.रमेशचंद्र वर्मा, हेमंत भगत,अमर सिंह आदि मौजूद थे।

चोरी की आठ बाइकों के साथ चार धराये

झारखण्ड तक फैला है नेटवर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। कोतवाली थाने की पुलिस ने अंतरजिला बाइक चोर गिरोह का राजफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरी गई आठ बाइक भी बरामद की है।

इस कार्रवाई से मुंगेर सहित आसपास के जिलों में सक्रिय वाहन चोरों में हड़कंप मचा हुआ है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने बताया कि 18 दिसंबर को हरिणमार थाना क्षेत्र के बहादुर गांव निवासी अनिरुद्ध यादव ने अपनी बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार छानबीन कर रही थी। शुक्रवार को लालदरवाजा स्थित टीओपी पुलिस के सहयोग से वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक को चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया।

गिरफ्तार युवक की पहचान भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी सराय निवासी बादल कुमार के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान बादल ने बाइक चोरी गिरोह से जुड़े कई जानकारी दी। इसके बाद एसडीपीओ अभिषेक आनंद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी, दारोगा करण कुमार सहित पुलिस जवानो ने बादल की निशानदेही पर भागलपुर के दियारा इलाके में छापेमारी कर कुल आठ चोरी की बाइक बरामद की। इसमें से पांच बाइक मुंगेर जिले की और तीन बाइक भागलपुर जिले की मिली।

पुलिस ने इस मामले में भागलपुर के नाथनगर थाना क्षेत्र निवासी अंगद कुमार, बिहपुर थाना क्षेत्र के नुरदिनपुर निवासी हरवेश कुमार और आशीष कुमार को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार चारों आरोपितों के खिलाफ भागलपुर और झारखंड के गोड्डा जिले में बाइक चोरी के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। ये सभी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं और पेशेवर वाहन चोर हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी की घटनाओं का खुलासा करने के लिए आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। साथ ही इस सफल छापेमारी में शामिल एसडीपीओ अभिषेक आनंद, कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरों में हड़कंप मच गया है और आम लोगों ने राहत की सांस ली है।

बिजली चोरी में पांच पर प्राथमिकी

बक्सर। विद्युत ऊर्जा चोरी के विरुद्ध विभाग ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। शनिवार को कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक सक्सेना के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने आदर्श नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सघन जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल पांच उपभोक्ताओं को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया, जिन पर लाखों का जुमार्ना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

छापेमारी दल में शामिल रामप्रवेश चौधरी और चंदन कुमार ने मुनीब चौक स्थित सूरज कुमार गुप्ता (मोबाइल दुकान) को टोका लगाकर बिजली चोरी करते पकड़ा, जिससे विभाग को 51,149 रुपये की क्षति हुई।

वहीं, गोला बाजार में रामजी प्रसाद पर 55,538 रुपये, सौकत अली पर 36,483 रुपये और मनवर अली पर 45,625 रुपये का (पूर्व बकाया सहित) आर्थिक दंड लगाया गया है। इन सभी ने बकाया राशि के कारण कनेक्शन कटने के बावजूद अवैध तरीके से बिजली जोड़ रखी थी।

राजगीर की वादियों में गूंजा मैं तो तेरे प्यार में . .

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। अंतर्राष्ट्रीय राजगीर महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या की शाम कैलाश खेर की सुफियाना आवाज के नाम रही।

'मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया' से अपनी प्रस्तुति की शुरूआत कर उन्होंने राजगीर की वादियों में सूफियाना रंग घोल दिया। तौबा-तौबा रे तेरी सूरत माशा अल्लाह वे तेरी सूरत तथा रंग देंगे रंग देंगे पिया रंग के रंग दे.. की शुरूआत की तो पूरा सभागार जोश और उमंग से भर गया। तू जाने ना कैसे बताऊं मिलके भी ना हम मिले मीलों के है फासले गीत से उन्होंने महफि ल में संजीदगी भर दी। विश्वप्रसिद्ध फिल्म बाहुबली के वीर रस से लबरेज गीत कौन है वो कौन कहां से वो आया, क्या कभी अंबर से सूर्य बिछड़ता है जय जयकारा स्वामी देना साथ हमारा, से टीम बैंड कैलाशा की जुगलबंदी पर दर्शकों की तालियां भी बजती रही है।

कैलाश खेर ने अपनी सुप्रसिद्ध लोकप्रिय गीत के तेरी दीवानी दीवानी, नन्ही सी जान गीत तुम्हारे यूं गूंजे सदा सहित अपने अन्य गीतों से दर्शकों को खूब झुमाया।

इस दौरान उन्होंने फिल्मी, गैर-फिल्मी एवं भजन संगीत से शीतलहरी में कैलाश ने गर्माहट भर दी। तेरी दीवानी और अल्लाह के बंदे जैसे कैलाश के लोकप्रिय सूफियाना अंदाज के लोकगीतों से दर्शक मंत्रमुग्ध होते रहे। इससे पूर्व मंच पर पहुंचते हीं कैलाश खेर ने कहा कि ज्ञान की भूमि नालंदा और परम शांति की नगरी राजगीर दोबारा आना? उन्हें बहुत अच्छा लगा। बहुत कृतज्ञ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार बदल रहा है, और बदलते बिहार की तस्वीर राजगीर महोत्सव 2025 के इस आयोजन में देखने को मिल रहा है। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली बार जब पटना से राजगीर पहुंचने में पांच घंटे लगे थे, लेकिन इस बार दो घंटे से भी कम समय में आपके सामने स्टेज पर खड़ा हूं।

थम नहीं रही कछुओं की तस्करी

128 कछुओं के साथ दो महिलाओं सहित तीन धराए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। कियूल-मालदा इंटरसिटी ट्रेन (13410) से शुक्रवार रात करीब 10 बजे पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन पर 128 कछुए बरामद किए गए। सभी कछुए पांच बैकपैक में रखे गए थे।

ट्रेन में गश्ती कर रहे आरपीएफ जवानों को एक महिला की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसके पास पांच भारी बैकपैक थे। पूछताछ के दौरान महिला संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। इसी दौरान ट्रेन मालदा टाउन स्टेशन पहुंच गई।

वहां सभी बैकपैक को ट्रेन से उतारकर जब जांच की गई तो उनमें 128 कछुए मिले। हिरासत में ली गई महिला को कछुओं सहित वन विभाग को सौंप दिया गया। इससे पहले शुक्रवार रात बरहड़वा रेलवे स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस (15734) से 662 कछुए बरामद किए गए थे। इस मामले में दो महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया गया। सभी उत्तर

प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के निवासी हैं और वहीं से ट्रेन में सवार हुए थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि तस्करों ने उन्हें कछुओं को मालदा पहुंचाने की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन उससे पहले ही वे आरपीएफ के हत्थे चढ़ गए।

कुछ क्षेत्रों में आज भी यह अंधविश्वास प्रचलित है कि कछुओं से बनी दवाएं शरीर की ताकत और यौन क्षमता बढ़ाती हैं। इसी गलत धारणा के कारण कछुओं की अवैध तस्करी की जा रही है।

तस्कर कछुओं के मांस, खून, हड्डियों और खोल का उपयोग कथित 'ताकत बढ़ाने वाली' दवाओं के निर्माण में करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के किसी भी उपयोग का कोई वैज्ञानिक या चिकित्सकीय प्रमाण नहीं है। इसके बावजूद लालच और अफवाहों के चलते यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। भारत में कछुए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित हैं और उनका शिकार या व्यापार गंभीर अपराध है।

बाघ दिखने से सनसनी

बिरनी। देश में जहां एक ओर ऑल इंडिया टाइगर एस्टिमेशन-2026 का काम चल रहा है, वहीं झारखंड के गिरिडीह जिले से आई एक खबर ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

बिरनी प्रखंड के सिमराढाब-बनपुरा गांव में शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे बाघ जैसे दिखने वाले चार जानवरों को देखे जाने की चर्चा से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये वास्तव में बाघ थे या कोई और हिंसक वन्यजीव, क्योंकि गिरिडीह में पहले बाघ की मौजूदगी का कोई आधिकारिक दावा नहीं रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सिमराढाब निवासी सुधीर बैठा के घर की चारदीवारी और पास के कटहल के पेड़ पर चारों जानवर बैठे हुए थे। अचानक दहाड़ जैसी आवाज सुनकर घर के लोग डर के मारे छत पर चढ़ गए। जैसे ही उन्होंने नीचे नजर डाली, पेड़ और दीवार पर बैठे जानवरों को देखकर उनके होश उड़ गए। देखते ही देखते गांव में हल्ला मच गया। ग्रामीणों की आवाज और हलचल से घबराकर चारों जानवर अंधेरे का फायदा उठाते हुए वहां से फरार हो गए।

चलाया गया सड़क दुर्घटना जागरूकता अभियान

आशी केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मार्च में ब्रेन सर्जरी से स्वस्थ हुए 40 से अधिक मरीजों ने लिया भाग

न्यूरोसर्जन डॉ. रवीश कुमार ने किया ईलाज, दिया निःशुल्क परामर्श

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय पांकी रोड स्थित आशी केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के तत्वावधान में सड़क यातायात, दुर्घटनाओं से बचाव को ले सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेदिनीनगर में रोड मार्च निकाला गया। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। जागरूकता मार्च में ब्रेन सर्जरी से स्वस्थ हुए 40 से अधिक मरीजों ने भाग लिया। इन मरीजों ने सड़क दुर्घटना के बाद संघर्ष व सफल उपचार से जुड़े अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान ऐसे स्वस्थ हुए मरीजों को आशी केयर हॉस्पिटल की ओर से आजीवन निशुल्क परामर्श व आईपीडी उपचार में 15 प्रतिशत की छूट प्रदान किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अभियान में जिला प्रशासन के अधिकारियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव, सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर नितीश कुमार, ट्रैफिक प्रभारी सत्येंद्र कुमार दुबे, ब्राइटलैंड स्कूल के प्राचार्य राहुल सिंह, बाल भारती स्कूल के प्राचार्य राजेश गोयल, आशी केयर हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन डॉ. रविश कुमार, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. सच्चिदानंद, डॉ. दानिश, डॉ. राहुल, डॉ. अमित, डॉ. इंद्राणी व डॉ. संतोष मेहता ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके साथ ही ग्रीन वैली स्कूल, बाल भारती स्कूल एवं ब्राइटलैंड स्कूल के छात्र-छात्राएं, शिक्षाविद बाडी फिटनेस के निदेशक भास्कर कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में आम लोगों ने भी रोड मार्च में भाग लिया।

अभियान को प्रभावी बनाने में आशी केयर हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कर्मचारियों व स्कूली छात्र-छात्राओं के हाथों में सड़क सुरक्षा से संबंधित बैनर व जागरूकता स्लोगन थे। स्लोगन में हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने व यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के पश्चात आशी केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में निशुल्क न्यूरो चिकित्सा शिविर में एक सौ से अधिक न्यूरो रोगियों को न्यूरोसर्जन डॉ. रविश कुमार ने जांचकर ईलाज किया। साथ ही निशुल्क परामर्श दिया। मौके पर हॉस्पिटल के निदेशक मनीष तिवारी व अमितेश पांडेय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कहा कि आशी केयर हॉस्पिटल भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक व स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को बांटे 25.65 करोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना में आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत 36 दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को कुल 25.65 करोड़ की राशि वितरित की। यह कार्यक्रम सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस एवं गृह विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, अपर मुख्य सचिव (गृह) अरविंद कुमार चौधरी, गृह सचिव प्रणव कुमार, ओएसडी (गृह) संजय कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन तथा अपर पुलिस महानिदेशक (बजट) डॉ. कमल किशोर सिंह शामिल थे। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से सुब्रत कुमार स्वाईं, बिहार प्रमुख एवं महाप्रबंधक, नलिन कुमार, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, राकेश रंजन सिंह, उप महाप्रबंधक एवं व्यवसाय प्रमुख, प्रिय रंजन सिंह, उप महाप्रबंधक एवं अनुपालन एवं आश्वासन, उप महाप्रबंधक रक्षा बैंकिंग दीपक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी समारोह में उपस्थित रहे। इस वितरण के साथ ही पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले परिजनों की कुल संख्या 90 हो गई है तथा अब तक कुल 42.45 करोड़ की राशि वितरित की जा चुकी है। आज के कार्यक्रम में दुर्घटनाओं में शहीद हुए 12 पुलिसकर्मियों के परिजनों को प्रति परिवार 1.7 करोड़ से 2.0 करोड़ तक की बीमा राशि प्रदान की गई, जबकि प्राकृतिक मृत्यु या बीमारी से दिवंगत 24 पुलिसकर्मियों के परिजनों को 20 लाख प्रति परिवार की सहायता राशि दी गई। इनमें 33 एवं 34 वर्ष की आयु में दिवंगत दो महिला कांस्टेबलों के परिजन भी शामिल हैं। गौरतलब है कि बिहार पुलिस एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच 23 अगस्त 2024 को एक विशेष समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत पुलिसकर्मियों का वेतन बैंक ऑफ बड़ौदा के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत मिलने वाला मरणोपरांत बीमा लाभ पूर्णतः निःशुल्क है तथा यह पुलिस विभाग द्वारा दिए जाने वाले अन्य लाभों के अतिरिक्त है। समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की सराहना की। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा के बिहार प्रमुख सुब्रत कुमार स्वाईं ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी पुलिसकर्मियों एवं बिहार सरकार के सभी वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए इस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि ल्लबैंक ऑफ बड़ौदा ईमानदारी, पारदर्शिता और पूर्ण जिम्मेदारी के साथ बिहार की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शुक्रवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की कार्ययोजना को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन की पार्टी है और संगठन ही उसका परिवार है, जिसे मजबूत बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों और विभिन्न मोर्चा व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से व्यक्तिगत परिचय लिया गया। साथ ही केंद्र और प्रदेश स्तर पर पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। विशेष रूप से 23 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के पटना आगमन और उनके स्वागत को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा की गई। संजय सरावगी ने स्पष्ट कहा कि पार्टी पूरी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इसके पदाधिकारी व कार्यकर्ता होने पर गर्व होना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश मुख्यालय के कर्मचारियों के साथ भी परिचयात्मक बैठक की और उनके कार्यों व दायित्वों की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों से अपेक्षा जताई कि संगठनात्मक कार्यों में समर्पण और अनुशासन के साथ योगदान दें, ताकि पार्टी की गतिविधियां और अधिक प्रभावी बन सकें। संजय सरावगी ने कहा कि जब संगठन मजबूत होता है, तभी दल सशक्त बनता है। संगठन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। उन्होंने संगठन विस्तार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को जो प्रचंड बहुमत मिला है, वह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा का परिणाम है।

नागपुर हादसे पर जताया गहरा शोक

पटना। नागपुर में हुए दर्दनाक हादसे में बिहार के छह मजदूरों की मौत पर भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक मजदूरों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक घटना है और इस दुख की घड़ी में पूरा संगठन शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़ा है। संजय सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है, ताकि उन्हें तत्काल राहत मिल सके और इस कठिन समय में कुछ सहारा मिल पाए। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि बिहार सरकार पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है।

दक्षिण रेलवे की टीम ने जीता विजेता का खिताब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। शनिवार को जगजीवन राम स्टेडियम, खगौल, दानापुर में आयोजित 'अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल शूटिंग प्रतियोगिता-2025' के समापन समारोह में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने विजेता टीम एवं अन्य विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। समापन समारोह में रेलवे सुरक्षा बल के आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमरेश कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार एवं आरपीएफ के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त उदय सिंह पवार की विशिष्ट उपस्थिति रही। अतिथियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना का प्रतीक बताया। विदित हो कि रेलवे सुरक्षा बल, पूर्व मध्य रेल के तत्वाधान में बिहार रेजिमेंटल सेंटर में 'अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल शूटिंग प्रतियोगिता-2025' की शुरूआत 16.12.2025 को की गयी थी। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों से आए प्रतिभागियों ने पूरे समर्पण एवं खेल भावना के साथ भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ शूटरों ने विभिन्न श्रेणियों में पदक जीते। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न श्रेणियों में निम्नलिखित प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए - बेस्ट शूटर (राइफल) - एएसआई अखिलेश सिंह/उत्तर पूर्व रेलवे बेस्ट शूटर (पिस्टल)- एएसआई संदीप सिंह/आरपीएसएफ एवं कांस्टेबल सचिन/उत्तर रेलवे (संयुक्त विजेता) बेस्ट शूटर (कार्बाइन) - कांस्टेबल राजेश यादव/उत्तर पूर्व रेलवे ओवर ऑल बेस्ट शूटर - कांस्टेबल राजेश यादव/उत्तर पूर्व रेलवे टीम चौंपियनशिप में दक्षिण रेलवे ने कुल 10 पदक जीतकर ओवर ऑल चौंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, जबकि आरपीएसएफ ने 4 पदक जीतकर ओवर ऑल रनर्स-अप ट्रॉफी प्राप्त की।

बिना दहेज शादी और मंजू के पैसे से चुनाव लड़ नीतीश पहुंचे थे सदन, सास का हुआ निधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सासू मां विद्यावती देवी का निधन हो गया, वह लंबे समय से बीमार थीं। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में उन्हें भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार की शाम 6:40 बजे अंतिम सांस ली। शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री की सास विद्यावती देवी का बांस घाट पर अंत्येष्टि की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके पुत्र निशांत कुमार सहित परिवार के सारे लोग मौजूद थे। 1 मार्च 1951 को नालंदा जिला के कल्याण बिगहा में माता स्व. परमेश्वरी देवी एवं पिता कविराज वैद्य रामलखन सिंह के घर एक बालक का जन्म हुआ, जिसका नाम पड़ा मुन्ना। वही बालक मुन्ना आगे चलकर नीतीश कुमार हो गए। वर्ष 1972 में इंजीनियरिंग की परीक्षा पास कर बिहार बिजली बोर्ड में इंजीनियर बन गए। 22 फरवरी, 1973 को इंजीनियरिंग पास नीतीश कुमार की मंजू सिन्हा से शादी हो गई। मुरली मनोहर श्रीवास्तव अपनी पुस्तक 'विकास पुरुष' में लिखते हैं कि सादे समारोह में शादी करने वाले नीतीश कुमार ने अपनी शादी में दहेज जो मिला था उसे लौटा दिए थे। सामाजिक, राजनीतिक परिवर्तन के प्रति दृढ़ संकल्पित नीतीश कुमार ने नौकरी छोड़ दी और 1974 में जेपी आंदोलन का हिस्सा बन गए। वर्ष 1977 के बिहार विधानसभा चुनाव की है, जब केवल 26 साल की उम्र में नीतीश कुमार नालन्दा की हरनौत सीट से जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव में जनता पार्टी ने 214 सीटें जीती और 97 पर उसे हार का सामना करना पड़ा। उन 97 सीटों में नालंदा की हरनौत सीट भी शामिल थी, जिस पर नीतीश कुमार चुनाव लड़े थे। उन्हें शिकस्त देनेवाला कोई नहीं भोला प्रसाद सिंह थे, जिन्होंने चार साल पहले ही नीतीश कुमार और उनकी पत्नी को कार में बैठाकर पटना से बख्तियारपुर तक छोड़ा था। नीतीश पहली हार को भूलकर 1980 में दोबारा इसी सीट से जनता पार्टी (सेक्युलर) से मैदान में फिर उतर गए। अफसोस, इस चुनाव में भी नीतीश कुमार को हार का सामना करना पड़ा। नीतीश कुमार 1977 एवं 1980 में नालंदा जिला के हरनौत विधान सभा क्षेत्र से जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े लेकिन चुनाव में दोनों बार इन्हें पराजय मिली। कॉलेज छोड़े नीतीश कुमार को लगभग सात वर्ष गुजर चुके थे। उन वास्तविकताओं को भूलना नीतीश कुमार के लिए असंभव था। जिनसे यह आंखें फ़ेर चुके थे। हर इंसान की जिंदगी में कई उतार चढ़ाव देखने को मिलता है। पटना के गुलजारबाग में एक सरकारी स्कूल में अध्यापिका की नौकरी लग गई थी। इसलिए मंजू सिन्हा बख्तियारपुर छोड़कर अपने पिताजी के साथ पटना आ गयी थी।

नीतीश कुमार 1980 तक अपना दूसरा चुनाव भी हार चुके थे। उसके कुछ सप्ताह बाद ही उनकी पत्नी मंजू सिन्हा ने 20 जुलाई, 1980 को निशांत कुमार को जन्म दिया, जो उन दोनों का इकलौता पुत्र हुए। बच्चा अपने नाना-नानी की देख-रेख में पल रहा था। नीतीश कुमार शुरुआत में लगातार दो चुनाव हार गए थे। 1985 के विधानसभा चुनाव में नीतीश ने फैसला कर लिया था कि यह आखिरी कोशिश होगी। अगर नहीं जीतते हैं, तो फिर कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे। मुरली मनोहर श्रीवास्तव की पुस्तक 'विकास पुरुष' में लिखा है कि नीतीश कुमार को उनकी पत्नी मंजू सिन्हा ने 20 हजार रुपए और वो संकल्प उनके लिए 1985 में लोकदल की तरफ से हरनौत विधानसभा सीट पर जीत दर्ज करायी।

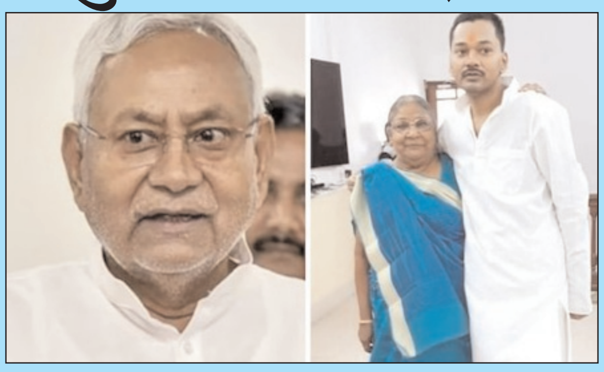

रबी फसलों के लिए सुरक्षित एवं वैज्ञानिक कीटनाशी उपयोग पर प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि भवन, मीठापुर, पटना स्थित सभागार में आज पौधा संरक्षण परामर्श योजना के अंतर्गत रबी मौसम के लिए कीटनाशी विक्रेताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पटना जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों से कुल 25 कीटनाशी विक्रेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. प्रमोद कुमार, संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण, बिहार, पटना द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर देव नाथ प्रसाद, उप निदेशक, पौधा संरक्षण प्रयोगशाला, पटना, मुकेश कुमार, उप निदेशक, पौधा संरक्षण, पटना प्रमंडल; अभिषेक कुमार, सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण तथा राहुल कुमार, सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, पटना उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, पटना द्वारा रबी फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट-व्याधियों एवं खरपतवार के प्रभावी एवं वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं उप निदेशक, पौधा संरक्षण प्रयोगशाला, पटना द्वारा कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियमावली, 1971 की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कीटनाशी विषाक्तता से बचाव, एंटीडोट के उपयोग तथा प्राथमिक एवं घरेलू उपचार के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किसानों के बीच रसायन मुक्त पौधा संरक्षण उपादानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण में उपस्थित सभी कीटनाशी विक्रेता को पीला चिपचिपा फंदा (येलो स्टीकी ट्रैप) वितरण किया गया। सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण (सर्विलेंस) द्वारा कीटनाशी छिड़काव के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उप निदेशक, पौधा संरक्षण, पटना प्रमंडल द्वारा समेकित नाशीजीव प्रबंधन (ऋख्र) की महत्ता एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण, पटना द्वारा पौधा संरक्षण विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ड्रोन के माध्यम से कीटनाशी छिड़काव से होने वाले लाभों को रेखांकित किया गया। उन्होंने सभी कीटनाशी विक्रेताओं को निर्देश दिया कि वे किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रवक्ताओं और पैनलिस्ट की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के अध्यक्षता में प्रदेश प्रवक्ताओं और पैनलिस्ट की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी की नीतियों और आगामी योजनाओं पर प्रवक्ताओं को आवश्यक सुझाव दिया. साथ ही उन्होंने पार्टी के पक्ष में सकारात्मक और पार्टी नेतृत्व के योजनाओं के अनुरूप बातों को मीडिया में रखने पर जोर देते हुए कहा कि बिहार की आम जनता हमारी ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है, जब सत्ता पक्ष ने वोट चोरी से और झूठे वादों से राज्य में सत्ता प्राप्त कर सूबे की जनता की उम्मीदों को बुलडोजर से तोड़ने का रोज काम कर रही है ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनकी आशाओं और आकाँक्षाओं को आवाज दें। साथ ही हमारा फर्ज बनता है कि जनता से जुड़े मुद्दों पर बेहतर तरीके से जिम्मेदारी के साथ खड़े होकर लोकतंत्र की मजबूती को बुलंद करें। इसके अलावे आज सभी फ्रंटल संगठनों, मोर्चा और विभागों की बैठक सम्पन्न हुई. इस बैठक में सभी फ्रंटल अध्यक्षों को प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने आवश्यक निर्देश दिया साथ ही संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया गया। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, सोशल मीडिया चेयरमैन सौरभ सिन्हा, प्रवक्ता पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, अमित कुमार टुन्ना, डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, शिशिर कौन्डिल्य, असित नाथ तिवारी, रूपम यादव, पंकज यादव, संजीव कर्मवीर, डॉ. हसनैन कैसर सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

दिव्यांग-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर क्षमतावर्द्धन कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया तब तक प्रभावी नहीं हो सकती जब तक वह समावेशी न हो इसी संदेश के साथ बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने भारत में संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ के सहयोग से पटना में दिव्यांग-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर दो दिवसीय क्षमता-वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य राज्य में आपदा प्रबंधन की सभी प्रक्रियाओं में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, सुरक्षा और भागीदारी को सुदृढ़ करना है। इस कार्यशाला का तकनीकी सहयोग यू.एन.डी.पी और हैंडीकैप इंटरनेशनल (ह्यूमैनिटी एंड इन्क्लूजन) द्वारा प्रदान किया गया। कार्यशाला में सहायक आपदा प्रबंधन अधिकारी, आपदा जोखिम न्यूनीकरण से जुड़े विशेषज्ञ तथा दिव्यांग व्यक्तियों के संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में यूनिसेफ के आपदा जोखिम न्यूनीकरण विशेषज्ञ श्री राजीव कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों को रेखांकित किया। आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह के निर्देशानुसार अपने मुख्य संबोधन में विभाग के संयुक्त सचिव श्री नदीमुल ग़फ़्फ़ार सिद्दीक़ी ने कहा कि आपदाएँ किसी के साथ भेदभाव नहीं करतीं, इसलिए हमारी प्रतिक्रिया प्रणालियाँ भी भेदभावरहित और पूर्णतः समावेशी होनी चाहिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राज्य द्वारा किए गए प्रयासों को इंगित करते हुए दिव्यांग व्यक्तियों की सुरक्षा और समावेशन से जुड़े अंतरालों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य अपनी आपदा योजनाओं को सेंडाई फ्रेमवर्क फॉर डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन के अनुरूप बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और समावेशी प्रतिक्रिया तंत्र को सुशासन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव श्री मोहम्मद वारिस ख़ान, भा.प्र.से. ने उद्घाटन संबोधन में कहा कि विशेषकर जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती और अप्रत्याशित आपदाओं के दौर में दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता देना केवल नीतिगत नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, यूनिसेफ और यूएनडीपी के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए ताकि दिव्यांग समावेशन की सोच राज्य की नीतियों और आपदा प्रबंधन ढाँचों में स्थायी रूप से समाहित हो सके।

मधुमेह अनुसंधान को जन-जन तक पहुंचाने की जरुरत : डा. बी के सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मधुमेह अनुसंधान को जन-जन तक पहुंचाने की जरुरत है। ये बात जाने माने मधुमेह विशेषज्ञ डॉ बी के सिंह आदि ने कही। वे रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के बिहार चैप्टर की ओर से पटना के एक होटल में मधुमेह जागरूकता एवं बचाव से जुड़े अनुसंधानों पर एक दिवसीय कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन का उद्देश्य मधुमेह से संबंधित नवीनतम शोध, उपचार पद्धतियों और रोकथाम के उपायों को चिकित्सकों तक पहुंचाना रहा। कांफ्रेंस के समन्वय और शैक्षणिक दिशा निर्धारण में डॉ बी के सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत उपयोगी बन सका। कांफ्रेंस में बिहार सहित अन्य राज्यों से लगभग तीन सौ मधुमेह विशेषज्ञों ने भाग लिया, जबकि करीब एक सौ बीस विशेषज्ञ चिकित्सकों ने व्याख्यान के माध्यम से अपने अनुभव और शोध साझा किए। उद्घाटन आरएसएसडीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत बिहार चैप्टर के अध्यक्ष सुप्रिय मुखर्जी, शैवाल, विजय और रिसेप्शन कमिटी के अध्यक्ष सुभाष कुमार ने किया। सुनील गुप्ता ने अपने व्याख्यान में कहा कि मधुमेह की रिसर्च और चिकित्सा को राज्य के छोटे गांवों तक पहुंचाना समय की जरूरत है। इससे इस बीमारी के विकराल रूप को नियंत्रित किया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। चिकित्सक संजय अग्रवाल ने कहा कि इलाज के दौरान प्राप्त मरीजों की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जानकारियों को सुरक्षित कर रिसर्च में बदला जा सकता है, जिससे मधुमेह चिकित्सा में व्यापक सुधार संभव है। गुवाहाटी से आए अजय कुमार ने मधुमेह से होने वाली विभिन्न जटिल बीमारियों और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। संतोष कुमार सिंह ने मधुमेह से जुड़ी कुछ विशेष प्रकार की बीमारियों की जानकारी दी। वाइस चेयर सुभाष कुमार ने पैंक्रियाज से संबंधित एक विशेष प्रकार के मधुमेह पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान आधुनिक शोध, नई दवाओं, जीवनशैली सुधार और मरीजों को प्रोत्साहित करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। एम पी जैन ने बताया कि इंसुलिन उपयोग को लेकर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मेडिकल छात्र, नर्स और चिकित्सकों ने भाग लिया। डॉ बी के सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन मधुमेह के खिलाफ सामूहिक लड़ाई को मजबूती देते हैं और समाज को स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

रोगी कल्याण समिति की बैठक

भगवानपुर (बेगूसराय) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखण्ड के पीएचसी में शनिवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता बीडीओ धर्मवीर कुमार प्रभाकर ने की। बैठक में स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य केंद्र के सभी स्टाफ का नाम पीएचसी में फ्लेक्स के माध्यम से करने को कहा। साथ ही प्रखंड क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य उपकेंद्र और उसकी व्यवस्था की जानकारी दी गई। साथ ही भीषण शीतलहर के कारण ठंड कम होने पर परिवार नियोजन को लेकर अपरेशन तेज करने की सलाह सदस्यों ने दी।

मेड इन इंडिया मेडटेक की ऐतिहासिक उपलब्धि

पटना (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। भारत की अग्रणी सर्जिकल रोबोटिक्स कंपनी एसएस इन्नोवेशंस इंटरनेशनल, इंक. ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने नेक्स्ट-जेनरेशन सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम 'एसएसआई मंत्रा' के लिए अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन में 510 (के) प्रीमार्केट आवेदन दाखिल किया है। यह आवेदन 5 दिसंबर 2025 को पूर्ण किया गया, जिसमें जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी, कोलोरेक्टल, गायनेकोलॉजी और कार्डियक सर्जरी जैसी प्रमुख सर्जिकल विशेषज्ञताओं को शामिल किया गया है। यह कदम भारत में विकसित किसी सर्जिकल रोबोटिक प्लेटफॉर्म द्वारा अब तक उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक नियामक प्रयासों में से एक है, जो लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के वर्चस्व वाले इस क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराता है। एसएस इन्नोवेशंस के फाउंडर, चेयरमैन और सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने इस पर कहा कि ल्लएफडीए में 510(के) सबमिशन केवल एसएस इन्नोवेशंस के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी एक निर्णायक क्षण है, जो उन्नत चिकित्सा तकनीकों में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर हो रहा है।

विज्ञान, कला, संस्कृति और खाद्य व्यंजनों की 12वीं प्रदर्शनी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जगदेव पथ, बेली रोड स्थित इंटरनेशनल एमिटी पब्लिक स्कूल, पटना में विज्ञान कला, संस्कृति, एवम् खाद्य व्यजनों का 12वां प्रदर्शनी आयोजित किया गया। विद्यालय के भव्य प्रांगण में आकर्षक विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में विज्ञान, कला साहित्य एवं कंप्यूटर विषय पर कई ज्ञानवर्धक मॉडल अलग-अलग कक्षा के बच्चों की ओर से बनाया गया। सभी मॉडल को देख अतिथियों व अभिभावकों ने सराहा। इन सभी मॉडलों का निरिक्षण कर निर्णायक मंडल ने हर वर्ग से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले मॉडल का चयन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि विज्ञान, कला, संस्कृति और खाद्य व्यंजनों की 12वीं प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जो खाद्य पदार्थों के पीछे के विज्ञान और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाती है इसमें गंध, स्वाद, स्पर्श जैसे इंद्रियों के माध्यम से खाने के अनुभव को समझाया गया, जिसमें खाने के पीछे के विज्ञान, जैसे कि गंध का स्वाद पर 80% प्रभाव, को दर्शाया गया, साथ ही शेफ स्किल्स और केंद्रबिंदु बनाने की कला भी दिखाई गई। यह प्रदर्शनी भोजन, जलवायु, संस्कृति और तकनीक के बीच के संबंधों को दर्शाती है, जिसमें विभिन्न प्रयोग, कार्यशालाएं और बातचीत शामिल हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सपना पाठक, रवि रंजन, विकाश कुमार, संतोष कुमार, प्रतिमा कुमारी, रेणु कुमारी एवं अन्य कई शिक्षकगण मौजूद रहे।

संपादकीय

ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी की नई व्यवस्था कितनी सहायक साबित होगी?

देश के ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर आबादी के लिए रोजी-रोटी का इंतजाम एक बड़ी चुनौती रही है। लंबे समय तक इस समस्या के बने रहने का नतीजा यह हुआ कि विकास एक तरह से विभाजित रहा और एक बड़ा तबका मुख्यधारा में शामिल होने की कोशिशों से भी वंचित रहा। मगर जब से गारंटी के रूप में ग्रामीण इलाकों में रोजगार मुहैया कराने की पहल हुई है, उसके बाद से एक बड़ा फर्क दर्ज किया गया। करीब बीस वर्ष पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून यानी मनरेगा लागू हुआ, तो उसके तहत वर्ष में सौ दिन काम की व्यवस्था से गांव-देहात में रहने वाले परिवारों के सशक्तीकरण में उल्लेखनीय मदद मिली। मनरेगा की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई बार इसे दुनिया भर में एक सीखने लायक कार्यक्रम के तौर पर भी देखा गया। अब केंद्र सरकार ने मनरेगा का रूप बदल कर उसका नाम 'विकसित भारत-रोजगार गारंटी व आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी- जी राम जी' रखा है और उसमें अब कुछ नए प्रावधान किए गए हैं। इससे संबंधित विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। गौरतलब है कि नई प्रस्तावित व्यवस्था मनरेगा का ही नया स्वरूप होगी, जिसमें ग्रामीण परिवार को सौ दिन के बजाय एक सौ पच्चीस दिनों के रोजगार की गारंटी की बात की गई है। इसके अलावा, खर्च वहन करने, पारिश्रमिक भुगतान और खेती के दिनों के संदर्भ में नए प्रावधानों की वजह से इस योजना के किसानों और मजदूरों, दोनों के लिए काफी फायदेमंद साबित होने की उम्मीद की जा रही है। मनरेगा के तहत जिन लोगों को काम मिलता है, उनकी मजदूरी का लगभग पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती रही है, जबकि सामान आदि का खर्च एक निश्चित अनुपात में राज्य सरकारें उठाती हैं। अब कुछ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को छोड़ कर 'बीवी- जी राम जी' के तहत होने वाले कुल खर्च का साठ फीसद केंद्र सरकार वहन करेगी और चालीस फीसद राज्य सरकारें उठाएंगी। इस योजना के अंतर्गत खेतों में बुआई और कटाई के मौसम में साठ दिनों के दौरान मजदूरों को काम नहीं मिल सकेगा, ताकि खेती-किसानी के काम के लिए मजदूरों की कमी न हो। इसके अलावा, इस काम में भ्रष्टाचार पर लगाम के लिए मजदूरी के भुगतान में बायोमेट्रिक और अन्य आधुनिक तकनीक की मदद ली जाएगी। जाहिर है, बदलावों के बाद अगर रोजगार गारंटी की व्यवस्था ग्रामीण इलाकों के मजदूरों के लिए सहायक सिद्ध हुई, तो बेशक इसे एक सकारात्मक कदम माना जाएगा। देश की ग्रामीण आबादी के हित में प्रथम दृष्टया यह योजना एक बेहतर पहल लगती है। लेकिन इस संदर्भ में विपक्षी दलों की ओर से कई आशंकाएं भी जताई गई हैं। अगर ग्रामीण इलाकों में काम करने की जगह तय करने से लेकर अन्य मामलों में यह योजना केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित और उसकी शर्तों पर आधारित होगी, तो खर्च का जिम्मा राज्यों पर आएगा। ऐसे में इसके नतीजे घोषित दावों के मुकाबले उलट भी आ सकते हैं और इसका काम के अधिकार पर विपरीत असर पड़ सकता है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी लागू होने के बाद से मनरेगा की अहमियत छिपी नहीं रही है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब देश भर में गरीब तबकों के लोग भयावह अभाव से जूझ रहे थे, तब मनरेगा उनके लिए जीवन-रेखा साबित हुआ। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि नए स्वरूप में ग्रामीण इलाकों के गरीब तबकों के लिए रोजगार गारंटी की नई व्यवस्था कितनी सहायक साबित होगी।

गोवा अब भी परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि भारत के इस छोटे से भूभाग के लोगों के लिए स्वतंत्रता अब भी लगभग डेढ़ दशक दूर है। गोवा के साथ साथ दादर नगर हवेली दमन और दीव क्षेत्र भी पुर्तगाल के अधिकार में थे। गंगा की आरती, घाटों की सीढ़ियाँ, धूप में चमकता जल, शंख-घंटों की ध्वनि बनारस की सुबह का मिजाज कुछ ऐसा ही हुआ करता है। वहीं नज़ाकत, नफ़ासत, ठहराव—इत्र की खुशबू, शायरी, तमीज़दार बातचीत और लखनवी अंदाज़ अवध की शाम को रंगीन बनाता है। इसलिए तो कहा भी जाता है कि जीवन में अगर बनारस की सुबह जैसी शुद्धता और अवध की शाम जैसी नर्मी आ जाए, तो दिन पूरा हो जाता है। बनारस की सुबह और अवध की शाम की चर्चा आपने सुनी है तो मद से भरे गोवा की नाइट लाइफ और ताजगी से भरे सूर्योदय का भी एहसास आपको करना चाहिए।

आजादी के 14 साल बाद गोवा के लिए जब चलाया गया था ऑपरेशन विजय

(अभिनय आकाश)

आश्चर्य यह कि भारत की तत्कालीन सरकार इनकी मुक्ति का कोई गंभीर प्रयास करती नहीं दिख रही थी यह व्यवहार एक ऐसे क्षेत्र के साथ जो चार शताब्दी से अधिक समय तक कैथोलिक चर्च के बर्बर अत्याचारों का शिकार बन चुका था धर्म ग्रंथों के अनुसार गोवा भगवान परशुराम की धरती है वहां पर इसे गोमांतक कहा गया है गोवा में कभी इसके ढेरों प्राचीन चिन्ह भी हुआ करते थे लेकिन अधिकांश पुर्तगाली शासन के दौरान मिटा दिए गए वीर सावरकर ने अपने खंड काव्य गोमांतक में पुर्तगाली अत्याचारों का वर्णन किया है महाभारत में गोवा का उल्लेख गोप राष्ट्र अर्थात पालकों के देश के नाम से है 14वीं शताब्दी में यहां पर पहली बार इस्लामी आक्रमणकारियों के पैर पड़े थे लेकिन तब विजयनगर के राजा हरि हर प्रथम ने उन्हें खदेड़ दिया था लेकिन 100 वर्ष बाद फिर से दिल्ली की इस्लामी सल्तनत ने गोवा को अपने चंगुल में ले लिया।

शुरुआत गोवा के इतिहास से करते हैं- महाभारत में गोवा का उल्लेख गोपराष्ट्र यानि गोपालकों के देश के रूप में मिलता है। गोवा के लंबे इतिहास की शुरुआत् तीसरी सदी ईसा पूर्व से शुरू होता है जब यहाँ मौर्य वंश के शासन की स्थापना हुई थी। बाद में पहली सदी के शुरुआत में इस पर कोल्हापुर के सातवाहन वंश के शासकों का अधिकार स्थापित हुआ और फिर बादामी के चालुक्य शासकों ने इस पर वर्ष 580 से 750 तक राज किया। इसके बाद के सालों में इस पर कई अलग अलग शासकों ने अधिकार किया। वर्ष 1312 में गोवा पहली बार दिल्ली सल्तनत के अधीन हुआ लेकिन उन्हें विजयनगर के शासक हरिहर प्रथम द्वार वहाँ से खदेड़ दिया गया। 1469 में गुलबर्ग के बहामी सुल्तान द्वारा फिर से दिल्ली सल्तनत का हिस्सा बनाया गया। वर्ष 1510 में गोवा में पुर्तगालियों के कदम पड़े धीरे-धीरे उन्होंने पूरे क्षेत्र को अपना उपनिवेश बना लिया पुर्तगालियों का सबसे बड़ा उद्देश्य गोवा के सांस्कृतिक चरित्र को बदलना और हिंदु को ईसाई बनाना था इसी के लिए वर्ष 1560 में गोवा इनक्विजिशन की शुरुआत की गई। इनक्विजिशन चर्च द्वारा बनाई एक तरह की न्यायिक संस्था थी जिसका काम हिंदुओं को धर्मांतरण के लिए विवश करना था।

1946 में लोहिया को नेहरू का साथ क्यों नहीं मिला: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 में गोवा में एक रैली के दौरान कहा था कि अगर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चाहते तो 1947 में ही कुछ ही घंटों के भीतर गोवा आज़ाद हो जाता। लेकिन कांग्रेस ने 14 वर्षों तक गोवा की आज़ादी के लिए कुछ नहीं किया। राम मनोहर लोहिया (डॉ. लोहिया) गोवा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख नेता थे, जिन्होंने 1946 में गोवा में सत्याग्रह शुरू कर पुर्तगाली शासन के खिलाफ संघर्ष की शुरुआत की। इस आंदोलन में महात्मा गांधी का उन्हें स्पष्ट समर्थन मिला, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने साथ नहीं दिया। यह अंतर दोनों नेताओं की विचारधारा, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निहित है। लोहिया ने गोवा को भारत का अभिन्न हिस्सा मानते हुए तत्काल मुक्ति की मांग की, लेकिन नेहरू की कूटनीतिक और शांतिवादी नीति ने उन्हें सैन्य या प्रत्यक्ष समर्थन से रोका। गांधीजी ने लोहिया के गोवा सत्याग्रह को पूर्ण समर्थन दिया क्योंकि यह उनकी अहिंसा और सिविल डिसओबिडिएंस की विचारधारा से मेल खाता था। 1946 में लोहिया ने गोवा में पुर्तगाली शासन के खिलाफ सत्याग्रह शुरू किया, जहां वे नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। गिरफ्तार होने

नेहरू की उदासीनता: कूटनीति, शांतिवाद और अंतरराष्ट्रीय छवि नेहरू ने लोहिया के सत्याग्रह को समर्थन नहीं दिया क्योंकि उनकी प्राथमिकता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान थी। नेहरू की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता और विश्व शांति पर आधारित थी, और वे भारत को एक शांतिवादी राष्ट्र के रूप में पेश करना चाहते थे। गोवा पुर्तगाली उपनिवेश था, और नेहरू को डर था कि सत्याग्रह या सैन्य हस्तक्षेप से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होगी। 1946 में लोहिया के सत्याग्रह के समय नेहरू ने कहा कि गोवा समस्या महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत को पहले अपनी स्वतंत्रता पर फोकस करना चाहिए।

गोवा के भारत में विलय और ऑपरेशन विजय की कहानी: गोवा के भारत में विलय की कहानी दमन और दीव के भारत में विलय की कहानी भी है। जब भारत के बड़े इलाके पर अंग्रेज हुकूमत कर रहे थे। तब गोवा, दमन और दीव पर पुर्तगाल का शासन था। ये दोनों राज्य यूरोप में भी पड़ोसी थे। गोवा वालों की राजकुमारी कैथरीन और इंग्लैंड के किंग्स चार्ल्स टू से हुई थी। तब पुर्तगालियों ने ही दहेज में अग्रेजों को मुंबई दी थी।

मुंबई यानी उस वक्त की बम्बई तो आजाद होकर भारत का हिस्सा बन गया। लेकिन गोवा, दमन और दीव में पुर्तगाली जमे रहे। पुर्गताली गोवा को किसी भी कीमत पर छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। पुर्तगालियों ने आजादी के 14 साल बाद तक गोवा और दमन व दीप पर अपना कब्जा जमाए रखा। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और रक्षा मंत्री मेनन के बार-बार आग्रह करने के बावजूद पुर्तगाली भारत के आगे झुकने को बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। उनके खिलाफ स्थानीय लोगों ने विद्रोह किया। गोवा कांग्रेस बनी और आजादी का आंदोलन चलाया गया। भारत में जो कांग्रेस थी उसे उसका साथ मिला। देश आजाद हुआ तो पुर्तगाल से बात शुरू हई। लेकिन गोवा पर बात करने का पुर्तगाल ने कोई जवाब नहीं दिया। 11 जून 1953 को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भारत ने अपने दूतावास बंद किए। फिर पुर्तगाल पर प्रेशर गेम शुरू किया। गोवा, दमन और दीव के बीच आने जाने पर बंदिशें लग गई। 15 अगस्त 1955 को तीन से पांच हजार आम लोगों ने गोवा में घुसने की कोशिश की। लोग निहत्थे थे और पुर्तगाल की पुलिस ने गोली चला दी। 30 लोगों की जान चली गई। तनाव बढ़ने के बाद गोवा पर सेना की चढ़ाई की तैयारी की गई। 1 नवंबर 1961 में भारतीय सेना के तीनों अंगों को युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। भारतीय सेना ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ आखिरकार दो दिसंबर को गोवा मुक्ति का अभियान शुरू कर दिया। जमीन से सेना, समुद्र से नौसेना और हवा से वायुसेना गई। इसे ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया। बता दें कि 1999 के करगिल युद्ध को भी ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया था। लेकिन ये सेना का पहला ऑपरेशन विजय पुर्तगालियों के खिलाफ हुआ था।

विश्व कप सपना, घरेलू सत्र भी अधर में, 140 करोड़ आबादी, फिर क्यों फेल फुटबॉल?

(आलोक श्रीवास्तव)

राज्यसभा में भारतीय फुटबॉल के गिरते स्तर को लेकर गंभीर सवाल उठे।

158 हजार आबादी वाले कुराकाओ के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के उदाहरण के साथ सरकार से पूछा गया कि भारत के लिए दीर्घकालिक योजना क्या है और जमीनी स्तर पर प्रतिभा को बढ़ाने के लिए क्या किया जा रहा है।

भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार 18 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में भी उठाया गया। कुराकाओ जैसे छोटे देश के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं।

विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना एआईएफएफ की जिम्मेदारी- मनसुख मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया, 'विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा के तय मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए कदम उठाने समेत किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ)

की होती है।' जोस के मणि ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का हवाला देते हुए कांग्रेस के जोस के मणि ने खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा।

लगातार गिर रहा भारतीय फुटबॉल का स्तर- भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अब तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जोस के मणि ने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं, जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के की होती है।' जोस के मणि ने कहा, 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है। एआईएफएफ ने सूचित किया है कि उसके पास फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए दीर्घकालिक योजना है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय टीमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।' डेढ़ लाख की आबादी वाले कुराकाओ ने रचा इतिहास कुराकाओ कुल क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों के मामले में विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। इसके विपरीत करीब डेढ़ अरब आबादी होने बावजूद भारत इस खेल में लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है।

खेलो इंडिया को लेकर सवाल- मनसुख मांडविया से सरकार की खेलो इंडिया योजना की प्रगति के बारे में भी पूछा गया।

वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बिना आवश्यकता कपड़े खरीदना भी है..!

वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि वायु प्रदूषण केवल धुंध या दृश्यता की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है। सूक्ष्म प्रदूषक कण, विशेष रूप से पीएम 2.5, फेफड़ों, हृदय और मस्तिष्क पर दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं। वायु प्रदूषण अब किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित समस्या नहीं रह गया है। यह एक राष्ट्रीय संकट का रूप ले चुका है, जिसकी जड़ें हमारी उत्पादन और उपभोग की आदतों में गहराई से जुड़ी हुई हैं। आज प्रदूषण की चर्चा होते ही ध्यान वाहनों, उद्योगों या पराली जलाने पर चला जाता है, जबकि असल प्रश्न यह है कि इन सबके पीछे ऊर्जा और संसाधनों की बढ़ती मांग क्यों है? यह मांग सीधे तौर पर हमारे उपभोग से पैदा होती है। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक उत्पादन और उतना ही अधिक कार्बन उत्सर्जन।

(विनोद पाठक)

सर्दियों में स्थिति इसलिए और बिगड़ जाती है, क्योंकि तापमान उलटाव के कारण प्रदूषक हवा में ऊपर नहीं उठ पाते, लेकिन यह केवल मौसम की समस्या नहीं है। यदि उत्सर्जन का स्तर कम हो तो मौसम की भूमिका उतनी घातक नहीं बनती। इसलिए मूल समाधान उत्सर्जन घटाने में ही निहित है।

सरकार द्वारा उठाए गए आपात कदम, जैसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान, वाहनों पर प्रतिबंध, निर्माण कार्य रोकना, तत्काल राहत तो देते हैं, लेकिन वे बीमारी का इलाज नहीं, केवल लक्षणों को नियंत्रित करते हैं।

स्थायी समाधान तभी संभव है, जब कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर दीर्घकालिक नियंत्रण हो और इसके लिए उपभोग के पैटर्न को बदलना अनिवार्य है। कम उपभोग का अर्थ अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग है। उदाहरण के लिए कपड़ों का अत्यधिक उपयोग, फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का बड़ा हिस्सा है।

एक कपड़े के उत्पादन से लेकर उसके परिवहन तक भारी मात्रा में ऊर्जा, पानी और रसायनों का उपयोग होता है। यदि लोग आवश्यकता अनुसार कपड़े खरीदें, लंबे समय तक उनका उपयोग करें और बार-बार फैशन बदलने की प्रवृत्ति को सीमित करें तो उत्पादन की मांग घटेगी और कार्बन उत्सर्जन में स्वतः कमी आएगी।

बिजली का उपयोग भी कार्बन उत्सर्जन से सीधे जुड़ा है। भारत में अब भी बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा कोयले पर आधारित है। हर अनावश्यक लाइट, एसी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अधिक कोयला जलाने की मांग पैदा करता है।

बिजली की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी है। ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग और संयमित बिजली खपत कार्बन उत्सर्जन को कम करने का सबसे सरल उपाय है। इसी तरह, परिवहन क्षेत्र में कम उपभोग का सिद्धांत अत्यंत प्रभावी है।

निजी वाहनों का अत्यधिक प्रयोग ईंधन की खपत बढ़ाता है और प्रदूषण को कई गुना कर देता है। सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलना, साइकिल का उपयोग और कार-पूलिंग न केवल ईंधन बचाते हैं, बल्कि शहरों को रहने योग्य भी बनाते हैं। हर वह यात्रा जो वाहन के बिना संभव है, सीधे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाती है।

घरेलू स्तर पर कचरे का प्रबंधन भी उपभोग से जुड़ा विषय है। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक कचरा। कचरा जलाने से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण को और गंभीर बनाता है। कम खरीद, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण जैसी आदतें प्रदूषण रोकने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।

पानी की बचत भी कार्बन उत्सर्जन से अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। पानी की आपूर्ति और शुद्धीकरण में भारी मात्रा में ऊर्जा लगती है। कम पानी उपयोग करने का अर्थ है कम ऊर्जा खपत और कम उत्सर्जन।

स्पष्ट है कि वायु प्रदूषण की लड़ाई केवल नीति, कानून या आपात उपायों से नहीं जीती जा सकती। यह जीवनशैली में परिवर्तन की मांग करती है। जब तक समाज यह स्वीकार नहीं करता कि अनियंत्रित उपभोग ही प्रदूषण की जड़ है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा।

कम उपभोग का विचार हमें विकास से पीछे नहीं ले जाता, बल्कि टिकाऊ विकास की ओर ले जाता है। यह विचार बताता है कि बेहतर जीवन का अर्थ अधिक वस्तुएं नहीं, बल्कि स्वस्थ पर्यावरण है। कार्बन उत्सर्जन को घटाने का रास्ता सरकार की योजनाओं से होकर जरूर जाता है, लेकिन उसका अंतिम पड़ाव आम आदमी के दैनिक निर्णयों में ही तय होता है। स्वच्छ हवा किसी एक शहर की मांग नहीं, पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

एनएफ रेल में दर्दनाक रेल हादसा

राजधानी एक्सप्रेस हाथियों के झुंड से टकराई, 8 हाथियों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। एनएफ रेल के लामडिंग मंडल के होजाई जिले में शुक्रवार की मध्यरात्रि एक बड़ा रेल हादसा उस समय हुआ जब सैरांग नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस जंगली हाथियों के झुंड से टकरा गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में आठ हाथियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेन का इंजन और छह डिब्बे पटरी से उतर गये। कटिहार रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना जमुनामुख कामपुर रेल खंड में सुबह करीब 2.17 बजे हुआ। दुर्घटना स्थल गुवाहाटी से लगभग 126 किलोमीटर दूर स्थित है। घटना के समय ट्रेन नई दिल्ली की ओर जा रही थी। इस दुर्घटना में किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। लोको पायलट ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया। जिससे बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। वही इस घटना के तत्काल बाद गुवाहाटी सहित न्यूजलपाईगुड़ी स्टेशन में रेलवे द्वारा हेल्प डेस्क बनाते हुए हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है। न्यूजलपाईगुड़ी से इस ट्रेन में करेंट बुकिंग को छोड़कर 172 यात्रियों की बोर्डिंग थी। इस घटना से मैन लाइन ब्लॉक हो गया जिस दौरान रेल प्रशासन द्वारा कई ट्रेनों को अलग अलग जगह पर यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर नियंत्रित करते हुए रवाना किया गया। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। रेलवे की राहत ट्रेनें और अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पटरी पर हाथियों के शव और क्षतिग्रस्त डिब्बों के कारण ऊपरी असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र की रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। फिलहाल मरम्मत कार्य पूरा कर लिया गया है और रेल यातायात को सामान्य करने के प्रयास जारी हैं। यह हादसा एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष और रेलवे ट्रैक पर वन्यजीव सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों की आवश्यकता को उजागर करता है।

भीषण ठंढ से असहायों को राहत हेतु रैन बसेरा संचालित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जगह जगह अलाव की व्यवस्था

मनिहारी /कटिहार। शीतलहर के साथ तेज पछुआ हवा के कारण हाड कंपा देनेवाली ठंढ से असहाय लोगों को राहत के मद्देनजर नगर पंचायत मनिहारी के मुख्य पार्षद लाखो यादव ने नगर के विभिन्न चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की है। साथ ही मनिहारी गंगा किनारे शिव मंदिर के बगल में एवं निवंधन कार्लालय परिसर में रैन बसेरा संचालित की जा रही है।

इस संदर्भ में मुख्य पार्षद श्री यादव ने कहा कि प्रकृति की इस कहर से समाज के साधन सुविधा हीन लोगों को राहत दिये जाने के प्रति नगर प्रशासन संवेदनशील है। नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान ने जानकारी दी कि कड़ाके की ठंढ को देखते हुए नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों सहित सार्वजनिक स्थानों कुल चिन्हित बीस स्थान पर अलाव की व. यवस्था की गयी है।मनिहारी गंगा किनारे शिव मंदिर के बगल एवं निवंधन कार्यालय परिसर कुल दो जगहों पर कुल 34 बेड की रैनबसेरा संचालित किये जा रहे हैं। यहां पनाह लेनेवाले असहाय लोगों को ओढने को कम्बल, बिस्तर, चादर, मच्छदानी,पीने को स्वच्छ पानी, शौचालय की निःशुल्क उपलब्ध होगी।अलाव के संबंध मे बताया कि गंगा किनारे, मनिहारी बस स्टेशन, ब्लाक परिसर,अनुमंडल कार्यालय परिसर, अनुमंडलीय अस्पताल परिसर, रेलवे स्टेशन सहित अधिकांश लोगों के आने जाने वाली जहग पर यह सुविधा रहेगी।

रामानुजम गणित प्रतिभा परीक्षा में जयमाला शिक्षा निकेतन के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रामानुजम गणित प्रतिभा परीक्षा में जयमाला शिक्षा निकेतन के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। इस परीक्षा के परिणामों में विद्यालय के छात्रों का वर्चस्व स्पष्ट रूप से देखने को मिला। कक्षा 10 में चयनित 10 छात्रों में से 9 छात्र जयमाला शिक्षा निकेतन के हैं। इसमें विद्यालय के धीरज कुमार दास ने प्रथम स्थान तथा मोमिन आलम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। अन्य सफल छात्रों में भाविष्य सूर्य तृतीय, अमन राज चतुर्थ, उत्कर्ष कुमार पंचम, हर्ष आर्यन सातवां, वसीम अख्तर आठवां, गौरव कुमार नवम एवं मुजाहिदुल इस्लाम दसवां स्थान शामिल है।

कक्षा 9 में भी विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। चयनित 10 छात्रों में से 5 छात्र जयमाला शिक्षा निकेतन से हैं। जिसमें मो. निहाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य सफल छात्रों में बालमुकुंद कुमार तृतीय, अभिनव कुमार पंचम, स्नेहा रानी सातवां एवं जिया परवीन दसवां स्थान शामिल हैं।कक्षा 8 में विद्यालय के 3 छात्रों का चयन हुआ। जिनमें मनोरमा कुमारी द्वितीय स्थान, जीशान अली सातवां एवं चिरंजीवी चेतन्य दसवां स्थान शामिल हैं। कक्षा 7 में 3 छात्रों ने सफलता प्राप्त की, जिनमें संस्कार मिश्रा ने प्रथम स्थान तथा प्रत्युष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि रायन यादव ने छठा स्थान हासिल किया।कक्षा 6 में विद्यालय के 4 छात्रों का चयन हुआ। जिनमें डेविड कुमार चतुर्थ, नाहिफ अख्तर पंचम, आर्यन कुमार मंडल षष्ठम एवं कोमल झा नवम स्थान शामिल हैं। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक डॉ. एसके सुमन ने सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी जयमाला शिक्षा निकेतन के छात्र इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

असम रेल हादसे से परिचालन प्रभावित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। असम में हुई हादसा के कारण रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ। जिस कारण कटिहार रेल मंडल से होकर गुजरने वाली राजधानी एक्सप्रेस सहित लगभग आधे दर्जन ट्रेन घंटों लेट परिचालित हुई। जिसमें ट्रेन नंबर 12423 राजधानी एक्सप्रेस 8 घंटा लेट, ट्रेन नंबर 20505 1.30 घंटा लेट, ट्रेन नंबर 15910 अवध असम एक्सप्रेस 8 घंटा लेट, ट्रेन नंबर 12505 नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस लगभग 2 घंटा लेट, ट्रेन नंबर 13245 कैपिटल एक्सप्रेस 1 .30 घंटा लेट परिचालित हुई । जबकि महानंदा एक्सप्रेस ट्रेन रद्द थी। जिससे यात्री को यात्रा के दौरान इस ठंड के मौसम में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शव रखकर, आग जलाकर घंटों की सड़क जाम

पुलिस ने उचित कारवाई का आश्वासन दिया तब हटा जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा/कटिहार। थाना क्षेत्र के द्वाशय गांव में शनिवार को कटिहार-कंदरपैली मुख्य मार्ग पर महाराज स्थान के पास ग्रामीणों ने शव रखकर व आग जलाकर और बांस बल्ली से आवागमन बाधित कर दिया। सुबह 11 बजे से आवागमन बाधित रहने से दोनों तरफ सैकड़ों की संख्या में वाहन खड़ी रही। जानकारी मिलते हीं डंडखोरा थाना से एसआई रामजी, सुनीता कुमारी, रीतेश कुमार, एएसआई धीरेन्द्र कुमार, संजीत कुमार सदलबल पहुंचकर घंटों आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों को समझा-बुझा कर जाम हटवाया। 2 बजे लोग शव को उठाकर ले गये।

जानकारी के अनुसार बीते 24 नवंबर को निशिकांत मंडल (30) पिता घनश्याम मंडल अपने गांव द्वाशय में हीं सड़क घायल हो गया।जिसका इलाज पूर्णियॉ में कराया गया। घर आने पर फिर उसकी खराब हुई। जहां इलाज हुआ। इसी क्रम में शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। मामले को लेकर 14 नवंबर को थाना में मामला दर्ज कराया गया था। अपने आवेदन में पीड़ित की ओर से गांव के हीं नवीन मिश्रा पर अपनी बाइक से ठोकर मारने का आरोप लगाया था।लेकिन पुलिस द्वारा अब तक कारवाई नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीण सड़क जाम कर कारवाई करने की मांग के साथ परिजनो को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। पुलिस प्रशासन के समझाने-बुझाने के बाद जाम हटाया गया। थानाध्यक्ष विजय महतो ने बताया कि थाना में मामला दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना को लेकर जहां ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है। वहीं परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। जानकारी हो कि मां की पहले हीं मौत हो जाने और अब पिता का भी साया उठ जाने से उनके तीन बच्चों के समक्ष भरण-पोषण की समस्या हो गई है। इलाज कराने में उनकी जमीन भी खत्म हो गई है। बताया जाता है कि आक्रोशित ग्रामीण वहां से शव को उठाकर नवीन मिश्रा के दरवाजे पर लेकर गये हैं।

खाद्य निगम की कार्यप्रणाली के खिलाफ डीलरों का फूटा गुस्सा

समाहरणालय गेट पर दिया धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। जिला फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले शनिवार को जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं ने अपनी लंबित मांगों और विभागीय उदासीनता के विरोध में समाहरणालय के मुख्य द्वार पर एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। विक्रेताओं ने जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम और उनके कर्मियों पर उत्पीड़न व भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

विक्रेताओं का कहना है कि वर्ष 2025 बीतने को है, लेकिन अब तक मार्जिन मनी का भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही, वर्ष 2020 के आठ महीनों का बकाया भी अभी तक लंबित है। वही सीएमआर चावल के नाम पर खराब गुणवत्ता का अनाज दिया जा रहा है, जिसके कारण विक्रेताओं को उपभोक्ताओं के आक्रोश का सामना करना पड़ता है। जबकि सहायक गोदाम प्रबंधक द्वारा बोरियों का सही वजन नहीं दिया जाता, जिससे विक्रेताओं को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उनलोगो ने कहाकि परिवहन के दौरान ड्राइवरों द्वारा अवैध तरीके से एक-दो बोरा खाद्यान्न उतार लिया जाता है, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि निगम के अधिकारी और कर्मचारी विक्रेताओं को अपना अंग नहीं समझते। उनका व्यवहार नकारात्मक है और विक्रेताओं को 'धन्नासेठ' मानकर उनसे अवैध 'नजराने' की उम्मीद रखी जाती है। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जिला महासचिव इंदिरा सिन्हा,जिला संगठन मंत्री राजीव कुमार पूर्व और जिला सचिव संजीव कुमार ने किया। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मौके पर सुभाष सिंह,निवेश चटर्जी, रवि घोष सहित सैकड़ो की संख्या में जन वितरण प्रणाली के विक्रेता मौजूद रहे।

भाजपा की बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अभिनंदन समारोह में भाग लेने पर विमर्श

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी कटिहार जिलाध्यक्ष मनोज राय के नेतृत्व में जिला अतिथि गृह एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें में 23 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार बिहार आगमन पर नितिन नवीन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत समारोह में कटिहार से बड़ी से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पटना भाग लेने पर विमर्श किया गया।

जिला अध्यक्ष मनोज राय ने बताया कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्य कारी अध्यक्ष के पद पर बिहार के लाल युवा नेतृत्व विवाह चेहरा पर केंद्र नेतृत्व ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए नितिन नवीन को राष्ट्र कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का कार्य किया है। बिहार ही नहीं देश के युवाओं में उत्साह का माहौल है खासकर कटिहार के भाजपा कार्यकताओं में जी का माहौल है उपलक्ष में उनके पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार पटना आगमन पर कटिहार जिला से सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए पटना रवाना होगी। साथ-साथ उन्होंने कहा कि बिहार में जो जनादेश कार्यकर्ता और जनता के द्वारा मिला है वह ऐतिहासिक है इसका परिणाम केंद्र नेतृत्व में बिहार से नितिन नवीन को राष्ट्र कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर सौगात देने का काम किया है उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को अटल जी की जयंती मानने को लेकर बुथ स्तर के कार्यकताओं तक संदेश भेजने का कार्य किया गया है अटल जी की जयंती 25 दिसंबर से लेकर 1 वर्ष तक मनाई जाएगी। साथ-साथ उन्होंने कहा कि वीर बाल के जयंती 26 दिसंबर को मनाया जाएगा। जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि राष्ट्र कार्य अध्यक्ष नीतिन नवीन का संगठनात्मक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और समर्पण पार्टी को नई दिशा व सशक्त ऊर्जा प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्राणपुर विधायक निशा सिंह, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, सौरभ कुमार मालाकार, जिला उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिला प्रवक्ता महेंद्र झा,पिंटू भगत, युवा मोर्चा जिला महामंत्री जोक्शन यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह, पूजा शर्मा , बुलबुल सिंह,सोनू सिंह विकास यादव, रितेश कुमार , गोल्डन सिंह, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

गरीबों के बीच कंबल वितरण व सार्वजनिक जगहों पर अलाव की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार । नागरिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष अंगद ठाकुर एवं कोषाध्यक्ष जय प्रकाश यादव ने अनुमंडल पदाधिकारी से मिलकर सार्वजनिक जगहों पर अलाव सहित गरीब असहाय साधन सुविधाहीन गरीबों के बीच कंबल वितरण की मांग की है। इन सामाजिक कार्यकताओं ने एसडीएम को समर्पित मांग पत्र मे कहा है विगत कुछ दिनों से पड रही कडाके की ठंढ से जन जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पडा है। असहाय दीन दुखियों को इस हाड कंपादेनेवाली ठंढ से बचाने के लिए अलाव सहित कंबल वांटने की मांग की है।

एसडीएम श्री सिंह ने भी संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिनस्थ अधिकारियों को इस दिशा मे सार्थक पहल करने के निर्देश दियें है। शनिवार शाम से ही नगर क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानो पर अलाव की व्यवस्था आरंभ कर दी गयी है. कंवल वितरण की दिशा में भी पहल जारी है।

जनता दरबार में तीन मामलों का हुआ निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। थाना परिसर मनसाही में भूमि से संबंधित विवाद को सुलझाने के लिए साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजस्व कर्मचारी महबूब आलम ने परिक्षेत्र से आए भूमि से संबंधित विवाद के निष्पादन किए।

कुल सात मामले प्राप्त हुए जिसमें तीन मामले का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। चार मामले लंबित रहे। इस अवसर पर थाना के एसआई राजेश कुमार आदि मौजूद रहे ।

अपराध की योजना बना रहा बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा /कटिहार। कोढा थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धर-पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोढ़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोढा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक अपराधी को अवैध हथियार के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह मामला कोढ़ा थाना क्षेत्र के अहिमाचक गांव का है।

पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ खेरिया पंचायत के वार्ड 4 अहिमाचक गांव के आसपास

■ कोढा पुलिस की कार्रवाई

घूम रहा है और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के सत्यापन के लिए कोढ़ा थानाध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ तुरंत घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की। लेकिन मुस्तैद पुलिस बल ने उसे खदेड़कर दबोच लिया।पुलिस द्वारा पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अर्जुन सिंह के 32 वर्षीय पुत्र सतीश कुमार सिंह के रूप में हुई है।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से पुलिस ने 01 देशी कट्टा बरामद किया है।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व सात दिवसीय अखंड श्री श्याम ज्योत महोत्सव की तैयारी जोरों पर

श्री श्याम मित्र मंडल अपनी संस्था की स्वर्ण जयंती महोत्सव मनाएगा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से आगामी 03 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं सात दिवसीय अखंड श्री श्याम ज्योत का आयोजन किया जा रहा है।श्री श्याम मित्र मंडल अपने संस्था के 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव को एक अनूठे अंदाज मे मनाने का निर्णय लेते हुए श्रीमद्भागवत कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

जिसमें राष्ट्रीय ख्याति श्रद्धेय आचार्य श्री गौरवकृष्ण गोस्वामी जी के मुखाबृंद से भगवद गीता का पाठ होगा। यह कटिहार वासियों के लिए बड़ा ही गौरव का क्षण है कि नववर्ष का शुभारंभ एक ऐतिहासिक धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन से हो रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत दिनांक 03 जनवरी को मंगल कलश शोभायात्रा से आरम्भ होगी। श्री भगवत महात्म्य एवं मंगलाचरण। 4 जनवरी को नारद व्यास संवाद, पांडव चरित्र एवं शुकदेव आगमन। 5 जनवरी को कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र। 6 जनवरी को वामन अवतार, श्री राम जन्म, श्री कृष्ण जन्म नंदोत्सव। 7 जनवरी को श्री कृष्ण लीला, माखन चोरी, श्री गिरिराज पूजन छप्पन भोग। 8 जनवरी को महारास कथा, कन्सोध्दार, श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव। 9 जनवरी को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष कथा विश्राम एवं होली महोत्सव। 10 जनवरी को हवन एवं पूणार्हुति। साथ ही प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रचार प्रसार व्यवस्थापक पंकज तमाखुवाला ने बताया कि इस सात दिवसीय कार्यक्रम मे श्री श्याम बाबा जी की अखंड ज्योत प्रज्वलित रहेगी। साथ ही प्रत्येक दिन संध्या 8 बजे से रंगारंग भजनों की अमृत वर्षा होगी। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से स्वर्ण जयंती महोत्सव को लेकर संस्था के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण दिन रात एक कर कार्यक्रम की अपार सफलता को लेकर लगे हुए है। कार्यक्रम स्थल राजेंद्र स्टेडियम को बड़े ही भव्य, आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर पूरे कटिहार के श्री श्याम प्रेमी काफी उत्साहित है।

सदर अस्पताल परिसर के रैन बसेर में पुख्ता इंतजाम : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेसहारा लोगों को मिलेगी राहत

कटिहार नगर। जिले में कनकनी और ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ते हुए शीतलहर और तापमान में आती गिरावट को देखते हुए नगर निगम प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। रात गुजारने वाले बेघर और जरूरतमंद लोगों के लिए शहर के विभिन्न रैन बसेरा में सुविधाओं को दुरुस्त कर लिया गया है। ताकि किसी को भी खुले आसमान के नीचे रात न बितानी पड़े।

ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त संख्या में कंबल, गद्दे और चादरों का इंतजाम किया गया है।रैन बसेरों में स्वच्छ पेयजल और 24 घंटे बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नियमित रूप से वार्डों की सफाई और सुरक्षा के लिए गार्ड्स की तैनाती की गई है। साथ ही महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग ठहरने की व्यवस्था है। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि ठंड के मौसम में किसी भी व्यक्ति को सड़क किनारे सोने की मजबूरी न हो, इसके लिए टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। नगर निगम की ओर से अपील की गई है कि यदि कहीं कोई व्यक्ति लावारिस या बेसहारा हालत में मिले, तो उसे नजदीकी रैन बसेरे तक पहुँचाने में मदद करें।

निर्यात में वृद्धि के बावजूद चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को भारत के निर्यात में इस साल तेज लेकिन अस्थिर बढ़ोतरी के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा और गहराने की आशंका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर 2025 में भारत का चीन को निर्यात सालाना आधार पर करीब 90 फीसदी बढ़कर 2.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वहीं अप्रैल से नवंबर 2025 के दौरान कुल निर्यात 33 फीसदी बढ़कर 12.2 अरब डॉलर रहा। हालांकि यह बढ़ोतरी व्यापक आधार पर नहीं, बल्कि कुछ चुनिंदा उत्पादों तक सीमित रही।

नेफ्था के कारण निर्यात पांच गुना बढ़ा : रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात में इस उछाल का सबसे बड़ा कारण नेफ्था रहा। अक्तूबर में नेफ्था का निर्यात पांच गुना से ज्यादा बढ़ा, जबकि अप्रैल-अक्तूबर के दौरान इसमें 172 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 1.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह वृद्धि चीन में पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की मजबूत मांग को दर्शाती है। इसके अलावा प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और मोबाइल फोन कंपोनेंट्स जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्यात में भी असाधारण उछाल देखा गया, जबकि भारत इन्हीं उत्पादों का चीन से बड़ा आयातक बना हुआ है।

इसके उलट, पारंपरिक निर्यात उत्पादों का प्रदर्शन कमजोर और अस्थिर रहा। अप्रैल-अक्तूबर के दौरान लौह अयस्क (आयरन ओअर) के निर्यात में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई, जबकि झींगा निर्यात में केवल मामूली बढ़त दर्ज की गई। GTRI ने कहा कि चीन को भारत के शीर्ष तीन निर्यात नेफ्था, आयरन ओअर और झींगा में साल-दर-साल तेज उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। यह चीन की मांग के चक्र से ज्यादा जुड़ा है, न कि किसी स्थिर या विविध निर्यात रणनीति से।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात में हालिया तेजी के बावजूद चीन से भारत का आयात लगातार बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2025 में चीन से आयात 123.5 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिससे भारत का द्विपक्षीय व्यापार घाटा रिकॉर्ड 106 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। वहीं, चीनी सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार यह घाटा 115 अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है।

चीन से होने वाले आयात का 80 फीसदी हिस्सा इन क्षेत्रों से : जीटीआरआई के मुताबिक, भारत के चीन से होने वाले आयात का करीब 80 फीसदी हिस्सा इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, ऑर्गेनिक केमिकल्स और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है। अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स आयात जनवरी से अक्तूबर 2025 के दौरान 38 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो चीन पर भारत की सप्लाई-चेन निर्भरता को दर्शाता है।

दोनों देशों के व्यापार आंकड़ों में लगातार बने रहे पर चिंता : रिपोर्ट ने भारत और चीन के व्यापार आंकड़ों में लगातार बने अंतर पर भी चिंता जताई। इसमें कहा गया कि भारत द्वारा रिपोर्ट किया गया आयात, चीन द्वारा बताए गए निर्यात से कम है, जो असामान्य है और अंडर-इनवॉयसिंग की संभावना की ओर इशारा करता है। तज्ञ्रञ्ढ़ ने कस्टम अधिकारियों से इस पर कड़ी निगरानी की जरूरत बताई।अंत में रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि जब तक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बढ़ावा देने, अहम क्षेत्रों में आयात निर्भरता घटाने और व्यापार निगरानी को मजबूत करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक निर्यात में ऐसे अल्पकालिक उछाल भारत-चीन व्यापार के संरचनात्मक असंतुलन को दूर नहीं कर पाएंगे।

एथर एनर्जी के नई कंपनी बनाने के ऐलान का असर, शेयर की ओर दौड़ पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी देखी गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन कंपनी द्वारा ऑटो इंश्योरेंस सेवाओं के क्षेत्र में उतरने की घोषणा के बाद इसके शेयर डिमांड में आ गए। कारोबार के दौरान एथर एनर्जी के शेयर करीब 8 प्रतिशत की तेजी के साथ 717.30 रुपये तक पहुंच गए। शेयर की क्लोजिंग 5.72 प्रतिशत बढ़त के साथ 700 रुपये के स्तर पर हुई। एथर एनर्जी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि वह ऑटो इंश्योरेंस सेवाओं के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करेगी। यह नई सब्सिडियरी कॉरपोरेट एजेंट के रूप में काम करेगी और देशभर में एथर ग्राहकों को कई बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी के जरिए ऑटो इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध कराएगी। इसका मकसद ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना और मौजूदा ग्राहक आधार का लाभ उठाते हुए नियमित आय का एक नया स्रोत तैयार करना है। एथर एनर्जी के चीफ बिजनेस ऑफिसर रवनीत सिंह फोकेला के मुताबिक बीमा किसी भी वाहन के स्वामित्व अनुभव का एक अहम हिस्सा होता है। बीमा वितरण को एथर इकोसिस्टम के करीब लाकर इसे ज्यादा सरल, पारदर्शी और ग्राहकों के वास्तविक उपयोग के अनुरूप बनाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कंपनी कई बीमा भागीदारों के साथ मिलकर ऐसे ईवी-विशेष बीमा उत्पाद विकसित करना चाहती है। वित्तीय मोर्चे पर 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एथर एनर्जी का नेट लॉस कम होकर 154.1 करोड़ रुपये रह गया। एथर एनर्जी लिमिटेड ने बताया कि कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 197.2 करोड़ रुपये का लॉस हुआ था। कंपनी ने आगे बताया कि दूसरी तिमाही में परिचालन राजस्व 898.9 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 583.5 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि तिमाही में कुल खर्च बढ़कर 1,094.8 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 796.1 करोड़ रुपये था।

दिग्गज डिफेंस कंपनी को मिला लाइसेंस, शेयर में लगा 5 प्रतिशत का अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में लिस्टेड कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर में शुक्रवार को 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर 237.85 रुपये तक पहुंच गया। सितंबर 2025 में शेयर 354.65 रुपये तक पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। दिसंबर 2024 में यह शेयर 92.50 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। यह डिफेंस स्टॉक एक साल में 145 प्रतिशत बढ़ा है और तीन साल में 773 प्रतिशत बढ़ा है। यह शेयर पांच साल में 1,775 प्रतिशत बढ़ा है।डिफेंस कंपनी-अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने बताया कि उसकी सब्सिडियरी एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड को इंडस्ट्रीज (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, 1951 के तहत हाई-एनर्जी एक्सप्लोसिव ट्रिनिट्रोटोल्यूइन साइक्लोटेट्रामेथिलीनटेट्रानिट्रामाइन के प्रोडक्शन के लिए इंडस्ट्रियल लाइसेंस मिल गया है। लाइसेंस की वैलिडिटी जारी होने की तारीख से 15 साल है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करुणाकर रेड्डी ने बताया कि यह अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के लिए एक अहम उपलब्धि है, जो हमें इंडस्ट्रियल और डिफेंस दोनों तरह के विस्फोटकों की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। यह लाइसेंस सिर्फ एक रेगुलेटरी मंजूरी से कहीं ज्यादा है। यह हाई-एनर्जी डिफेंस विस्फोटकों के लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता को मजबूत करता है। इसके साथ ही इंडस्ट्रियल और डिफेंस विस्फोटकों के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मार्केट में बढ़ती मांग को पूरा करने के अवसर पैदा करता है।अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने रक्षा उत्पादों के विनिर्माण में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तेलंगाना सरकार के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की।

जापान की कंपनी ने श्रीराम फाइनेंस में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वित्तीय क्षेत्र में विदेशी निवेश को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। जापान की प्रमुख वित्तीय कंपनी मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी) ने भारतीय एनबीएफसी सेक्टर की दिग्गज कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है। इस सौदे की कुल राशि 39,618 करोड़ रुपये बताई गई है। यह निवेश भारतीय वित्तीय बाजार में वैश्विक भरोसे का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

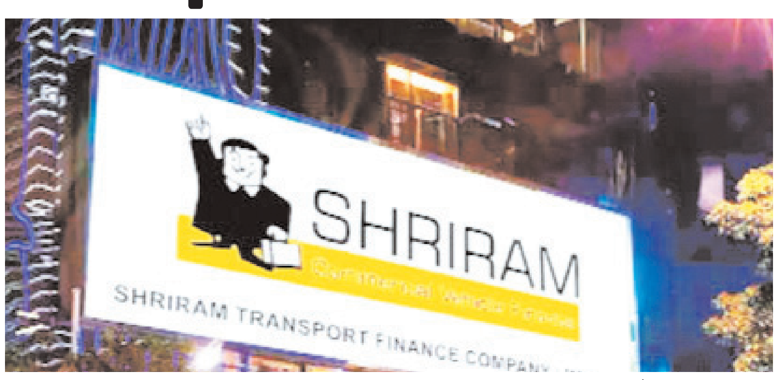

श्रीराम फाइनेंस ने जानकारी दी है कि एमयूएफजी यह हिस्सेदारी तरजीही इक्विटी शेयरों के जरिये हासिल करेगी। इस निवेश से कंपनी की पूंजी आधार मजबूत होगी और भविष्य के विस्तार को गति मिलेगी। हालांकि यह सौदा शेयरधारकों की मंजूरी और संबंधित नियामक संस्थाओं की स्वीकृति के अधीन रहेगा। कंपनी का कहना है कि यह साझेदारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

कम लागत पर फंड जुटाने में मिलेगी मदद

इस निवेश के बाद श्रीराम फाइनेंस को कम लागत वाली देनदारियों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। इससे कंपनी की फंडिंग लागत घटने और मुनाफे में सुधार की उम्मीद है। साथ ही, इस साझेदारी से श्रीराम फाइनेंस की क्रेडिट रेटिंग में भी संभावित मजबूती आ सकती है, जिससे बाजार में उसकी साख और बढ़ेगी।

विदेशी बैंकों की भारत में बढ़ती दिलचस्पी

हाल के महीनों में भारतीय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में विदेशी संस्थानों की रुचि लगातार बढ़ी है। इससे पहले अक्तूबर में संयुक्त अरब अमीरात के अमीरात एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 26,853 करोड़ रुपये में 60 फीसदी हिस्सेदारी लेने में रुचि दिखाई थी। यह संकेत देता है कि भारत का वित्तीय बाजार वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

एमयूएफजी का भरोसा और रणनीति

एमयूएफजी बैंक ने कहा है कि यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय सेवा क्षेत्र में उसके मजबूत भरोसे को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, श्रीराम फाइनेंस में किया गया यह निवेश भारत में एमयूएफजी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। एमयूएफजी बैंक की मूल इकाई मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप है, जो दुनिया के बड़े वित्तीय समूहों में शामिल है।

भारत-ओमान सीईपीए पर पीयूष गोयल ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ओमान के बीच हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत ओमान ने यह भरोसा दिया है कि वहां निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों को केवल तय संख्या में ओमानी नागरिकों को नियुक्त करना होगा, जबकि शेष कार्यबल भारत से रखा जा सकेगा।

18 दिसंबर को मस्कट में दोनों देशों के बीच सीईपीए पर हस्ताक्षर हुए थे। गोयल ने बताया कि यह पहली बार है जब ओमान ने किसी देश को ऐसी स्थायी और बाध्यकारी छूट दी है। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में ओमान अपने श्रम कानूनों में बदलाव भी करता है, तब भी यह प्रावधान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का हिस्सा बना रहेगा।

मंत्री ने कहा कि इससे भारतीय निवेशकों को अन्य देशों के कर्मचारियों को रखने की मजबूरी नहीं होगी और भारतीय कंपनियों का निवेश सीधे तौर पर भारत के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। यह व्यवस्था ओमान के लिए भी रोजगार सृजन में सहायक होगी।

समझौते के तहत अकाउंटेंसी, टैक्सेशन, आर्किटेक्चर, मेडिकल और इससे जुड़े क्षेत्रों जैसे प्रमुख सेक्टरों में कुशल पेशेवरों के लिए प्रवेश और ठहरने की शर्तों को भी उदार बनाया गया है, जिससे पेशेवर सेवाओं में सहयोग और सुगमता बढ़ेगी।

ओमानीकरण नीति क्या है

एक अधिकारी ने बताया कि यह भी तय किया गया है कि अगर ओमान किसी अन्य सार्क देश को अपनी ओमानीकरण नीति के तहत ज्यादा रियायत देता है, तो वही रियायत भारत को भी देनी होगी। ओमानीकरण नीति के तहत निजी क्षेत्र में ओमानी नागरिकों की भर्ती के लिए अलग-अलग सेक्टरों में कोटा तय किया जाता है।

इसके अलावा, सीईपीए के तहत ओमान में प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों को 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (की अनुमति दी गई है, जिससे भारतीय सेवा उद्योग को खाड़ी क्षेत्र में अपने कारोबार के विस्तार का बड़ा अवसर मिलेगा।

तबाह हो रही इकॉनमी में कैसे करें कमाई- रिच डैड पुअर डैड वाले रॉबर्ट कियोसाकी ने बताया फॉर्म्यूला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसिद्ध लेखक और निवेशक रॉबर्ट कियोसाकी का मानना है कि दुनिया एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रही है। रिच डैड पुअर डैड लिखने वाले कियोसाकी के अनुसार अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा हाल ही में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग के संकेत बड़े पैमाने पर पैसा छापने का रास्ता खोल रहे हैं। उनका दावा है कि इससे भारी महंगाई (हाइपर-इन्फ्लेशन) आएगी। कियोसाकी ने एक बार फिर सोने, चांदी, बिटकॉइन और एथेरियम जैसी रियल एसेट्स में अपना विश्वास जताया है।

कियोसाकी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट किया है। इसका टाइटल है, दुनिया की अर्थव्यवस्था तबाह होने पर अमीर कैसे बनें। उन्होंने लिखा, फेड ने दुनिया को अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बता दिया है। फेड ने ब्याज दरें कम कर दी हैं... जो क्वांटिटेटिव ईजिंग या नकली पैसा छापने वाली मशीन चालू करने का संकेत है। इसे लैरी लेपार्ड द बिग प्रिंट कहते हैं।

हाइपर-इन्फ्लेशन : कियोसाकी का मानना है कि यह आर्थिक दिशा उन आम लोगों पर बहुत बुरा असर डालेगी जो बढ़ती कीमतों के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी, इससे हाइपर-इन्फ्लेशन होगा... जो तैयार नहीं हैं, उनके लिए जीवन बहुत महंगा हो जाएगा। इस संभावित गिरावट से बचने के लिए कियोसाकी हार्ड एसेट्स खरीदने की सलाह देते हैं। उन्होंने कहा, मेरी सलाह वही है... ज्यादा से ज्यादा रियल सोना, चांदी, बिटकॉइन और एथेरियम खरीदें।

इसी पोस्ट में उन्होंने बताया कि ब्याज दर में कटौती की घोषणा के बाद उन्होंने हाल ही में और चांदी खरीदी है। उन्होंने बताया कि 2024 में चांदी की कीमत 20 प्रति औंस थी, लेकिन उनका मानना है कि यह जल्द ही बहुत बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, चांदी आसमान छूने वाली है, शायद 2026 तक 200 प्रति औंस तक पहुंच जाए। शुक्रवार को चांदी की कीमत पहली बार 67 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। इस साल चांदी की कीमत में 133 फीसदी तेजी आ चुकी है।

चांदी की कीमत : कियोसाकी ने स्वीकार किया कि उन्हें वास्तव में और चांदी खरीदने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी खरीदारी सिद्धांत और लंबे समय के विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा, क्या मुझे और चांदी खरीदने की जरूरत थी नहीं। मुझे बस अपने ही सरकार द्वारा ठगा जाना पसंद नहीं है और जब नकली अर्थव्यवस्था तबाह होगी, तब मैं और अमीर बनूंगा।

इस बार छुट्टी के दिन बजट पेश कर सकती हैं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर संसदीय परंपराओं का पालन किया गया, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट रविवार के दिन पेश कर सकती हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह संभावना जताई। दरअसल, वर्ष 2017 से बजट एक फरवरी को पेश किया जाता रहा है और अगले वर्ष इस दिन रविवार है।

संसद की बैठकें खास परिस्थितियों में रविवार को भी होने के उदाहरण हैं। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान और 13 मई, 2012 को संसद की पहली बैठक की 60वीं वर्षगांठ मनाने के लिए रविवार के दिन बैठकें आयोजित की गईं। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ये फैसले संसदीय मामलों पर मंत्रिमंडल की समिति उचित समय पर लेती है।गौरतलब है कि मोदी सरकार में बजट पेश करने के लिए एक फरवरी की तारीख तय की गई, ताकि एक अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ बजट को लागू किया जा सके। एक अधिकारी के अनुसार, आम बजट प्रस्तुत करने के लिए हमने तारीख तय कर रखी है। रविवार की अवधारणा तो अंग्रेजों द्वारा लाई गई है।साल 2017 से पहले आम बजट फरवरी के आखिरी दिन पेश किया जाता था।

शादियों के सीजन में 400 किलो तक बिकता है मशरूम, एक कमरे से शुरू हुआ सफर, अब हर महीने 7 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नजफगढ़ के पास हसनपुर गांव के रहने वाले पवन कुमार आज उन हजारों किसानों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं जो कृषि में कुछ नया करना चाहते हैं। साल 2016 में एक छोटे से 22×25 वर्ग फीट के कमरे से शुरू हुआ उनका सफर आज हाई-टेक मशरूम फार्म के रूप में तब्दील हो चुका है। पवन कुमार रोजाना औसतन 170 किलो बटन मशरूम का उत्पादन करते हैं। इससे उनका मासिक रेवेन्यू लगभग 7 लाख रुपये तक पहुंच गया है। उनकी सफलता केवल कमाई तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अब तक देश भर में 40 से अधिक मशरूम यूनिट्स स्थापित करने में मदद कर चुके हैं। आइए, यहां पवन कुमार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

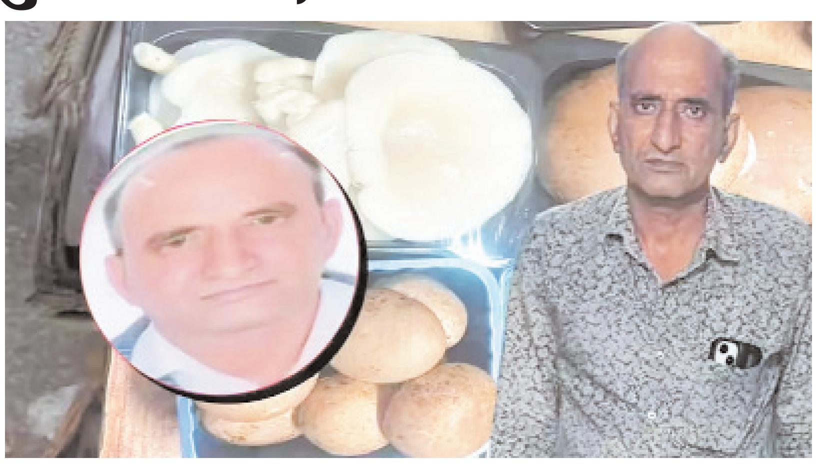

पवन कुमार सालों से पारंपरिक खेती कर रहे थे। लेकिन, 2016 में एक मित्र की सलाह ने उनकी जिंदगी बदल दी। कृषि विज्ञान केंद्र से मशरूम उगाने का प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने 5 लाख के निवेश के साथ एक छोटे से कमरे में अपना व्यवसाय शुरू किया। उन्होंने मशरूम रखने के लिए रैक और तापमान नियंत्रित करने के लिए एसी लगाए। हालांकि, दिल्ली के शहरी क्षेत्र में होने के कारण उन्हें खाद बनाने की अनुमति नहीं मिली। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी और बाहर से अपनी गुणवत्ता के अनुसार खाद मंगवाकर काम शुरू किया।

अपनी गलतियों से सीखते गए : शुरुआत में पवन को कोई बना-बनाया प्लेबुक या गाइड नहीं मिला। इसके कारण उन्होंने काम करते हुए ही अपनी गलतियों से सीखा। पहली बार में उन्होंने एक कमरे से 900 किलो मशरूम का उत्पादन किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपने अनुभव से उत्पादन की बारिकियों को समझा और 2017 तक अपने फार्म को तीन कमरों तक फैला दिया। आज उनका फार्म 3,150 वर्ग फीट में फैला है। इसमें 5 बड़े कमरे हैं। उन्होंने उत्पादन को इस तरह सेट किया है कि बाजार में मशरूम की नियमित सप्लाई बनी रहे।

अब बंपर हो रही कमाई : आज हाई-टेक मशरूम फार्म सालाना लगभग 90 लाख रुपये का रेवेन्यू पैदा कर रहा है। बटन मशरूम के अलावा पवन अब पोर्टोबेलो और ऑयस्टर मशरूम की भी खेती करते हैं। शादी के सीजन (नवंबर-दिसंबर) में जब मांग चरम पर होती है तो उनके मशरूम की कीमत 400 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है, जबकि सामान्य दिनों में यह 140 रुपये से 250 रुपये के बीच रहती है। इस मुनाफे ने न केवल उनके परिवार का जीवन स्तर सुधारा, बल्कि उनके बेटे और पत्नी भी अब मार्केटिंग और लेबर मैनेजमेंट में उनका हाथ बंटाते हैं।

ट्रेनिंग से भी अर्निंग : अपनी सफलता को केवल खुद तक सीमित रखने के बजाय पवन कुमार अब एक गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। वह पीएचडी छात्रों और नए उद्यमियों को सिर्फ 10,000 रुपये की फीस में ट्रेनिंग देते हैं ताकि वे उनकी गलतियों से सीख सकें और अपना सफल स्टार्टअप शुरू कर सकें। उनके मार्गदर्शन में अब तक भारत भर में लगभग 40 मशरूम यूनिट्स खुल चुकी हैं। पवन का यह सफर साबित करता है कि अगर तकनीक और सही जानकारी का उपयोग किया जाए तो खेती आज के दौर का सबसे मुनाफे वाला बिजनेस बन सकता है।

इंडिगो मामले की जांच का निर्णय शुरुआती आकलन के बाद, बोलीं सीसीआई प्रमुख रवनीत कौर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिस्पर्धा आयोग की अध्यक्ष रवनीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि प्रारंभिक आकलन के आधार पर, निष्पक्ष व्यापार नियामक ने हाल ही में हुई उड़ान संबंधी व्यवधानों के बाद इंडिगो के संचालन की जांच करने का निर्णय लिया है। इससे देश भर में यात्रियों पर गंभीर असर पड़ा।

इंडिगो के उड़ान रद्द होने से इस महीने की शुरुआत में हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई और देश के विमानन क्षेत्र की छवि को भी नुकसान पहुंचा। कौर ने कहा, आयोग ने अपने प्रारंभिक आकलन में मामले की आगे जांच करने का निर्णय लिया है। हमारे पास कुछ जानकारी है, जिसके आधार पर मामला आयोग के सामने रखा गया। आयोग का मानना है कि प्रारंभिक आकलन के आधार पर हम मामले की और अधिक विस्तार से जांच कर सकते हैं। कौर से जब यह पूछा गया कि क्या आयोग विमानन क्षेत्र की जांच करेगा, तो वे बोलीं, नहीं। हमने जानकारी की जांच शुरू कर दी है, और यह जानकारी केवल इंडिगो के बारे में है।

इस सवाल पर कि क्या आयोग प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 4 के तहत इंडिगो मामले की भी जांच करेगा, क्योंकि परिचालन संकट बाजार में प्रभुत्व के दुरुपयोग से जुड़ा है और एयरलाइन की बाजार हिस्सेदारी लगभग 65 प्रतिशत है, कौर ने कहा, इस बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इंडिगो ने 2 दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए उड़ान व्यवधानों की जांच कर रहा है, और कुछ हलकों में इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि क्या एयरलाइन की प्रमुख स्थिति भी एक योगदान कारक हो सकती है। सुरक्षा नियामक ने इससे पहले उड़ान व्यवधान मामले में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोरक्वेरास को तलब किया था। संसद के शीतकालीन सत्र में इंडिगो का मुद्दा भी उठाया गया था।

स्क्रीन से दूर रहने के सवाल पर बोलीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। वह जल्द ही एक बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सीरीज मिसेज देशपांडे में नजर आने वाली हैं। उन्होंने बताया कि वह इतने दिनों तक स्क्रीन से दूर क्यों थीं? माधुरी दीक्षित ने कहा कि वह आजकल बहुत सोच-समझकर ही किसी प्रोजेक्ट का चुनाव करती हैं। अब मेरे लिए फिल्मों या वेब सीरीज की क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी मायने रखती है। कलाकार को वही काम करना चाहिए जिससे उसे खुशी और संतुष्टि मिले, न कि सिर्फ स्क्रीन पर बने रहने के लिए काम करना चाहिए। माधुरी ने कहा, मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं, जिसे लेकर मैं हर सुबह उत्साह के साथ काम पर जाऊं। मन में यह भावना हो कि आज कुछ खास और चुनौतीपूर्ण करने जा रही हूं। यही वजह है कि मैं अब सिर्फ वही भूमिकाएं चुनती हूं, जो मुझे भीतर से प्रेरित करती हैं। माधुरी ने निर्देशक नागेश कुकुनूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं उन्हीं फिल्ममेकर्स के साथ काम करना चाहती हूं, जिन पर मुझे भरोसा हो कि वे कहानी और किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे। नागेश कुकुनूर जैसे निर्देशक किरदारों की गहराई को समझते हैं और कलाकार को अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देते हैं। माधुरी दीक्षित का मानना है कि फिल्म या सीरीज बनाना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं होता। यह पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होता है। उन्होंने कहा, अगर कहानी अच्छी न हो, किरदार ठीक से लिखा न गया हो, या निर्देशक और निर्माता का विजन स्पष्ट न हो, तो अकेला अभिनेता कुछ नहीं कर सकता। एक अच्छे प्रोजेक्ट के लिए मजबूत स्क्रिप्ट, संवेदनशील निर्देशन, अच्छे लेखक, और जिम्मेदार निर्माता होना बहुत जरूरी है। मैं अब ऐसे ही मजबूत प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रही हूं। आने वाली सीरीज मिसेज देशपांडे में माधुरी दीक्षित एक बेहद गंभीर और अलग तरह के किरदार में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक सीरियल किलर की भूमिका निभा रही हैं, जो उनके अब तक के रोमांटिक और पारंपरिक किरदारों से बिल्कुल अलग है। सीरीज मिसेज देशपांडे 19 दिसंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है।

तू मेरी मैं तेरा में अनन्या पांडे के साथ केमिस्ट्री को लेकर बोले कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड में जब कोई जोड़ी एक बार साथ काम कर चुकी होती है और फिर लंबे समय बाद स्क्रीन पर लौटती है, तो उनके बीच का रिश्ता और काम करने का अनुभव हमेशा चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा ही कुछ कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के बीच देखने को मिल रहा है। दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं। 2018 में दोनों ने पहली बार पति, पत्नी और वो में साथ काम किया था, और अब फिल्म की रिलीज से पहले दोनों की केमिस्ट्री को लेकर काफी बातें हो रही हैं। गुरुवार को फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कार्तिक ने अनन्या के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को साझा किया। कार्तिक ने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अनन्या के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है और हर सीन में अपने अभिनय का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह असल में बहुत मेहनती हैं और उनके काम को देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है।

कार्तिक ने अनन्या के करियर को लेकर कहा, जब अनन्या इंडस्ट्री में आई थीं, तब भी बेहद आत्मविश्वासी थीं और अब एक बेहतरीन अदाकारा बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल अभिनय का हुनर दिखाया, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आगे बढ़ाया है। मैंने अनन्या को एक बेहतर इंसान के रूप में बढ़ते हुए देखा है, और यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उन्होंने बताया कि अनन्या निर्देशक की सलाह को अच्छे से अपनाती हैं और हर सीन में एक नई ऊर्जा लाती हैं।

‘धुरंधर 2’ और ‘टॉक्सिक’ से टकराव पर बोले आदिवी शेष

अगले साल 19 जनवरी को सिनेमाघरों में फिल्म ‘धुरंधर 2’ और ‘टॉक्सिक’ के साथ आदिवी शेष की फिल्म ‘डकैत’ भी रिलीज होगी। रणवीर सिंह की ‘धुरंधर’ और साउथ के नामी एक्टर यश की ‘टॉक्सिक’ बड़ी फिल्में हैं। इनको लेकर फैंस के बीच क्रेज भी बना हुआ है। ऐसे में आदिवी शेष की फिल्म क्या इनका सामना कर पाएगी?

खुद की फिल्म को लेकर बोले

हैदराबाद में ‘डकैत’ फिल्म के टीजर लॉन्च पर आदिवी शेष ने कहा, ‘मैंने 2022 में भी एक बयान दिया था। उस समय कमल हासन सर की ‘विक्रम’ और यशराज फिल्म्स की ‘सम्राट पृथ्वीराज’ के साथ रिलीज हुई थी। उस समय भी मुझसे बड़ी फिल्मों के टकराव पर सवाल पूछा गया था, तब मैंने जो जवाब दिया था, वही आज भी दूंगा। समंदर में बहुत सारी बड़ी मछलियां हो सकती हैं, लेकिन हम सुनहरी (गोल्ड) मछली हैं।

‘डकैत’ में दिखेगा रोमांस और एक्शन

फिल्म ‘डकैत’ में आदिवी शेष एक लवर बॉय के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में एक्शन भी काफी दिखाई देगा। इस फिल्म में हीरोइन के तौर पर मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। इस फिल्म में अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी भी दिखाई देंगे। फिल्म में अनुराग कश्यप निगेटिव रोल करेंगे।

उर्वशी ढोलकिया के नाम आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपने करियर में कई शोज में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रियता उन्होंने टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की के आइकॉनिक किरदार कोमोलिका से हासिल की थी। हाल ही में आईटीए ने अभिनेत्री को माइलस्टोन अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। अभिनेत्री ने सीरियल में कोमोलिका का निगेटिव किरदार निभाया था, जिसे आज भी दर्शक खूब पसंद करते हैं। शो के टेलीकास्ट के समय अभिनेत्री की हेयर स्टाइल और कॉस्ट्यूम काफी मशहूर हुआ करते थे। आईटीए की तरफ से मिले सम्मान से अभिनेत्री काफी खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, कोमोलिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि तूफान थी। वह बोल्ड, अप्रत्याशित थी और आज भी अविस्मरणीय है। इस किरदार ने मुझे अभिनय के नए आयाम दिखाए, जिनका सपना हर कलाकार देखता है। अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने लिखा, मेरे चाहने वालों, आपने कोमोलिका की हर अदा, हर नजर और डायलॉग को दिल से अपनाया है। आपने उसे एक विरासत बना दिया। कैमरा बंद होने के बाद भी आपका प्यार मेरे साथ रहा। आप सभी का साथ होना मेरे लिए किसी इनाम से बड़ा है। मैं हमेशा कहती हूं कि आपकी वजह से हम हैं।

अभिनेत्री ने अपना पुरस्कार अपने उन फैंस को समर्पित किया, जो उन्हें ओवर द टॉप कहकर पुकारते हैं। उन्होंने लिखा, यह सम्मान मैं उन सभी को समर्पित करती हूं, जिन्होंने मुझे बहुत ज्यादा समर्थन दिया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं ये कहना चाहती हूं कि मैं सिर्फ एक यादगार किरदार से कहीं ज्यादा हूं। प्लेटफॉर्म के हर क्रिएटर, प्रोड्यूसर और स्टोरीटेलर को ये संदेश देना चाहती हूं कि अगर मैं निगेटिव रोल को इतना आइकॉनिक बना सकती हूं, तो सोचिए ड्रामा, कॉमेडी, इमोशन, एक्शन में क्या नहीं कर सकती हूं?, मैं हर तरह के रोल करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अभिनेत्री ने यह भी लिखा, मेरे किरदार कोमोलिका को इतना प्यार देने के लिए थैंक्स, लेकिन जुड़े रहिए। उर्वशी ढोलकिया का सबसे अच्छा आना बाकी है।

जब आप डर की बजाय जीवन को चुनते हैं, सब कुछ बदल जाता है

अपने दस दिनों के ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के साहसिक अनुभवों से गुज़रकर कुब्रा सैत लौट चुकी हैं, लेकिन इस बार वे पूरी तरह एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटी हैं, जिसमें उन्होंने डर की बजाय साहस को चुनने का संदेश दिया है. गौरतलब है कि फिल्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपनी दमदार और बहुमुखी अभिनय के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने हमेशा खुद को एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, जो अपनी गहरी और सच्चाई से भरी परफॉर्मेंस के लिए प्रसिद्ध हैं। हालांकि स्क्रीन के साथ वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी अच्छे से जानती हैं। फिलहाल अरुणाचल प्रदेश के सियांग नदी, जो ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा है, पर 180 किलोमीटर की कठिन राफ्टिंग यात्रा पूरी करने के बाद वे काफी रोमांचित महसूस कर रही हैं। 12 दिनों में संपन्न हुई, जिसमें सात दिन लगातार राफ्टिंग थी। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के दूरदराज इलाकों से होकर गुजरी, जहां मोबाइल नेटवर्क और आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। सियांग-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली अपने चौड़े, तेज-बहाव वाले धाराओं और अप्रत्याशित रैपिड्स के लिए जानी जाती है, जो शारीरिक सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और मानसिक ध्यान की आवश्यकता होती है। इस दौरान टीम ने नदी के किनारे कैंप लगाए और केवल बुनियादी सुविधाओं के साथ समय बिताया। अपनी यात्रा की झलकियां इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, साहसिक यात्रा तब नहीं होती जब आप इसके बारे में सपना देखते हैं, बल्कि तब होती है जब आप अपने कैलेंडर पर एक तारीख चुनते हैं और उसे पूरा करने का संकल्प करते हैं। इस यात्रा ने मुझे यह याद दिलाया कि मैं साहस को क्यों चुनती हूं, इसलिए नहीं कि मैं निडर हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं डर को पार करना सीख रही हूं। जब आप जीवन को जीवन शक्ति के साथ चुनते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है। कुब्रा ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान वे कई लोगों से मिली, लेकिन उन्हें सबसे ज़्यादा प्रभावित किया 19 वर्षीय तामार ने। तामार ने कुब्रा को उनके 19 वर्षीय सेल्फ से मिलवाया और याद दिलाया कि साहस क्या होता है, बजाय इसके कि दुनिया हमें संकोच सिखाए। ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के अपने अनुभव में उन्होंने वहां के खुशनुमा मौसम का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा है कि शहरों के मुकाबले स्वच्छ वातावरण और पूरे चाँद ने उन्हें एक और नया नज़रिया दिया। वे लिखती हैं, यह वह सुविधाएँ हैं, जिनके सुखद अनुभव और उनके होने को हम भूल जाते हैं। फिलहाल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र को सियांग के माध्यम से 30 लोगों के साथ पार करना, यह वाकई शब्दों से परे एक अनुभव था। कुब्रा ने राफ्टिंग के अपने अनुभव को आगे लिखा है, यह आखिरी वीडियो है जब हम 18 फीट की राफ्ट के साथ 30 फीट की लहरों को चीरते हुए राफ्टिंग कर रहे थे, वो भी बिल्कुल पागलपन के साथ, जहां उथल-पुथल भी थी और शांति भी। मैं समझती हूँ हर किसी को ऐसी एक साहसिक यात्रा जरूर करनी चाहिए। क्योंकि इसके बाद, जीवन धीरे-धीरे उस व्यक्ति में बदल जाता है जो आप होने के लिए बने हैं।

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में 10 साल बाद लौटीं शिल्पा शिंदे

भाबीजी घर पर हैं में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर इस शो में लंबे समय बाद अंगूरी भाभी बनकर लौटी हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं 2.0 के प्रोमो में उनकी झलक भी दिखा दी गई है। बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने इस शो में लौटने की वजह भी बताई है।

शिल्पा शिंदे भाबीजी घर पर हैं कमबैक

शिल्पा शिंदे ‘भाबीजी घर पर हैं 2.0’ में अपने आइकॉनिक किरदार को निभाने के लिए एक फिर से इस शो से जुड़ गई हैं। इस शो में लौटने पर वो बेहद खुश और उत्साहित भी हैं। शिल्पा ने इस शो में वापसी पर बातें की और मेकर्स से अपने पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं. एक बार जब मैंने हां कह दिया तो मैंने कामों और रिएक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। शिल्पा ने इस शो को लेकर बातचीत की। शिल्पा शिंदे का ये शो 22 दिसंबर से प्रसारित होगा। शिल्पा की वापसी के साथ ही ये शो दर्शकों के दिलों में पुरानी यादों और रोमांच की लहरें दौड़ गई हैं। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हाल ही में जारी प्रोमो ने शिल्पा को देखकर फैन्स का दिल बाग बाग हो गया है।

आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई

10 साल बाद इस शो में अपनी वापसी पर बातें करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 10 साल बाद अंगूरी भाभी के रूप में वापसी करना मेरे लिए वाकई एक बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस किरदार में वापस आऊंगी लेकिन जिंदगी का अपना तरीका होता है आपको वहीं वापस ले आने का जहां आप असल में होते हैं। ऐसा लगता है जैसे किस्मत का अपना ही प्लान था। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि अंगूरी भाभी ने मुझे कभी छोड़ा हो, यहां तक कि जब मैं स्क्रीन पर उनका किरदार नहीं निभा रही थी तब भी> लोग मुझे न सिर्फ सोशल मीडिया पर, बल्कि असल जिंदगी में भी अंगूरी भाभी कहकर बुलाते रहे हैं। बहुत सारे फैंस, यहां तक कि जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी, मुझसे मिलते और पूछते- आप अंगूरी भाभी बनकर कब आओगे? आज मैं उन्हें बताना चाहती हूं, आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई हैं।

मुझे तुरंत घर जैसा महसूस होने लगा

शिल्पा आगे कहती हैं, इस वापसी को और भी खास बनाती है पूरी टीम से मिला प्यार। आसिफ, रोहितश्व, विदिशा और सभी ने मेरा इतने प्यार से स्वागत किया कि मुझे तुरंत घर जैसा महसूस हुआ। प्रोमो और मेरी वापसी की घोषणा पर मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक और भावुक कर देने वाली रही है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि अंगूरी भाभी सचमुच दर्शकों की ही हैं।

मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं

एक्ट्रेस ने कहा, इस शो के साथ चैनल एक बार फिर हल्के-फुल्के, मन को खुश कर देने वाले कॉमेडी शो लेकर आ रहा है जो दर्शकों को आज की भागदौड़ भरी दुनिया में सुकून, आराम और हंसी का मौका देता है। मैं उनके इस सपने को साकार कर रही हूं। भाभीजी घर पर है 2.0 में वही गर्माहट, मासूमियत और खुशी है, लेकिन एक नए माहौल और नई ऊर्जा के साथ। मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक एक बार फिर अंगूरी भाभी का अनुभव कर पाएंगे।

उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया

बता दें कि शिल्पा शिंदे ने जब ये शो छोड़ा था तब उन्होंने प्रड्यूसर पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने प्रड्यूसर के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रभी दर्ज कराई थी। मेकर्स ने भी शिल्पा पर भी अनप्रोफेशनलिज्म के आरोप लगाए थे। उनसे पूछा गया था कि इतनी कॉन्ट्रॉवर्सी के बाद शो में लौटने पर उनपर सवाल उठ सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, उस समय चैनल की तरफ से थर्ड पार्टी भी शामिल थी और उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया था। कॉन्ट्रैक्ट के जरिए एक शख्स ने मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की थी। मुझे कहीं भी ज्यादा काम करने की आजादी नहीं थी । सालों तक कड़ी मेहनत करके करियर बनाने के बाद जब किरदार पर सवाल उठाए जाते हैं तो वो बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि जब दो लोग किसी चीज का हिस्सा होते हैं और उसमें जब किसी थर्ड पार्टी की एंट्री होती है तो ऐसी चीजें हो जाती हैं।

अंडर 19 एशिया कप

भारत-पाकिस्तान में फाइनल मुकाबला आज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराया। रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबला दुबई के ग्राउंड पर खेला गया। मैच बारिश के कारण समय पर शुरू नहीं हो सका। बाद में इसे 20-20 ओवर का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 8 विकेट पर 138 रन ही बना सकी। चमीका हीनतिगाला ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। भारत की ओर से कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने 2-2 विकेट झटके। भारत ने 18 ओवर में दो विकेट खोकर 139 रन बनाकर मैच जीत लिया। विहान मल्होत्रा ने 45 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। आरोन जॉर्ज ने 49 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से दोनों विकेट रसिथ नीमसरा ने लिए।

इस साल 6 बार भारत ने पाकिस्तान को हराया

2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल सात मुकाबले खेले गए। अंडर-19 एशिया कप (वनडे) के लीग मैच में भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया। इसके बाद मेंस चैंपियंस ट्रॉफी (वनडे) के लीग मुकाबले में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। एशिया कप (टी20) में दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने आईं, जहां ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया, सुपर-4 में 6 विकेट से जीत हासिल की और फाइनल में 5 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर ट्रॉफी जीती। विमेंस वर्ल्ड कप के लीग मैच में भी भारत का दबदबा देखने को मिला, जहां भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से शिकस्त दी। हालांकि, एशिया कप राइजिंग स्टार्स (टी20) के ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान ने भारत को 8 विकेट से हराकर एकमात्र जीत दर्ज की। कुल मिलाकर 2025 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 में से 6 मुकाबले जीते।

तेजस्विन शंकर

क्रिकेट छोड़कर एथलेटिक्स में बनाया करियर, ऊंची कूद में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट ऐसा खेल है जिसे सभी खेलना चाहते हैं। दूसरे खेलों को छोड़कर खिलाड़ी क्रिकेट का रुख करते हैं। इसकी वजह क्रिकेट की लोकप्रियता और आर्थिक संपन्नता है। तेजस्विन शंकर ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने क्रिकेट छोड़कर एथलेटिक्स को चुना और मौजूदा समय में देश में ऊंची कूद के क्षेत्र में तेजी से उभरता बड़ा नाम हैं। तेजस्विन शंकर का जन्म 21 दिसंबर 1998 को दिल्ली में एक तमिल परिवार में हुआ था। उनका निक नेम 'टीजे' है। तेजस्विन के पिता बीसीसीआई के वकील थे। इसलिए उनके बचपन का माहौल खेलकूद से परिपूर्ण था। तेजस्विन शंकर ने भी शुरुआत में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उनका कद लंबा है, इसलिए वे तेज गेंदबाजी करते थे। स्थानीय और स्कूली स्तर पर उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन अंडर-14 से अंडर-16 स्तर पर दिल्ली की टीम में उनका चयन नहीं हो सका। इससे उन्हें निराशा हुई और उनका ध्यान क्रिकेट से दूर जाने लगा। क्रिकेट में असफलता से निराश होकर तेजस्विन शंकर ने स्कूल की सलाह पर एथलेटिक्स की ओर रुख किया। शुरुआत में उन्होंने 400 मीटर और ट्रिपल जंप में कोशिश की, लेकिन उन्हें हाई जंप में सफलता मिली। 2013 में दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक जीता। इस सफलता के साथ ही क्रिकेट से नाता टूट गया। 2015 में कॉमनवेल्थ युवा खेल में स्वर्ण और 2016 में साउथ एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाले शंकर ने उसी साल जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 2.18 मीटर कूदकर 12 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में तेजस्विन शंकर ने हिस्सा लिया था और छठा स्थान हासिल किया था। तेजस्विन शंकर को अमेरिका की कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली जिसकी बदौलत उनके प्रदर्शन में जबरदस्त सुधार हुआ। तेजस्विन ने एनसीएए में स्वर्ण और रजत पदक जीते। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.29 मीटर है, जो ऊंची कूद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

● 2026 टी-20 वर्ल्ड के लिए
भारतीय टीम का हुआ ऐलान

● सूर्यकुमार बने कप्तान
शुभमन गिल बाहर

ईशान किशन की वापसी

नई दिल्ली। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा 20 दिसंबर, शनिवार को कर दी गई। इस मेगा टूर्नामेंट में टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में होगी। चयनकर्ताओं के फैसले के अनुसार, खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल को इस बार टीम में जगह नहीं दी गई है, जबकि संजू सैमसन को 16 सदस्यीय भारतीय दल में शामिल किया गया है। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मुख्यालय में चयन समिति की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए टीम का ऐलान किया गया। प्रेस वार्ता में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आधिकारिक रूप से भारतीय टीम की घोषणा की। इस दौरान टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मौजूद रहे और उन्होंने टूर्नामेंट को लेकर अपनी तैयारियों और उम्मीदों पर बात की।

गौरतलब है कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 20 मार्च को खेला जाना तय है। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट के लिए ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, नामीबिया, नीदरलैंड्स और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं, जिससे ग्रुप मुकाबले काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए घोषित 15 सदस्यीय भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव को कप्तान और अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, हर्षित राणा और ईशान किशन (विकेटकीपर) को शामिल किया गया है।

कावेम हॉज का नाबाद शतक

● वेस्टइंडीज का स्कोर 381/6

ओवल, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज ने 6 विकेट के नुकसान पर 381 रन बना लिए हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए कावेम हॉज 109 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। तीसरे दिन के खेल की शुरुआत वेस्टइंडीज ने बिना किसी नुकसान के 110 रन

से की थी। पहला झटका दिन के शुरुआत में ही लग गया। जॉन कैंपबेल 111 के स्कोर पर 45 रन बनाकर आउट हो गए। 140 के स्कोर पर ब्रैंडन किंग भी दूसरे विकेट के रूप में 63 रन बनाकर आउट हो गए। इस समय ऐसा लग रहा था कि न्यूजीलैंड मैच में वापसी कर सकती है। तीसरे नंबर पर आए कावेम हॉज ने न्यूजीलैंड को वापसी का मौका नहीं दिया और छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए न सिर्फ अपना बेहतरीन शतक लगाया, बल्कि टीम को भी मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

'गायब हो गया, लेकिन मजबूती से वापसी करेगा...'

● मैदान में 'बैट शांत' रहने पर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज भले ही 3-1 से जीत ली, लेकिन 'मेन इन ब्लू' की कुछ समस्याएं कम नहीं हुई हैं. सबसे चिंता का सबब कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म है. कप्तान सूर्या का इस साल बल्ले से प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और वो एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके. 35 वर्षीय सूर्यकुमार एक समय आईसीसी की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 पर थे, लेकिन अब वो आउट ऑफ टच नजर आ रहे हैं.

साल 2025 में सूर्यकुमार यादव का टी20 इंटरनेशनल में औसत 13.62 से रहा, जो अब तक उनके करियर का सबसे खराब दौर माना जा रहा है. 19 दिसंबर (शुक्रवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच जीतने के बाद सूर्यकुमार ने अपनी फॉर्म पर बात करते हुए कहा कि वह और मजबूत होकर वापसी करेंगे. कप्तान सूर्या ने अपनी टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों की तारीफ की. सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'सीरीज की शुरुआत से ही हमारा फोकस एक खास तरह का क्रिकेट खेलने पर था और हमने उसी पर टिके रहने का फैसला किया. हमने कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की.

हम हर विभाग में खुद को खुलकर एक्सप्रेस करना चाहते थे और नतीजा सबके सामने है. पिछली कुछ सीरीज में शायद यही चीज हमारी कमी थी. हम बिल्कुल ऐसे ही बल्लेबाजी करना चाहते थे, एक बार कोई बल्लेबाज सेट हो जाए, तो फिर रुकना नहीं चाहिए. हमें यही लगातार आक्रामक इरादा चाहिए था और आज वो शानदार तरीके से दिखा।

वर्ल्ड टूअर फाईनल

सात्विक-चिराग की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के नॉकआउट में, चिया और सोह को हराया

हांगझू, एजेंसी। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। सात्विक-चिराग ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है।

भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अपने अजेय अभियान को जारी रखते हुए ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मलयेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को हराकर सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में जगह बनाई।

तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद संयम और रणनीतिक सूझबूझ दिखाते हुए पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेताओं को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हरा दिया। इस तरह वे सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी

ऋषभ पंत दिल्ली के कप्तान बने, कोहली भी खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को बेंगलुरु में 24 दिसंबर से शुरू होने वाली आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली का कप्तान बनाया गया है।

दिल्ली की टीम को बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली के साथ-साथ सीनियर तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और नवदीप सैनी की उपलब्धता से भी मजबूती मिली है। डीडीसीए ने शुक्रवार को कहा कि बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले भारतीय खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है इसलिए सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा उपलब्ध होने के बाद दिल्ली टीम से जुड़ेंगे। सीनियर पुरुष चयन समिति ने शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में पहले

घोषित संभावित खिलाड़ियों की लंबी सूची में से दिल्ली की टीम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की।

इस बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के. भास्कर पिल्लई और मनु नायर, मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य रॉबिन सिंह (जूनियर), सचिव अशोक शर्मा और संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर शामिल हुए। दिल्ली विजय हजारे ट्रॉफी में अपने पहले दो एलीट ग्रुप डी के मैच आंध्र और गुजरात के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी जो कोहली का आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते समय घरेलू मैदान है। दिल्ली को अपने बाकी 5 मैच बेंगलुरु के बाहरी इलाके में अलूर क्रिकेट ग्राउंड में खेलने हैं।

भारतीय एलीट धावकों में होगी कांटे की टक्कर

गुलवीर और संजीवनी पर रहेंगी नजरें

कोलकाता, एजेंसी। दुनिया की सबसे तेज 25 किलोमीटर रोड रेस में शामिल 10वें टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता में इस बार भारतीय एलीट धावकों के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। 10,000 मीटर और 5,000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह और महिला वर्ग की गत विजेता संजीवनी जाधव इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एक बार फिर खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगी। यह दौड़ रविवार, 21 दिसंबर को आयोजित होगी।

इस ऐतिहासिक 10वें संस्करण में दुनिया के कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय एथलीट भी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 1,42,214 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस रेस में पुरुष और महिला वर्ग के लिए समान पुरस्कार रखे गए हैं। शीर्ष तीन स्थान पाने वाले एथलीटों को

क्रमशः तीन लाख, ढाई लाख और दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। इसके अलावा इवेंट रिकॉर्ड तोड़ने पर एक लाख रुपये का अतिरिक्त बोनस भी दिया जाएगा।

23 हजार से अधिक धावक लेंगे हिस्सा- इस बार टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता में 23 हजार से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। यह प्रतियोगिता दुनिया की पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल 25के रोड रेस है, जो भारतीय लंबी दूरी के धावकों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करती रही है।

● **गुलवीर सिंह बोले- रिकॉर्ड नहीं, बेहतर प्रदर्शन पर नजर-** पुरुष वर्ग में अगुवाई कर रहे गुलवीर सिंह, जो मौजूदा भारतीय एलीट चैंपियन और इवेंट रिकॉर्ड धारक हैं, ने कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य पिछले साल से बेहतर करना है। मैं रिकॉर्ड से ज्यादा अपने प्रदर्शन और देश के लिए पदक जीतने पर ध्यान दे रहा हूं।

दिल्ली में घने कोहरे के चलते 100 से अधिक उड़ानें रद्द

सरकार ने एयरलाइंस के लिए जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर तथा पूर्वी भारत के कई हिस्सों में आज भी घना कोहरा छाया हुआ है। कोहरे में विजिबिलिटी घटने से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह 100 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं। इस बीच सरकार ने एयरलाइंस के लिए गाइडलाइंस जारी कर यात्रियों को उड़ान की वास्तविक स्थिति की सही-सही जानकारी देने और देरी की स्थिति में उनकी सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए निर्देश जारी किया है।

दिल्ली एयरपोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अब तक प्रस्थान करने वाली 50 से अधिक और यहां आने वाली भी लगभग इतनी ही उड़ानों के रद्द होने की सूचना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली समेत उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में इन दिनों तड़के और सुबह के समय घना कोहरा बन रहा है। इससे उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार रात एक निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि विमान सेवा कंपनियां यात्रियों को उड़ान में देरी, समय में बदलाव या उसके रद्द होने के बारे में अग्रिम और सही-सही जानकारी देंगी। अंतिम समय में देरी की घोषणा करने पर तुरंत जानकारी देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा एक सीमा से अधिक देरी होने पर यात्रियों के जलपान की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, रीशिड्यूलिंग की स्थिति में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। रात में निश्चित समय से ज्यादा की देरी होने पर होटल में ठहरने की व्यवस्था करनी होगी। उड़ान रद्द होने की जानकारी तय समय सीमा के बाद देने की स्थिति में पूरा रिफंड देना होगा अथवा मार्ग परिवर्तन या रीशिड्यूलिंग करने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्री के समय पर चेक-इन करने की स्थिति में बोर्डिंग से मना नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा, पैसेंजर चार्टर के सभी नियमों का पालन करने का भी निर्देश दिया गया है जिसमें डायवर्जन, रिफंड, हर्जाना और प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन के नियम भी शामिल हैं।

दिल्ली के गांवों में ड्रोन से होगा जमीन का सर्वे, ग्रामीणों को मिलेंगे मालिकाना हक के प्रॉपर्टी कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी के ग्रामीण इलाकों में 'आबादी देह क्षेत्र' में आने वाली भूमि की पहचान, भू-स्वामित्व और दस्तावेज से संबंधित अस्पष्टता को दूर करने के लिए अहम पहल की है।

रकार ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी देह क्षेत्र का सर्वे शुरू कराएगी। इस कार्य में ड्रोन की भी मदद ली जाएगी। इस दौरान आबादी देह क्षेत्र में आने वाली हर संपत्ति को चिन्हित कर डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर लोगों को संपत्ति कार्ड जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस पहल से दिल्ली देहात के गांवों में भूमि प्रबंधन का स्वरूप बदलेगा। लोगों के पास मालिकाना हक का ठोस प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सकेगा। इससे पारदर्शिता आएगी और भूमि विवाद खत्म होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शुरू की गई स्वामित्व योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली आबादी देह सर्वेक्षण और अभिलेख संचालन नियमावली, 2025' का मसौदा तैयार कर लिया है। ड्रोन से हवाई सर्वे, जमीनी स्तर पर उसके सत्यापन के अलावा लोगों की प्रतिक्रिया लेने का भी प्रावधान किया गया है। ताकि किसी भी व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो और इलाकों में भूमि से जुड़े विवादों का समाधान पारदर्शी, समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से हो सके। आबादी देह सर्वे राजस्व विभाग के नेतृत्व में होगा। इस कार्य में सरकार तकनीकी एजेंसियों की भी मदद लगी। इसलिए सर्वे टीम और तकनीकी एजेंसी संयुक्त रूप से गांवों की आबादी देह, विस्तारित आबादी देह, तथा अन्य अधिसूचित क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए सर्वे कार्य करेंगी।

नोएडा में महिला वकील को थाने में बंधक बनाने का आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-यूपी सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा के थाने में एक महिला वकील को कई घंटे तक बंधक बनाने और यौन शोषण के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त को घटना वाले दिन का पुलिस स्टेशन में लगे कैमरे की फुटेज को डिलीट नहीं करने और सीलबंद लिफाफे में रखने का आदेश दिया है। महिला वकील ने सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को घटना के दिन सेक्टर-126 पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने और यूपी सरकार को मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई को सौंपने की मांग की है।

जस्टिस विक्रम नाथ और एनवी अंजारिया की पीठ ने पीड़ित वकील की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया है कि तीन दिसंबर की रात को पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मियों द्वारा उसे 14 घंटे तक अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया। इस दौरान यौन उत्पीड़न करने के साथ जबरदस्ती का सामना करना पड़ा, जब वह अपने मुवक्किल के प्रति अपना पेशेवर कर्तव्य निभा रही थी। पीठ ने मामले में केंद्र और यूपी सरकार के साथ गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर मामले की अगली सुनवाई सात जनवरी तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने कहा कि यह दो पक्षों के बीच का मामला था। एक पक्ष की तरफ से महिला अधिवक्ता भी थाने आई थीं। अब उनका कहना है कि उस समय उनके साथ थाने में अभद्रता हुई। पुलिस अपने स्तर से पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। न्यायालय के सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ से कहा कि यह बहुत ही गंभीर मामला है, जहां एक महिला वकील के साथ यौन दुर्व्यवहार किया गया और उसे अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। अगर यह सब दिल्ली के पास नोएडा में हो रहा, तो पूरे देश की हालत की कल्पना कीजिए। पीठ ने कहा कि आम तौर पर वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार नहीं करती और याचिकाकर्ता को संबंधित हाई कोर्ट जाने की स्वतंत्रता देती है। हालांकि, याचिका में लगाए गए गंभीर आरोपों और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह मुद्दा पुलिस स्टेशन में घटना की अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरों को ब्लॉक करने से भी संबंधित है।

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ क्राइम में आई कमी, पुलिस के आकंड़ों में राहत की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली लंबे समय से महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित महानगरों की सूची में टॉप पर काबिज रही है, लेकिन अब थोड़ी उम्मीद जगाती खबर आई है। दिल्ली पुलिस के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस साल (2025) महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराधों में 9 प्रतिशत से ज्यादा की कमी दर्ज की गई है। ये गिरावट सिर्फ आंकड़ों की नहीं, बल्कि पुलिस की सख्ती और जागरूकता की जीत लगती है।

रेप के केस 2024 के 1,919 से घटकर 2025 में 1,737 हो गए हैं। यह करीब 9.48 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। अच्छी बात यह है कि इन मामलों का निपटारा दर 97.06 प्रतिशत रही, जो पिछले साल के 97.66 प्रतिशत से थोड़ी कम लेकिन फिर भी काफी ऊंची है।

छेड़छाड़ के मामलों में 16 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट

महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले और तेजी से कम हुए हैं। ये 2024 के 1,897 से घटकर 1,591 रह गए, यानी 16.13 प्रतिशत की कमी। निपटारा दर भी सुधरी है और 93.67ऋ से बढ़कर 93.97ऋ हो गई है।

सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता

दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया, महिला थाने में शिकायत लेकर आती है तो तुरंत एफआइआर दर्ज की जाती है और कार्रवाई शुरू हो जाती है। अपराध कम करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

क्या कहती है एनसीआरबी रिपोर्ट

हालांकि यह गिरावट सकारात्मक है, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 रिपोर्ट याद दिलाती है कि दिल्ली बड़े शहरों में महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित बनी हुई है। 2023 में यहां 13,366 मामले दर्ज हुए थे, जो मुंबई (6,025) और बेंगलुरु (4,870) से दोगुने से ज्यादा थे। उस साल भी पिछले साल से 5.7 प्रतिशत कमी आई थी।

एक दिन में काटे 11 हजार वाहनों के चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने कहा है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। बीते 24 घंटों में विभिन्न विभागों की संयुक्त टीमों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 11,776 वाहनों के चालान किए।

यह कार्रवाई शहरभर में सख्त निगरानी के तहत की गई। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है, जिनमें वाहन जांच, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और नियमों का कड़ाई से पालन शामिल है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का असर इस सर्दी में वायु गुणवत्ता सूचकांक में पिछले वर्षों की तुलना में हुए हल्के सुधार के रूप में दिखा है। शहर की सफाई के तहत नगर निगम एजेंसियों ने 12164.88 मीट्रिक टन कचरा हटाया। 2068.81 किलोमीटर सड़कों की मशीनों से सफाई और 1830 किलोमीटर सड़कों पर पानी का छिड़काव किया गया। 5528 किलोमीटर क्षेत्र में एंटी-स्मॉग गन का इस्तेमाल हुआ।

तीस हजार मीट्रिक टन से अधिक कचरे का निपटारा

कचरा प्रबंधन में पिछले 24 घंटों में 30,000 मीट्रिक टन से अधिक पुराने कचरे का वैज्ञानिक निपटान किया गया। 311 ग्रीन दिल्ली ऐप, समीर और सोशल मीडिया से मिली 57 शिकायतों का समाधान किया गया। साथ ही 542 गैर-निर्धारित मार्गों पर चल रहे ट्रकों को रोका गया और 34 ट्रैफिक जाम वाले स्थानों पर यातायात सुधारा गया।

संजय सिंह की बात पर छिड़ गया है नया संग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक पास किए जाने से पहले संसद के दोनों सदनों में जोरदार चर्चा हुई और पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी। इस बीच कई सदस्यों के भाषणों पर हंगामा भी हुआ। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की एक टिप्पणी को लेकर अब भाजपा भड़क गई है और इसे हिंदुओं का अपमान बताया है। वहीं, संजय सिंह का कहना है कि उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी की बात को दोहराया है। भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने संजय सिंह के भाषण का 12 सेकेंड का एक हिस्सा एक्स पर शेयर करते हुए आप नेता के साथ ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी निशान पर लिया। उन्होंने कहा, हराम में राम हैं- आप सांसद संजय सिंह। दुखद है कि हिंदू भावनाओं से नफरत और अपमान अब सामान्य हो चुका है। इससे भी बदतर बात यह है कि INDI गठबंधन के नेता इस सड़ांध की अगुवाई खुद आगे से कर रहे हैं। राहुल गांधी की ओर से पोषित और प्रोत्साहित किया गया एक पूरा 'हिंदू विरोधी इकोसिस्टम।

दिल्ली से घंटेभर में पहुंचेंगे पानीपत, नमो भारत ट्रेन पर आया बड़ा अपडेट; टेंडर जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से पानीपत तक का सफर जल्द ही एक घंटे से कम समय में पूरा होगा। नमो भारत ट्रेन वाला दिल्ली-पानीपत-करनाल रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर अब तेजी से हकीकत बन रहा है। उत्तरी दिल्ली के महत्वपूर्ण हिस्से में काम शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। एनसीआरटीसी ने कश्मीरी गेट से भालस्वा तक के रूट पर बिजली की लो-टेंशन लाइनों, केबलों और स्ट्रीट लाइट्स को शिफ्ट करने तथा बदलने के लिए टेंडर आमंत्रित किया है। यह हिस्सा दिल्ली सेक्शन का जटिल भाग है, जहां घनी आबादी और भारी ट्रैफिक की वजह से चुनौतियां ज्यादा हैं। एक अधिकारी ने बताया कि यूटिलिटी शिफ्टिंग सिविल निर्माण की पहली जरूरत है। काम के दौरान ट्रैफिक और रोजमर्रा की जिंदगी पर न्यूनतम असर डालने की कोशिश की जाएगी। ठेकेदार को संबंधित एजेंसियों और स्थानीय अधिकारियों से समन्वय रखना होगा, ताकि सेवाएं बिना बाधा के जारी रहें। यह काम एक साल में पूरा करने का लक्ष्य है। आने वाले महीनों में और टेंडर जारी होंगे, जिससे पूरे कॉरिडोर पर एक साथ काम चल सकेगा। यह 136 किलोमीटर का कॉरिडोर दिल्ली के सराय काले खान से शुरू होगा। यह उत्तर-पश्चिम दिल्ली, नरेला, कुंडली, सोनीपत, गन्नौर, समालखा और पानीपत होते हुए बाद के चरण में करनाल तक पहुंचेगा। कुल 17 स्टेशन होंगे (सराय काले खान को छोड़कर)। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 33,000 करोड़ रुपये है।

टैरिफ मेरा पांचवां पसंदीदा शब्द, डोनाल्ड ट्रंप ने गिनाए फायदे

नॉर्थ कैरोलिना एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में अपने भाषण में एलान किया कि नए साल से अमेरिकी नागरिकों को इतिहास की सबसे बड़ी कर कटौती का लाभ मिलेगा। ट्रंप ने कहा कि इसमें टिप्स पर कर नहीं लगेगा, ओवरटाइम पर कर नहीं लगेगा और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सोशल सिक्योरिटी पर कर नहीं लगेगा।

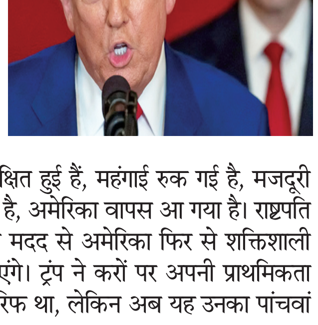

अमेरिका फिर से शक्तिशाली और समृद्ध बनेगा: ट्रंप ने अपने भाषण में कहा चार साल के संकट और गिरावट के दौरान पूरी दुनिया हमारी हंसी उड़ाती रही। लेकिन अब हम अमेरिका के सबसे शानदार वर्षों की शुरुआत कर रहे हैं। इसे अमेरिका का गोल्डन एज कहा जाता है। पिछले 10 महीनों में हमारी सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, महंगाई रुक गई है, मजदूरी बढ़ी है और कीमतें कम हुई हैं। हमारा राष्ट्र मजबूत है, अमेरिका वापस आ गया है। राष्ट्रपति ने आगे कहा हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे और आपकी मदद से अमेरिका फिर से शक्तिशाली और समृद्ध बनेगा। हम अमेरिका को महान बनाएंगे। ट्रंप ने करों पर अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि पहले उनका पसंदीदा शब्द टैरिफ था, लेकिन अब यह उनका पांचवां पसंदीदा शब्द बन गया है।

मेडिकल इवैक्यूएशन का इंतजार और चली गई हजारों जिंदगियां, गाजा संकट पर डब्ल्यूएचओ का बड़ा दावा

जिनेवा, एजेंसी। युद्ध से तबाह गाजा पट्टी में इलाज न मिल पाने की वजह से सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि बीते डेढ़ साल में 1000 से ज्यादा मरीज मेडिकल इवैक्यूएशन का इंतजार करते हुए मर गए। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी, जिन्हें तुरंत गाजा से बाहर इलाज की जरूरत थी।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सपर बताया कि संगठन और उसके सहयोगियों ने युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 10,600 से ज्यादा गंभीर मरीजों को गाजा से बाहर इलाज के लिए निकाला, जिनमें 5600 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अभी भी कई मरीज गाजा में फंसे हुए हैं, जिन्हें जरूरी इलाज नहीं मिल पा रहा है।

मौत का आंकड़ा: डब्ल्यूएचओ ने हमास-शासित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के हवाले से बताया कि जुलाई 2024 से 28 नवंबर 2025 के बीच 1092 मरीजों की मौत इलाज के लिए बाहर ले जाए जाने का इंतजार करते हुए हो गई।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने साफ कहा कि यह आंकड़ा असल संख्या से कम हो सकता है, क्योंकि सभी मामलों की रिपोर्ट नहीं हो पाती। उन्होंने ज्यादा देशों से अपील की कि वे गाजा के मरीजों को इलाज के लिए स्वीकार करें और वेस्ट बैंक व पूर्वी यरुशलम में मेडिकल इवैक्यूएशन दोबारा शुरू हो। उन्होंने कहा, यह सिर्फ अपील नहीं है, लोगों की जान इस पर निर्भर है।

हजारों मरीज अभी भी फंसे: डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता तारिक जासारेविच ने जिनेवा में बताया कि करीब 18,500 मरीजों को अभी भी गाजा से बाहर इलाज की जरूरत है, जिनमें 4000 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स के एक अधिकारी ने पहले बताया था कि डब्ल्यूएचओ के आंकड़े सिर्फ पंजीकृत मरीजों के हैं, जबकि असल जरूरत इससे कई गुना ज्यादा हो सकती है।

उधर चल रही थी पुतिन की पीसी, इधर पत्रकार ने किया गर्लफ्रेंड को प्रपोज

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को एक सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी किसी ने शायद ही कल्पना की हो। रूसी राष्ट्रपति की इस पीसी के दौरान एक ऐसा रोमांटिक पल आया, जिसको देखने के बाद लोग हैरान हो गए।

दरअसल, इस दौरान एक युवा पत्रकार ने राष्ट्रपति से सवाल पूछने से पहले ग्लोबल ब्रॉडकास्ट को शादी के प्रपोजल में बदल दिया। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक 23 साल के पत्रकार किरिल बाजानोव ने कैमरे पर इस दौरान अपनी मित्र को शादी के लिए प्रपोज किया। इस पल को पुतिन के साथ वहां पर मौजूद सैकड़ों लोग देख रहे थे।

जब पत्रकार ने लाइव पीसी के दौरान किया गर्लफ्रेंड को प्रपोज: एक सरप्राइज को पेश करते हुए बाजानोव ने दर्शकों से कहा कि मेरी गर्लफ्रेंड यह देख रही है। इसके बाद उन्होंने कहा कि क्या तुम मुझसे शादी करोगी? प्लीज मेरे से शादी कर लो। इसी दौरान वहां पर मौजूद लोगों ने खूब तालियां बजाई। गौरतलब है कि पुतिन का ये साल साल के आखिर में होने वाला प्रेस कॉन्फ्रेंस आमतौर पर तीखी विदेश नीति की टिप्पणियों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस दौरान वहां पर मौजूद पत्रकार का ये सवाल सुर्खियां बन गया।

प्लेबोर्ड लेकर पहुंचा था पत्रकार

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह 23 वर्षीय पत्रकार एक प्लेबोर्ड लेकर पहुंचा था। इसी तख्ती को दिखा कर उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज किया। उन्होंने रूस में बढ़ती महंगाई के बारे में चिंता जताई, हालांकि उनके जवाब को टाल दिया गया। इसके करीब 1 घंटे बाद इसी कार्यक्रम में एक अपडेट दिया गया। प्रोग्राम की होस्ट ने कहा कि हमें एक ब्रेकिंग न्यूज मिल रही है, यह हम से एक के लिए काफी जरूरी खबर है। उसने कहा कि ॠस्स-रिपोर्ट कर रहा है कि किरिल बाजानोव की गर्लफ्रेंड ने उसके प्रपोजल को मान लिया है। इसके बाद वहां पर तालियों की गूंज उठी। होस्ट ने पत्रकार की ओर मुड़ते हुए कहा कि आपकी गर्लफ्रेंड आपसे शादी करेगी, जिसके बाद वहां पर फिर एक बार तालियों की गूंज उठी। पुतिन ने भी तालियां बजाई। इस मौके का फायदा उठाकर बाजानोव ने राष्ट्रपति पुतिन को अपनी शादी का न्योता दिया। गौरतलब है कि बाजानोव वे बाद में बताया कि वह और उनकी गर्लफ्रेंड करीब 8 साल से साथ हैं, लेकिन भारी मॉर्गेज लागत और व्यापक आर्थिक दबावों के कारण परिवार शुरू करने की योजना बनाने में संघर्ष कर रहे थे।

पुतिन का ईयू को अल्टीमेटम, कहा- रूस की संपत्ति जब्त करना डकैती

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस यूरोपीय संघ को कड़ी चेतावनी दी है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन की सहायता के लिए रूस की जब्त संपत्तियों का इस्तेमाल किया गया तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस की जब्त संपत्तियों को यूक्रेन की सहायता करने को सीधे तौर पर डकैती करार दिया और कहा कि वे इस डकैती को अंजाम क्यों नहीं दे सकते? उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ इस योजना को आगे नहीं बढ़ा सका क्योंकि लुटेरों को इसके गंभीर नतीजे झेलने पड़ सकते थे। अपने वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को वित्तपोषण के लिए जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों का उपयोग करने की मंजूरी दे दी होती, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते- क्योंकि यूरोपीय संघ इस योजना को मंजूरी देने में विफल रहा था। यूरोपीय संघ द्वारा यूक्रेन को 90 अरब यूरो का कर्ज देने के फैसले पर भी पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को मदद देने के लिए रूसी संपत्तियों का किसी भी तरह का उपयोग डकैती के समान होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदम से निवेशकों का भरोसा टूटेगा और यूरो क्षेत्र की विश्वसनीयता को भारी नुकसान पहुंचेगा।

समाज की सबसे कमजोर कड़ी तक सहारा पहुंचाना ही प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी : उपायुक्त

सीएसआर के तहत 10 दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राईसाइकिल, 55 टीवी मरीजों को मिली पोषण किट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन एवं डालमिया भारत फाउंडेशन की संयुक्त पहल कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत शनिवार को समाहरणालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 10 दिव्यांगजनों के बीच बैट्री संचालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। साथ ही 55 टीवी मरीजों को पोषण किट भी प्रदान किया गया। पोषण किट में मसूर दाल 03 केजी, सरसों तेल 01 केजी,चना 1.5 केजी,बादाम 01 केजी, गुड़ 01 केजी आदि शामिल है।

मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने डालमिया भारत फाउंडेशन की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार कंपनी ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कदम बढ़ाया है, वह प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि अन्य कंपनियों एवं संस्थाओं को भी ऐसे सामाजिक कार्यों में आगे आना चाहिए। कई बार दिव्यांगजन अपनी समस्याओं को लेकर जनता दरबार में पहुंचते हैं और समाज के सहयोग से ही ऐसे कार्य संभव हो पाते हैं। टीवी मरीजों को पोषण किट वितरण के संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का दायित्व है कि जिनकी ओर कोई नहीं देख रहा, उन तक प्रशासन पहुंचे।

समाज की सबसे कमजोर कड़ी तक सहारा पहुंचाना ही प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी टीवी मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसमें जिले में संचालित कंपनियों के साथ - साथ जिले के वरीय अधिकारी भी शामिल होंगे। सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को पूर्ण किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने सिविल सर्जन को होमवर्क करने का निर्देश दिया। वहीं, कंपनी हेड सुनील कुमार बुसारी ने बताया कि डालमिया भारत फाउंडेशन द्वारा आज 10 ऑर्थो दिव्यांगजनों को बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाइकिल तथा 55 टीवी मरीजों को पोषण किट प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि कंपनी आगे भी अपने सीएसआर दायित्वों का निरंतर निर्वहन करती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सीएसआर प्रभारी शक्ति कुमार एवं यूनिट हेड सुनील कुमार बुसारी द्वारा दिव्यांगजनों को प्रदान की गई बैट्री ट्राई साइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मौके पर सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, डा. संजय कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, कंपनी के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

वरीय पदाधिकारियों ने गुड गवर्नेस के तहत प्रखंड सह अंचल कार्यालयों का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर शनिवार को जिले के वरीय पदाधिकारियों की टीम ने जिले के सभी नौ प्रखंडों के प्रखंड सह अंचल कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), जन वितरण प्रणाली दुकान (पीडीएस), आंगनबाड़ी केंद्र/विद्यालय आदि का गुड गवर्नेस के तहत एक साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की प्रगति, अभिलेखों के रख-रखाव और आमजन को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करना था।

इन पदाधिकारियों ने इन प्रखंडों का किया निरीक्षण

उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चास प्रखंड के चंदाहा पंचायत. अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने जरीडीह प्रखंड के बाराडीह पंचायत, निदेशक डीआरडीए मेनका ने चंद्रपुरा प्रखंड के नररा पंचायत, डीटीओ मारूति मिंज ने पेटरवार प्रखंड के खेतको पंचायत, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ंडा ने चंदनकियारी प्रखंड के साबड़ा पंचायत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको ने बेरमो प्रखंड के बैदकारो पूर्वी पंचायत , जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा ने कसमार प्रखंड के हीसिम पंचायत, डीपीआरओ मो. सफीक आलम ने गोमिया प्रखंड के करीखुर्द पंचायत और एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ ने नावाडीह प्रखंड के गोनियतो पंचायत का निरीक्षण किया।

कार्य संस्कृति और सेवा वितरण की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान वरीय पदाधिकारियों ने कार्यालयों में समय पर उपस्थिति एवं कार्य संस्कृति की जांच की। अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति देखी। आम जनता के लंबित मामलों और सेवा वितरण की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता के कार्यों में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर दिया सख्त निर्देश

जिले के वरीय पदाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि योजनाओं का लाभ आम जनता तक समय पर पहुँचना चाहिए। कार्य में लापरवाही या गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। सभी कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

सार्वजनिक पशुओं के प्रति क्रूरता रोकने को लेकर उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार सिंह, प्र. पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार पशुपालन पदाधिकारी नगर निगम चास डॉ. फातिमा समेत, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सार्वजनिक रूप से विचरण कर रहे पशुओं,जो निजी नहीं हैं के प्रति क्रूरता की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने हेतु प्रत्येक 45 दिन पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाए। सभी विभागों के कार्य दायित्व अनुपालन को सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। जिला पशुपालन पदाधिकारी को सभी संबंधित विभाग— स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर निगम चास/नगर परिषद फुसरो तथा पुलिस विभाग के साथ मासिक समन्वय बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। प्रत्येक विभाग के दायित्वों का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उनके निष्पादन की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने को कहा। पशु क्रूरता के विरुद्ध जिले में कार्यरत

एनजीओ उनके प्रतिनिधियों के साथ प्रतिमाह बैठक आयोजित करने तथा बैठक का प्रतिवेदन जिला कार्यालय को समर्पित करने का निर्देश दिया। नगर निगम चास, नगर परिषद फुसरो एवं बीएसएल नगर प्रशासन को निर्देश दिया कि सार्वजनिक रूप से विचरण कर रहे, गैर-निजी पशुओं के लिए सेल्टर होम एवं फीडिंग जोन स्थायी निर्माण हेतु उपयुक्त स्थल चिन्हित करें। उपायुक्त ने कहा कि दो माह के भीतर अस्थायी सेल्टर होम एवं फीडिंग जोन प्रारंभ किया जाए। फीडिंग जोन के लिए ऐसे स्थल चिन्हित करने को कहा गया, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। जिला पंचायती राज पदाधिकारी एवं जिला जन संपर्क पदाधिकारी को पशु क्रूरता के विरुद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल का उपायुक्त तथा एसएसपी ने किया स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का आगमन शनिवार को धनबाद एयरपोर्ट पर हुआ। इस दौरान धनबाद एयरपोर्ट पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने राज्यपाल का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल को धनबाद एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बता दें कि टुंडी में एक स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार धनबाद पहुंचे हैं। मौके पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर द्विवेदी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नितिन नवीन से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री ने मुलाकात कर दी बधाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से झारखंड प्रदेश महिला मोर्चा, प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह ने बिहार निवास में मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामना दी। मुलाकात में पार्टी संगठन को और मजबूत करने सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। अर्चना ने कहा कि नितिन युवा, सहज, शालीन स्वभाव की धनी हैं । वे एक कुशल संगठनकर्ता हैं। पांच बार लगातार विधायक, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई संगठनात्मक पदों का सफलतापूर्वक निर्वहन किए नितिन नवीन पार्टी को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेंगे। सरकार में मंत्री रहने के कारण उन्हें प्रशासनिक दक्षता भी हासिल है। अर्चना ने जानकारी दी नितिन जल्द झारखंड के दौरे में आएंगे।

व्यवसायी पुत्र पर गोलीबारी, चार पर एफआईआर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के व्यवसायी पारस सिंह के पुत्र सौरव सिंह पर निरसा पेट्रोल पंप में गोलीबारी की घटना के बाद परिजनों ने प्रेस वार्ता की। परिजनों ने बताया कि प्रीतम सिंह, अमित साहू उर्फ निकू साहू, मंटू सिंह और अजीत सिंह पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप लगाया गया है कि गोलीबारी के पीछे लेनदेन या व्यावसायिक मामला हो सकता है। सौरव की गाड़ी से 2 लाख रुपये गायब हैं। गोली लगने के बाद सौरव को अशर्फी अस्पताल, फिर मिशन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति के कारण दिल्ली रेफर किया गया है। पुलिस ने मिशन अस्पताल में सौरव का बयान दर्ज किया है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। परिजनों ने पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

एमओसी के ओएसडी तथा डायरेक्टर टेक्निकल ने की उपायुक्त से मुलाकात

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कोल इंडिया लिमिटेड के एमओसी के ओएसडी आलोक कुमार तथा डायरेक्टर टेक्निकल बीरेंद्र कुमार ठाकुर ने उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के साथ औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों पदाधिकारियों के बीच बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा सहित सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। साथ ही बेलगड़िया टाउनशिप को सहयोगात्मक तरीके से विकसित करने पर चर्चा हुई।

जरूरतमंदों की गर्म कपड़ों से मदद करने का सभी प्रयास करें : दिलीप सिंह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बरमसिया शनि मंदिर परिसर में भोजन और कंबल वितरण कार्यक्रम अभियान में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह पहुंची और मंदिर परिसर में जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर उनका हाल-चाल जाना। इस कार्यक्रम में युवा संघर्ष मोर्चा के सभी सदस्य शामिल हुए और जरूरतमंदों की सेवा सहायता में सक्रिय रहे।समाजसेवी दिलीप सिंह ने इस मौके पर कहा कि सर्दी लगातार बढ़ रही है, जिससे स्टेशन, फुटपाथ और खुले स्थानों पर सोने वाले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे पूरी सर्दी के दौरान जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा पूर्व की तरह तत्पर व तैयार हैं और आम जनता से अपील की कि यदि उनके आसपास किसी व्यक्ति को खुली हवा में सोते हुए देखें, तो उसे कंबल अवश्य दें। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने युवा संघर्ष मोर्चा के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने सभी को एकजुट होकर समाजसेवा की दिशा में जागरूक होने और अपने कर्तव्यों को निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया।इस कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली और मानवता व सेवा का संदेश समाज में फैला।

स्थापना दिवस के अवसर पर बिस्को द्वारा बीजीएच ब्लड बैंक में रक्तदान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बैंक इंश्योरेंस स्पोर्ट्स एंड कल्चर ऑगेर्नाइजेशन (बिस्को) अपने स्थापना दिवस 20 नवंबर से एक माह तक विभिन्न प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा गतिविधि कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस कड़ी में आज बीजीएच ब्लड बैंक परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन बोकारो जनरल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विभूति करुणामय ने बीजीएच के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी अनिन्दु मंडल, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ सुरेंद्र कुमार, पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख राजेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धश नारायण दास, महासचिव राघव कुमार सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डॉ विभूति करूनामय ने रक्तदाताओं से बात कर उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान दुनिया में किसी भी दान से सबसे महत्वपूर्ण दान है। रक्तदान करने से आपका स्वयं का भी स्वास्थ्य ठीक रहता है तथा दुसरे आवश्यक जनों को भी जीवनदान मिलता है। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख राजेश कुमार श्रीवास्तव ने भी रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। हम समझते हैं कि हमारे एक यूनिट रक्तदान से किसी और को पूरा जीवन मिल जाता है इससे ज्यादा प्रसन्नता की और कोई बात हो ही नहीं सकती। बिस्को कार्यकारी अध्यक्ष सिद्देस नारायण दास ने बिस्को द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को रेखांकित करते हुए बोकारो जेनरल अस्पताल के लिए किए जा रहे इस रक्तदान के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अस्पताल में आसपास एवं दूर दराज के दुर्घटनाग्रस्त मरीजों के अलावा अन्य विभिन्न प्रकार के मरीजों का इलाज होता है, इसलिए हम सभी आगे भी बीजीएच के लिए रक्तदान करते रहेंगे। बिस्को द्वारा आयोजित शिविर में रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से राघव कुमार सिंह, रामाशीष सिंह, सितारे अहमद, सुनीता राय, दीप नारायण, प्रशांत कुमार, कृष्णकांत कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार , ज्ञान स्वरुप सिन्हा, राजीव कुमार सिंह, संजीव कुमार, नीरज तिवारी, ब्रजेश कुमार सिंह, सरोजानंद झा, राजीव कुमार, अक्षत कुमार, रवीनव कुमार एवं अन्य 20 लोग थे।

नेतृत्व क्षमता तथा हिंसा रोकथाम पर सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के बगदा पंचायत भवन में सहयोगिनी संस्था द्वारा आयोजित अर्धवार्षिक ज्ञान आधारित स्टेकहोल्डर मीटिंग में बच्चों की शिक्षा, किशोरियों के नेतृत्व क्षमता विकास, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा हिंसा की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, सेविका-सहिया, महिला समूहों की सदस्याएं, अभिभावक एवं अन्य हितधारक उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बगदा पंचायत की मुखिया गीता देवी ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और किशोरियों का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जब तक लड़कियों और महिलाओं को उनके अधिकारों, शिक्षा और सुरक्षा की सही जानकारी नहीं मिलेगी, तब तक वे आत्मनिर्भर नहीं बन सकतीं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता दें और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाएं। उपमुखिया वीरेंद्र करमाली ने कहा कि बाल विवाह और हिंसा समाज के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि किशोरियों में नेतृत्व क्षमता का विकास कर ही उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जा सकता है। उन्होंने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या बाल विवाह की जानकारी तुरंत पंचायत या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर समाज को सुरक्षित बनाया जा सके। पंचायत सचिव इमरोज अहमद ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए बताया कि कानून के अनुसार लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे पहले विवाह कराना दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में पंचायत स्तर पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। सहयोगिनी संस्था कार्यक्रम समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं की शिक्षा, जीवन कौशल एवं नेतृत्व विकास के साथ-साथ उन्हें सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, छात्रवृत्ति, साइकिल योजना एवं कौशल विकास जैसी सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। बैठक में अभिभावकों और सभी हितधारकों से बच्चों की शिक्षा, हिंसा रोकथाम एवं सुरक्षित समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। बैठक में मुखिया गीता देवी, उपमुखिया विरेन्द्र करमाली,वार्ड सदस्य, चमेली देवी, द्रौपदी देवी, पूनम देवी आंगनबाड़ी सेविका मीना देवी, अंकिता देवी सरस्वती देवी एनिमेटर संगीता देवी पुष्पा देवी, मंगल कुमार, समीर भट्टाचार्य सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं महिला समूह की दीदियां उपस्थित रहे।

होली क्रॉस स्कूल, चंदनकियारी में वार्षिक स्कूल फेस्ट का आयोजन

चंदनकियारी (बोकारो)/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी के प्रांगण में 8वाँ वार्षिक स्कूल फेट 2025 अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और रंगारंग वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि विद्यालय और समाज के बीच आपसी सहयोग और सौहार्द का प्रतीक भी रहा। इस गरिमामयी आयोजन का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मनीष कुमार चंचल द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के पश्चात उन्होंने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, सहयोग की भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। फेट का सबसे बड़ा आकर्षण विभिन्न प्रकार के खाद्य स्टॉल रहे, जहाँ स्वाद और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया था। इन स्टॉलों का संचालन विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा अत्यंत कुशलतापूर्वक किया गया। वोही खेल के स्टॉलों ने बच्चों और बड़ों, दोनों को समान रूप से आकर्षित किया।

बीएसएल के एचएसएम विभाग में केंद्रीय एसी प्रणाली का उन्नयन, परिचालन विश्वसनीयता हुई सुदृढ़

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के एमआर-4 क्षेत्र में स्थित महत्वपूर्ण ड्राइव रूम्स हेतु केंद्रीय एयर-कंडीशनिंग प्रणाली के प्रतिस्थापन एवं उन्नयन का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है. इस उन्नयित केंद्रीय एसी प्रणाली का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (यूटिलिटीज) एस. आर. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा, महाप्रबंधक (एचएसएम) सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (एचएसएम) राहुल सिंह, सहायक महाप्रबंधक (एसीवीएस) दिनेश कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं संविदा कर्मी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि एमआर-4 क्षेत्र के ड्राइव रूम्स, जो भूतल एवं भूमिगत स्तर पर स्थित हैं, हॉट स्ट्रिप मिल की कॉइलर प्रणालियों के निर्बाध, सुरक्षित एवं सतत संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन ड्राइव रूम्स में कन्वर्टर्स, ड्राइव्स एवं इलेक्ट्रॉनिक कार्ड्स जैसे अत्यधिक ताप-संवेदनशील एवं परिष्कृत उपकरण स्थापित हैं। पूर्व में स्थापित 2 .80 टीआर क्षमता की केंद्रीय एसी प्रणाली दीर्घकालीन उपयोग के कारण जर्जर हो चुकी थी, वहीं कूलिंग कॉइल्स से रेफ्रिजरेंट के रिसाव के चलते शीतलन दक्षता भी प्रभावित हो रही थी। ड्राइव रूम्स में स्थिर एवं नियंत्रित तापमान बनाए रखने की अनिवार्यता को दृष्टिगत रखते हुए, बीएसएल द्वारा पुरानी एयर हैंडलिंग यूनिट्स (एएचयू) के स्थान पर 2 .20,000 सीएफएम क्षमता की नवीन डीएक्स-टाइप एएचयू की स्थापना का निर्णय लिया गया। यह संपूर्ण कार्य निर्धारित सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का पूर्णतः अनुपालन करते हुए विभागीय इन-हाउस संसाधनों के माध्यम से पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि 12 दिनों की नियोजित शटडाउन अवधि के स्थान पर यह कार्य मात्र 8 दिनों में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। कमीशनिंग के पश्चात नई केंद्रीय एसी प्रणाली के माध्यम से ड्राइव रूम्स का तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर बनाए रखा जा रहा है, जो पूर्व निर्धारित 24 डिग्री सेल्सियस की आवश्यकता से भी बेहतर है। इस उन्नयन परियोजना से ड्राइव कूलिंग प्रणाली की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि, ताप-संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बेहतर सुरक्षा, ब्रेकडाउन एवं उत्पादन व्यवधान में कमी, रेफ्रिजरेंट एवं रख-रखाव लागत में बचत तथा संभावित उत्पादन हानि से बचाव जैसे महत्वपूर्ण परिचालन एवं वित्तीय लाभ प्राप्त हुए हैं। यह सफल उन्नयन परियोजना बोकारो स्टील प्लांट की परिचालन उत्कृष्टता, प्रणालीगत विश्वसनीयता एवं सतत सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करती है।

बीएसएल में महिला संविदा कर्मियों हेतु तनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट में महिला संविदा कर्मियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हृतनाव प्रबंधनह्व विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 दिसंबर 2025 को मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र स्थित मिनी ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न कार्य क्षेत्रों से 24 महिला संविदा कर्मियों ने सहभागिता की. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) श्री अनूप कुमार दत्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. योगा गुरू श्री कृष्ण बंधु मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया. अपने संबोधन में श्री दत्त ने महिला संविदा कर्मियों के लिए ऐसे जागरूकता एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए महिला सशक्तिकरण को रेखांकित किया. उन्होंने महिला कर्मियों से अपनी समस्याओं एवं चुनौतियों को साझा करने का आह्वान किया तथा प्रबंधन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया. प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत योग सत्र, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र एवं मानव संसाधन विभाग द्वारा वैधानिक लाभों पर जानकारीपरक सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराना एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल

फोन नंबर- 9431145865 8210783623

आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655

E-mail- nbtimesbihar@gmail.com